डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 16.09.2024 से 22.09.2024

► वर्ष-41 ► अंक-38 ► मूल्य ₹ 10.00

/ संक्षिप्त खबर /

मुख्य सूचना आयुक्त एवं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति

भोपाल, राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त एवं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक हुई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके एवं नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार शामिल हुए। चयन समिति द्वारा मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए श्री विजय यादव (सेवानिवृत्त विशेष पुलिस महानिदेशक) का चयन किया गया। साथ ही सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए श्री उमाशंकर पचौरी (शिक्षाविद्), श्रीमती वंदना गांधी (समाजसेवी) एवं श्री ओमकार नाथ (सेवानिवृत्त जज) चयनित किये गये।

सोयाबीन के समर्थन मूल्य की स्वीकृति पर केन्द्र का आभार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के हित में कृत-संकल्पित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने हमेशा किसानों की चिंता की है। इस अनुक्रम में केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान कर दी है। सोयाबीन का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 4892 रुपये निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा सोयाबीन के निर्धारित समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है।

प्रदेश के जिला और संभागों की सीमाओं का होगा पुनर्निर्धारण

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन सामान्य की सुविधा और बेहतरी के उद्देश्य से जिले और संभाग की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, राज्य का क्षेत्रफल अधिक है परंतु जिला और संभागों की सीमाओं से लोगों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। कई गांव ऐसे हैं जिनकी जिला मुख्यालय से दूरी बहुत अधिक है, इसी प्रकार कई संभाग बहुत छोटे हैं। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े जिलों जैसे सागर, उज्जैन, इंदौर और धार में कई समस्याएं हैं। बीना में रिफाइनरी स्थापित होने से यह एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की सभी विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से नया परिसीमन आयोग गठित कर जिलों तथा संभागों के पुनरीक्षण का दायित्व सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव को सौंपा गया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में 17 सितम्बर से शुरू होगा 'स्वच्छता ही सेवा-2024' अभियान

भोपाल, स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर इस वर्ष का स्वच्छता अभियान प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिन 17 सितम्बर से शुरू होगा। इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान की थीम ***'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'*** रखी गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर को ***'स्वच्छता ही सेवा'*** अभियान के शुभारंभ अवसर पर मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार के जिलों में शामिल होंगे। अभियान की शुरुआत में 17 सितम्बर को प्रदेश में सस्ते दाम पर दवाइयां उपलब्ध कराने वाले जनऔषधि केन्द्रों का शुभारंभ भी किया जायेगा। इस वर्ष ***'स्वच्छता ही सेवा अभियान'*** के तीन प्रमुख केन्द्र बिन्दु जन-भागीदारी, जागरूकता और एडवोकेसी होंगे। अभियान का दूसरा स्तंभ स्वच्छता के लिये श्रमदान और स्वच्छता लक्षित इकाई का कायाकल्प होगा। अभियान का समापन 2 अक्टूबर ***'महात्मा गांधी जयंती'*** पर प्रदेश भर में होगा।

स्वच्छता की भागीदारी

'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के दौरान स्थानीय स्तर पर जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नागरिकों को स्वच्छ भारत बनाने के लिये शपथ दिलाई जायेगी। छात्रों और युवाओं की भागीदारी के साथ स्वच्छता पर केन्द्रित गीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी, काव्य पाठ और नुक्कड़ नाटक विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये जायेंगे। अपशिष्ट प्रबंधन, संपूर्ण स्वच्छता और वेस्ट टू आर्ट पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित होंगी। ***'स्लोगन'*** लेखन और साफ-सफाई पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

स्वच्छता लक्षित इकाई पर गतिविधियां

'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम में पौध-रोपण किया जायेगा। सार्वजनिक शौचालय मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। सामूहिक सफाई कार्य में भागीदारी बढ़ाने के लिये स्वयं-सेवियों की पहचान, औद्योगिक समूहों की भागीदारी और श्रेष्ठ कार्य करने वालों का नागरिकों की उपस्थिति में सम्मान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ 2028 के लिए गठित मंत्री-मंडलीय समिति के सदस्यों से चर्चा की

उज्जैन के साथ ही पूरे प्रदेश और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है सिंहस्थ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सिंहस्थ 2028 के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक हुई

भोपाल, प्रति 12 वर्ष में उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ प्रदेश के साथ ही राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है। पूरे विश्व में इसकी गूंज होती है। सिंहस्थ के लिए राज्य सरकार तैयारियां प्रारंभ कर चुकी है। सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए अनेक नए निर्माण कार्य भी होंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ 2028 के लिए गठित मंत्री-मंडलीय समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में ठहरने, भोजन व्यवस्था और यातायात की दृष्टि से कई व्यवस्थाएं की जाएंगी। इन सभी कार्यों को शासकीय विभाग और अन्य उपक्रम तालमेल के साथ पूर्ण करने के लिए जुट जाएं। सड़क और रेल परिवहन सुविधाओं के विकास के साथ हवाई यातायात को भी प्राथमिकता देते हुए इसे दीर्घकालिक योजना में जोड़ा जाए। बैठक में इंदौर-उज्जैन मार्ग को सिक्स लेन बनाने, इंदौर-उज्जैन वैकल्पिक फोर लेन मार्ग (दूरी 49 किमी) सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में चर्चा हुई।

फोर लेन मार्ग निर्माण को दें गति

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उज्जैन में केडी गेट से वीर दुर्गादास की छतरी से गोंसा मार्ग की लंबाई पर फोर लेन मार्ग के निर्माण को गति देते हुए शीघ्र पूर्ण किया जाए। इस प्रस्तावित मार्ग के बन जाने से गोपाल मंदिर और मुख्य शहरी भाग को सीधे जावरा, बड़नगर तथा काल भैरव की तरफ जाने के लिए नागरिकों को सुविधा मिलेगी। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में उज्जैन में सदावल में हेलीपैड का निर्माण भी किया जा रहा है।

प्रदेश का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ सिर्फ उज्जैन का नहीं है। यह उज्जैन और इंदौर दोनों संभागों के साथ सम्पूर्ण प्रदेश का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन है। श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में आगमन से अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन, इंदौर के साथ ही ओंकारेश्वर और महेश्वर जैसे स्थानों पर भी पहुंचते हैं। बुजुर्ग यात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग, घाट के जितने नजदीक होगी उन्हें उतना ही कम पैदल चलना पड़ेगा।

रेल सुविधाएं बढ़ाने पर फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा उज्जैन-इंदौर मेट्रो के साथ ही अन्य रेल सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। बैठक में जानकारी दी गई कि रेल मंत्रालय से समन्वय के लिए पूर्व में परिवहन विभाग नोडल विभाग की भूमिका निभा रहा था। अब लोक निर्माण विभाग को यह दायित्व दिया गया है। श्री महाकालेश्वर (उज्जैन) से इंदौर मेट्रो परियोजना में दूरी 47 किलामीटर और प्रस्तावित स्टेशनों की संख्या 8 है।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ने से सांची दुग्ध संघ का होगा उन्नयन

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से नई दिल्ली में सौजन्य भेंट कर प्रदेश के सहकारिता संबंधी विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में उन्नति कर रहा है। राज्य शासन द्वारा दुग्ध संघों का प्रबंधन और संचालन आगामी पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से किए जाने पर सहमति बनी है। समझौते से लगभग 11 हजार गांवों के पशुपालक और दुग्ध-उत्पाद किसानों की आय में वृद्धि होगी। प्रदेश सरकार सहकारिता के क्षेत्र को

मजबूत करने की दिशा में इन 11 हजार गांवों में बहुउद्देशीय सहकारी संस्थाओं का गठन करेगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ने से सांची दुग्ध संघ का उन्नयन होगा।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड देश में दुग्ध सहकारिता के विस्तारीकरण, सुदृढ़ीकरण, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध विपणन, दुग्ध प्रसंस्करण से संबंधित परामर्श इत्यादि कार्य करता है।

दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के बाद दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है। प्रदेश में प्रतिदिन साढ़े पांच करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में मध्यप्रदेश की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। जहां देश में प्रति व्यक्ति 459 ग्राम दूध प्रतिदिन की उपलब्धता है वहीं मध्यप्रदेश में यह 644 ग्राम है। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्ष में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य है।

7 सितम्बर

सीबीएसई अब माइग्रेशन की डिजिटल कॉपी करेगा जारी

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) वर्ष 2025 से 10वीं और 12वीं के छात्रों को माइग्रेशन सर्टिफिकेट की हार्डकॉपी के स्थान पर डिजिटल कॉपी जारी करेगा। छात्रों से परीक्षा शुल्क के साथ माइग्रेशन जारी करने का शुल्क भी नहीं लिया जाएगा। पिछले 8-10 साल से अंकतालिका को डिजी लॉकर में भेजा जा रहा है, तब भी हार्डकॉपी देना जारी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने बताया कि यूजीसी ने सभी कॉलेज-यूनिवर्सिटी के लिए सीबीएसई और अन्य बोर्ड द्वारा जारी मार्कशीट-प्रमाणपत्रों की डिजिटल प्रतियां स्वीकार करने को कहा है।

8 सितम्बर

एनसीईआरटी सभी विषयों में छात्रों को कराएगी मास्टर और पीएचडी

● राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) जल्द ही सभी विषयों से जुड़े मास्टर और पीएचडी कोर्स शुरू करेगी। अगले शैक्षणिक सत्र से एनसीईआरटी अपने मुख्य कैंपस के साथ ही क्षेत्रीय केंद्रों के जरिए इन कोर्सों को शुरू कर सकती है। एनसीईआरटी ने यह पहल डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद शुरू की है।

9 सितम्बर

मंगल पर पहला स्टारशिप मिशन भेजेंगे मस्क

● एलन मस्क ने कहा कि स्पेस एक्स दो वर्षों में मंगल ग्रह पर अपना पहला मानव रहित स्टारशिप मिशन भेजेगा। यह लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए भेजा जाएगा। अगर लैंडिंग सही रही तो मंगल पर पहली चालक दल की उड़ान चार वर्षों में होगी। मस्क ने कहा कि मंगल पर पहला स्टारशिप तब लॉन्च किया जाएगा जब अगली पृथ्वी-मंगल स्थानांतरण विंडो खुलेगी। उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों में एक आत्मनिर्भर शहर के निर्माण के लक्ष्य के साथ उड़ान दर में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंगल की सतह पर प्रति टन उपयोगी पेलोड की लागत लगभग एक अरब डालर है। एक आत्मनिर्भर शहर बनाने के लिए इसे एक लाख डॉलर प्रति टन तक सुधारने की आवश्यकता है। इसलिए प्रौद्योगिकी को दस हजार गुना बेहतर बनाने की जरूरत है।

10 सितम्बर

एचएएल में बनेंगे सुखोई-30 के 240 इंजन

● हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में 26 हजार करोड़ रुपये में सुखोई-30 विमान के 240 इंजन बनेंगे। रक्षा मंत्रालय ने यह करार किया है। इससे देश में लड़ाकू विमान के स्क्वाड्रन की संख्या बढ़ने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए वायु सेना के पास 42 स्क्वाड्रन होने चाहिए। फिलहाल भारत के पास 30 स्क्वाड्रन हैं।

11 सितम्बर

अब सैटेलाइट सिस्टम से की जाएगी टोल वसूली

● भारत में ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम लागू हो गया है। सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने इसके संशोधित नियम जारी किए। अधिसूचना के मुताबिक, जीएनएसएस से लैस निजी वाहनों से नेशनल हाईवे पर रोज 20 किलोमीटर की दूरी तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। 20 किलोमीटर से अधिक जितनी दूरी तय करेंगे, उतनी ही दूरी का टोल वसूला जाएगा। यह लाभ उन्हीं वाहनों को मिलेगा, जो फिलहाल जीएनएसएस से लैस हैं।

12 सितम्बर

70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मिलेगा पांच लाख तक का मुफ्त इलाज

● देश के 70 साल और अधिक उम्र के बुजुर्ग आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5 लाख रुपये तक निशुल्क इलाज करवा सकेंगे। केंद्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी दी। खास बात यह है कि इसमें किसी भी प्रकार की आय सीमा नहीं है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पात्र वरिष्ठ नागरिकों को अलग से नया कार्ड जारी होगा। जो बुजुर्ग केंद्र की स्वास्थ्य योजना, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जैसी योजना के दायरे में हैं, वे नई योजना चुन सकते हैं। जो बुजुर्ग निजी स्वास्थ्य बीमा या कर्मचारी राज्य बीमा योजना में कवर हैं, वे भी नई योजना का लाभ ले सकते हैं।

13 सितम्बर

रेलगाड़ियों में लगेंगे कैमरे

● भारतीय रेल ने सभी गाड़ियों में कैमरे लगाने का फैसला किया है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। इससे पटरी और आसपास के माहौल पर नजर रखी जा सकेगी। श्री वैष्णव ने यह भी बताया कि रेलवे के इस नए कदम के अंतर्गत ट्रेनों के आगे पीछे, इंजन और गार्ड कोच के दोनों ओर कैमरे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजन के आगे पशुओं से सुरक्षा के लिए लगे कैटल गार्ड और बोगियों में भी कैमरे लगाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों साबरमती एक्सप्रेस समेत कुछ अन्य ट्रेनों को बेपटरी किए जाने की कोशिशें की गई थीं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

www.rntu.ac.in
RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™
MADHYA PRADESH, BHOPAL
RECOGNIZED BY: UGC | ACCREDITED BY: AICTE | NCTE | ICAR | PCI | BCI | MP PARAMEDICAL COUNCIL | MP NURSING COUNCIL | MEMBER OF AIU
REDEFINING EXCELLENCE
FOR 6 CONSECUTIVE YEARS
MADHYA PRADESH'S ONLY PRIVATE UNIVERSITY
Ranked Consecutively for 6 YEARS by nirf
The Ranking Framework of MoE (Ministry of Education), Govt. of India
University Category Rank Band 151-200 nirf 2024
Engineering Category Rank Band 201-300 nirf 2024
UNLOCKING POTENTIAL

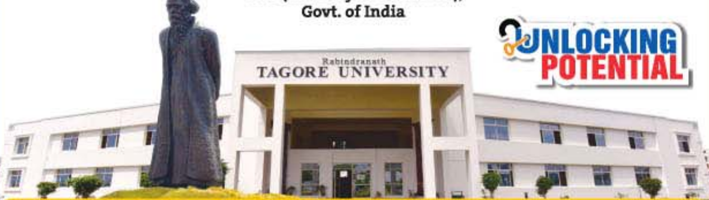

Join the NIRF-Ranked, Research-Driven, Future Ready University For A Bright Career
ADMISSIONS OPEN 2024-25
Engineering & Technology | Management | Education | Law | Science | Agriculture | Commerce
Dramatic Arts | Medical Sciences | B.Voc. | M.Voc | Tagore Institute of Rural Management
Humananities & Liberal Arts | Ph.D in selected subjects through separate entrance tests
AWARDS & RECOGNITION
1st Rank Private Multidisciplinary University In Madhya Pradesh THE WEEK 2023
AAA+ Rating Among Private Universities in M.P. 2023 CAREERS 360
Leading University in India by BW Education-2023
B.Sc. Agriculture Accredited by ICAR
6500+ Students Placed | 600+ Companies Visited | 250+ Placement Drives
PLACEMENT PARTNERS vedanta accenture ICICI Bank AXIS BANK WIPRO Tech Mahindra adani tcs BAJAJ FINSERV amazon Jio airtel NIIT HCL and many more...
ACADEMIC PARTNERS BOSCH Red Hat DAIKIN AISECT LEARN
+91-9319866685, 9993006401, 8770884536, 87701798841, 6264048758
Rabindranath Tagore University Campus: BHOPAL - Chiklod Road, Near Bangrasia Chouraha, Bhopal, M.P., Ph.: +91-7552700401, 2700447
City Office: 3rd Floor, Samath Complex, Opposite to Board Office, Link Road No. 1, Shivaji Nagar, Bhopal, Ph.: +91-755-4289606
R-50052/2024

वर्ष 41, अंक 38 16.09.2024 से 22.09.2024
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना से प्रदेश के जनजातीय गांवों का विकास

जनजातीय वर्ग के सामाजिक तथा आर्थिक हितों की रक्षा और इनकी बसाहटों के समग्र विकास के लिये भारत सरकार द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता के अंतर्गत प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई) संचालित की जा रही है। इस योजना में मध्यप्रदेश के 47 जिलों के जनजातीय बहुल 7 हजार 307 गांव चुने गये हैं। योजना के तहत पांच सालों में इन चयनित गांवों में विभिन्न श्रेणी के विकासमूलक कार्य कराये जाएंगे। प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2021-22 तथा 2022-23 में बड़वानी, भोपाल, बुरहानपुर, छतरपुर, दमोह, गुना, खण्डवा, नरसिंहपुर, राजगढ़, सिंगरौली, विदिशा, रीवा, झाबुआ, धार एवं श्योपुर सहित कुल 15 जिलों के 2 हजार 523 गांवों में 133 करोड़ 14 लाख 62 हजार रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शैक्षणिक और कौशल उन्नयन से जुड़े 6 हजार 50 कार्य करवाये गये हैं। अनूपपुर, मुरैना, सतना, सीधी, देवास, बैतूल, श्योपुर, सीधी, मंडला, उमरिया, नीमच, रतलाम, अलीराजपुर, मंदसौर तथा खरगोन सहित कुल 15 जिलों के 1 हजार 675 गांवों में 4 हजार 27 विकास कार्यों के लिये 302 करोड़ 53 लाख 58 हजार रुपये की भेजी गई कार्ययोजना को वित्त वर्ष 2024-25 में भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। कार्ययोजना के अनुसार यहाँ स्वीकृत निर्माण कार्य करवाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में चयनित धार जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 689 गांवों में वर्तमान में 1 हजार 634 से अधिक निर्माण कार्य करवाये जा रहे हैं। भारत सरकार से इन कामों के लिये 136 करोड़ 35 लाख 12 हजार रुपये मंजूर किये गये हैं। इस राशि में से 12 करोड़ 50 लाख 78 हजार रुपये की विकास राशि अब तक व्यय की जा चुकी है। भारत सरकार द्वारा मंजूर विकास राशि से इन 689 गांवों में आंगनवाड़ी भवनों, शासकीय उचित मूल्य की दुकानों, स्कूलों, छात्रावासों तथा आश्रम शालाओं में अतिरिक्त कक्षों, शौचालय, किचन शेड, भोजन कक्ष, विद्युतीकरण, पेयजल सुविधाओं का विस्तार, फर्नीचर, रंगाई-पुताई कार्य, उप स्वास्थ्य केन्द्रों, जन आरोग्य केन्द्रों में अतिरिक्त कक्षों, बाउंड्रीवॉल निर्माण, सार्वजनिक शौचालय और पानी निकासी के लिये ड्रेनेज निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं। इसी प्रकार इन गांवों में पेयजल सुविधाओं की बेहतरी के लिये पाइप लाइन विस्तार, पानी की टंकी निर्माण, जनजातीय बसाहटों में विद्युतीकरण तथा लाइन विस्तार के कार्य, आजीविका मिशन के तहत आजीविका भवनों और सामुदायिक भवनों का निर्माण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिये स्टॉपडेम, चेकडेम निर्माण तथा अधोसंरचनात्मक विकास के लिये गांवों और शासकीय संस्थाओं तक आंतरिक पहुंच मार्ग और पुल-पुलिया (कल्वर्ट) निर्माण कार्य भी करवाये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना को 5 वित्त वर्षों (2021-22 से 2025-26) में क्रियान्वित किया जाना है। इस योजना का उद्देश्य विशिष्ट जनजातीय आबादी बहुल गांवों को एक आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर कम से कम 50 प्रतिशत जनजाति आबादी और कम से कम 500 की जनजाति आबादी वाले 36 हजार 428 से अधिक गांवों को इस योजना में कवर किया जाना है। योजना से 4 करोड़ 22 लाख जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी।

वैज्ञानिकों ने किया चंद्रमा से लाई गई मिट्टी के 3 हजार मोतियों पर शोध

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में समय-समय पर खगोलीय घटनाएं होना सामान्य बात है। पिछले दिनों चीन का अंतरिक्ष यान चांग ई-5 चंद्रमा से मिट्टी के कुछ अवशेष लेकर आया था। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के समूह ने इस मिट्टी पर शोध किया। पिछले दिनों वैज्ञानिकों ने इस शोध की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार चंद्रमा पर करीब 12 करोड़ साल पहले ज्वालामुखी विस्फोट होते थे। वैज्ञानिकों के मुताबिक मिट्टी में लावा के कुछ अवशेष प्राप्त हुए जो चंद्रमा पर ज्वालामुखी गतिविधियों की जानकारी पुष्ट करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार चांग ई-5 अंतरिक्ष यान चंद्रमा के जिस हिस्से में उतरा था, उसे ओशनस प्रोसेलरम कहा जाता है। इसका मतलब तूफान का महासागर होता है। यह क्षेत्र चंद्रमा के निकट उत्तर से दक्षिण तक लगभग ढाई हजार किलोमीटर तक फैला है। ऐसी मान्यता है कि इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत नया लावा मौजूद है जो चंद्रमा पर ज्वालामुखी होने का संकेत देता है। वैज्ञानिकों के शोध अनुसार इसके कई प्रमाण मिलते हैं जिससे जानकारी मिलती है कि अभी भी शुक्र ग्रह पर ज्वालामुखी सक्रिय है। अभी तक के अध्ययन से पता चलता है कि चंद्रमा के आंतरिक भाग के कुछ हिस्सों में ज्वालामुखी सक्रिय है। चीन की एकेडमी ऑफ साइंस के प्रोफेसर युयांग के अनुसार चंद्रमा पर प्राचीन ज्वालामुखी गतिविधि के कई साक्ष्य मिले हैं। उन्होंने कहा कि हमने चांग ई-5 मिशन द्वारा इकट्ठे किए गए मिट्टी के नमूनों में कांच के करीब 3 हजार मोतियों की जांच की है। साथ ही उनकी बनावट, ट्रेस-तत्व की संरचना और इन-सीटू सल्फर आइसोटोप के विश्लेषण से ही तीन ज्वालामुखी की पहचान की गई है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के लिये अभिनव प्रयास

शिल्प और कौशल विकास केवल आत्मनिर्भरता ही नहीं समृद्धि का भी सूत्र है। इससे रोज़गार के नये मार्ग सृजित होंगे और भारतीय कला कौशल से पूरा विश्व परिचित होगा। 'आत्मनिर्भरता और समृद्धि' इस सूत्र को आकार देने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' का शुभारंभ किया है। इस योजना के अंतर्गत परंपरागत शिल्पकारों को प्रशिक्षण देकर और उनके द्वारा निर्मित कलात्मक उत्पाद की बिक्री के लिये बाजार भी उपलब्ध कराया जायेगा।

सामान्य बोलचाल की भाषा में परंपरागत शिल्प को 'कला' और शिल्पकार को 'कारीगर' कहते हैं। भारतीय शिल्प, कला और कौशल के प्रति संसार में सदैव आकर्षण रहा है। एक समय था जब भारत इस कौशल के आधार पर पूरी दुनिया का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बना था। भारत के खनिज आधारित उत्पाद, वनोपज और शिल्प कौशल से निर्मित वस्तुओं की मांग दुनियाभर में रही है। इनमें बांस, बल्ली, लकड़ी, लोहे से निर्मित कलात्मक वस्तुएं, सोने, चांदी, हीरे और मोती के आभूषण भी होते थे। कलात्मकता से निर्मित इस उत्पाद में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, श्रृंगार और सजावट का सामान होता था। कुल चौसठ प्रकार की कलाएं थीं जिनसे कई प्रकार की कलात्मक कृतियां तैयार होती थीं। भारतीय शिल्पकारों के कौशल से निर्मित ये वस्तुएं पानी के जहाजों में भरकर भारत से जाती थीं और बदले में सोना आता था। जल मार्ग द्वारा भारत का यह व्यापार कितना उन्नत था इसका अनुमान भारत आ रहे वास्कोडिगामा के एक उल्लेख से मिलता है। वास्कोडिगामा पानी के जहाज से भारत आ रहा था। उसे लगता था कि उसका जलयान संसार में सबसे बड़ा है, लेकिन उसने उससे भी बड़ा भारतीय व्यापारिक जलयान तट से निकलते देखा। वास्कोडिगामा का यह उल्लेख स्वयं प्रमाण है कि भारत कितना उन्नत था।

भारतीय लोक कौशल कितना प्रसिद्ध रहा है। इन कलात्मक वस्तुओं की विश्वव्यापी मांग और व्यापार से भारत इतना समृद्ध बना कि 'सोने की चिड़िया' कहा गया। लेकिन, काल-चक्र की विसंगतियों से सब उजड़ गया। अंग्रेजी शासन काल में तो भारतीय कला कौशल के दमन का योजनापूर्वक अभियान चला। अंग्रेज अपने कारखानों में निर्मित सामग्री की बिक्री बढ़ाना चाहते थे। इसलिये दो प्रकार के प्रयत्न किये। पहला भारतीय कारीगरों को उनकी परंपरागत कला से दूर किया गया और दूसरा जनसामान्य में कारखाना निर्मित वस्तुओं के प्रति आकर्षण बढ़ाया। यह काम इतने मनोवैज्ञानिक तरीके से हुआ कि भारतीय कला कौशल पर काम करने वाले कारीगर अपने परंपरागत कार्यों से दूर हो गये। इन बेरोज़गार हुए लोगों को अंग्रेज जहाजों में भरकर विदेश ले गये और वहां अपने कारखानों में मजदूर बना लिया। इसका दुष्प्रभाव पूरे भारत पर पड़ा और भारतीय कौशल पर आधारित वस्तुओं से बाजार शून्य हो गये। दूसरे शिल्पकारों के मन में भी अपने कौशल के प्रति अरुचि होने लगी।

अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी महत्ता को समझा और परंपरागत कारीगरों अर्थात शिल्पकारों के मन में उनका पारंपरिक आत्मबोध जगाया है। वे भारतीय कौशल और भारतीय गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के अभियान में लगे हैं। उन्होंने नारा दिया है- 'लोकल फॉर वोकल'। अर्थात अपनी स्थानीयता पर गर्व करो। इसी के अनुरूप श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना लागू की है।

योजना का नामकरण और उद्देश्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना पदभार ग्रहण करने के साथ आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। वह वर्ष 2047 में स्वाधीनता की सौवीं वर्षगांठ तक भारत को विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसके लिये आवश्यक है कि भारत का प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर हो। वह अपने पैरों पर खड़ा हो और अपने कौशल से अपनी आजीविका कमाए, इसके लिये आवश्यक है भारत की क्षेत्रीय प्राकृतिक विशेषताओं और विविधताओं के अनुरूप व्यक्ति अपने विशिष्ट कौशल और प्रतिभा का समुचित उपयोग करे।

अब दूसरी विशेषता इस योजना के नामकरण की है। कला, कौशल और शिल्प के विशेषज्ञों की प्रतिभा का उपयोग और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली इस योजना का नाम ऐसे प्रतीक पर रखा गया है, जो इन सभी कलाओं के अविष्कारक माने जाते हैं और समस्त कला विशेषज्ञों अर्थात कारीगरों के प्रेरणास्रोत हैं। भारतीय परंपरा में विश्वकर्मा जी को कारीगरी का आदिदेव माना जाता है। पुराण-कथाओं के अनुसार सृष्टि के रचनाकार ब्रह्मा जी हैं और विश्वकर्मा जी उनके पुत्र। सृष्टि निर्माण के बाद जीवन का विकास हुआ।

जीवन संचालन के लिये साधनों की आवश्यकता हुई जैसे मौसम से सुरक्षा के लिये घर, भोजन बनाने के बर्तन, कहीं आने जाने के लिये वाहन, संसार को समझने के लिये उपकरण अथवा श्रृंगार के लिये साधन आदि। इन सबके निर्माण का दायित्व विश्वकर्मा जी को सौंपा गया। जीवन उपयोगी जितने भी सृजनात्मक साधन और वस्तुएं हैं, उन सबके अविष्कारक विश्वकर्मा जी ही हैं। इसलिये उन्हें सभी अभियांत्रिक कृतियों, शिल्प, कौशल और कलात्मक सृजन का आदिदेव माना जाता है। आधुनिक भाषा में उन्हें वास्तुकार, अभियंता, तकनीकी विशेषज्ञ, भौतिकी, अंतरिक्ष अथवा भूवैज्ञानिक भी कह सकते हैं। प्रतिवर्ष 17 सितम्बर को उनकी जयंती मनाई जाती है। इसीलिए कला और कौशल का विकास करने वाली इस योजना का नाम विश्वकर्मा जी के नाम पर रखा और 17 सितम्बर को ही इसे औपचारिक रूप से लागू किया गया। ताकि सभी संबंधित कला, कौशल विशेषज्ञ और कारीगर भावनात्मक रूप से योजना से जुड़ सकें।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का स्वरूप और विविध आयाम

इस योजना का पूरा नाम 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना' है। लेकिन, व्यवहारिक रूप से यह 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' के नाम से जानी जाती है। वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण में घोषित की गई इस योजना को केन्द्रीय मंत्रीमंडल ने 16 अगस्त 2023 को अंतिम रूप दिया और 17 सितम्बर 2023 को विश्वकर्मा जयंती से इसका विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के अंतर्गत कला, कौशल के तकनीकी विशेषज्ञों एवं शिल्पकारों को प्रशिक्षण देना, प्रशिक्षण के बाद उन्हें इनका उत्पाद आरंभ करने और इस उत्पाद का व्यवसाय आरंभ करने के लिये आर्थिक सहायता देने का भी प्रावधान है। यह योजना भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत आती है। इस योजना के लिये 13,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

योजना के अंतर्गत सभी पात्र कलाकारों, कारीगरों और शिल्पकारों को उनके व्यवसाय के लिए मात्र पांच प्रतिशत ब्याज पर एक लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करने का प्रावधान है। इस ऋण को अधिकतम अठारह माह में लौटाना होगा। यदि हितग्राही ने निर्धारित समय-सीमा में ऋण राशि लौटा दी है तो इसी ब्याज दर पर दो लाख रुपये तक का और ऋण देने का भी प्रावधान है। इस योजना के अंतर्गत कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाता है। यह प्रशिक्षण दो प्रकार का होगा। पहले आधारभूत प्रारंभिक प्रशिक्षण और फिर आवश्यकता के अनुसार उन्नत प्रशिक्षण दिया जाता है। आधारभूत प्रशिक्षण अधिकतम सात दिनों का होगा और उन्नत प्रशिक्षण अधिकतम पन्द्रह दिनों का। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षु हितग्राही को प्रतिदिन पांच सौ रुपये की प्रशिक्षण वृत्ति दी जाती है। इस योजना की विशेषता यह है कि इसमें आवेदन करने की कोई अंतिम तिथि नहीं है। योजना आगामी पांच वर्ष के लिये लागू की गई है।

भारत सरकार इस योजना के हितग्राहियों के लिये पहचान पत्र जारी करती है। कला और कौशल का प्रशिक्षण लेने वाले कलाकारों और कारीगरों को प्रमाण पत्र भी दिये जाते हैं जिससे वे यदि अपना लघु व्यवसाय आरंभ न करना चाहें तो इस प्रमाण पत्र के आधार पर संबंधित अन्य व्यवसायी के यहाँ काम मिल सके। इस योजना में कुल 18 पारंपरिक विधाएं शामिल की गई हैं।

कौशल विकास के 18 कार्यों का विवरण

'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' के अंतर्गत जिन पारंपरिक कला और कौशल को शामिल किया गया है उनमें काष्ठ कला यानी लोकभाषा में बढ़ई कार्य, नाव निर्माता, कवच निर्माण, ताला बनाना, स्वर्णकार, कुम्भकार अर्थात मिट्टी के बर्तन एवं मिट्टी की अन्य कलात्मक वस्तुओं का निर्माण, मूर्तिकार एवं पत्थर तराशने वाला, तोड़ने वाला, चर्म शिल्पकार, अर्थात जूते चप्पल बनाने वाला कारीगर, राजमिस्त्री, वंशकार अर्थात बांस से सूपा, टोकरी, चटाई, झाड़ू आदि निर्माण, जूट बुनकर, बच्चों के लिये गुड़िया आदि पारंपरिक खिलौनों का निर्माण, केश कर्तन अर्थात बाल काटने और संवारने की कला, फूलमालाकार, ड्राई क्लीन, टेलरिंग का कार्य, मछली पकड़ने और मछली का जाल बनाने जैसे शिल्प कार्य शामिल किये गये हैं। यह योजना केवल परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण देने और ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, अपितु इनके उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराने में भी सहायता की जायेगी। यदि कोई विशिष्ट शिल्प या कलात्मक निर्माण बहुत उत्कृष्ट है तो उसके लिये स्थानीय स्तर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी बाजार उपलब्ध कराया जायेगा।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 दिनांक 30.06.2024 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र. 7488/05/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 02.09.2024**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

01. विज्ञापन क्रमांक-33/2023/06.10.2023, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 02.11.2023।
(1) शुद्धि पत्र क्रमांक-01/31/2023-33/2023 दिनांक 10.10.2023 (राज्य सेवा परीक्षा-2023/राज्य वन सेवा परीक्षा-2023 (ऑनलाइन आवेदन अवधि में वृद्धि की सूचना)।
(2) शुद्धि पत्र क्रमांक-1/33/2023 दिनांक 20.12.2023 (सहायक वन संरक्षक के पदों की संख्या में वृद्धि की सूचना)।
(3) शुद्धि पत्र क्रमांक-02/33/2023/अनु.-10 दिनांक 15.01.2024 (राज्य वन सेवा परीक्षा-2023 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग की जानकारी)।
(4) विज्ञप्ति क्रमांक-15594/14/2023/अनु.-10 दिनांक 25.01.2024 (राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 के परिणाम के संबंध में केविएट दायर किए जाने की सूचना संबंधी)।
(5) विज्ञप्ति क्रमांक-3081/2024/प.नि., दिनांक 01.02.2024 (राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 तिथि परिवर्तन के संबंध में)।
(6) राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के ऑनलाइन आवेदन आवेदनपत्र के संबंध में संशोधित तिथि विन्यास संबंधी, दिनांक 12.04.2024।
(7) राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के आयोजन की सूचना के संबंध में दिनांक 20.03.2024।
(8) शुद्धि पत्र क्रमांक-02/31/2023-33/2023 दिनांक 04.06.2024 (याचिका क्रमांक में टंकण त्रुटि के संबंध में)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्रों पर दिनांक 30.06.2024 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12.00 से 03.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :–

विज्ञापित पदों का विवरण

स.क्र.	पद का नाम/विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
1.	सहायक वन संरक्षक	4	2	2	4	2	14
2.	वन क्षेत्रपाल	-	54	72	-	-	126
	कुल	**4**	**56**	**74**	**4**	**2**	**140**

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' के प्रकाश में विज्ञापन क्रमांक-33/2023/06.10.2023, शुद्धि पत्र क्रमांक-02/33/2023/अनु.-10, दिनांक 15.01.2024 (राज्य वन सेवा परीक्षा-2023 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग की जानकारी) के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :–

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक-02/33/2023/अनु.-10, दिनांक 15.01.2024 द्वारा प्रकाशित किया गया है। उक्त शुद्धि पत्र के अनुसार राज्य वन सेवा परीक्षा-2023 हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग के विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
1.	सहायक वन संरक्षक	4	2	2

उपरोक्तानुसार राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह **कुल-418** अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
STATE FOREST SERVICE MAIN EXAMINATION 2023-PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
1.	100003	10.	100112	19.	100164	28.	100208	37.	100259
2.	100015	11.	100113	20.	100167	29.	100212	38.	100265
3.	100056	12.	100116	21.	100192	30.	100213	39.	100273
4.	100057	13.	100118	22.	100193	31.	100216	40.	100285
5.	100068	14.	100125	23.	100194	32.	100217	41.	100290
6.	100071	15.	100134	24.	100198	33.	100221	42.	100299
7.	100088	16.	100138	25.	100199	34.	100228	43.	100300
8.	100095	17.	100142	26.	100201	35.	100231	44.	100302
9.	100103	18.	100163	27.	100206	36.	100248	45.	100310

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
46.	100314	121.	100715	196.	101185	271.	101669	346.	102238
47.	100320	122.	100716	197.	101198	272.	101687	347.	102246
48.	100321	123.	100733	198.	101207	273.	101700	348.	102261
49.	100322	124.	100735	199.	101211	274.	101707	349.	102263
50.	100338	125.	100738	200.	101219	275.	101708	350.	102268
51.	100340	126.	100739	201.	101227	276.	101711	351.	102284
52.	100342	127.	100742	202.	101229	277.	101715	352.	102309
53.	100348	128.	100745	203.	101232	278.	101716	353.	102322
54.	100349	129.	100748	204.	101235	279.	101722	354.	102325
55.	100354	130.	100756	205.	101238	280.	101723	355.	102328
56.	100358	131.	100763	206.	101239	281.	101727	356.	102342
57.	100369	132.	100785	207.	101251	282.	101741	357.	102346
58.	100378	133.	100800	208.	101254	283.	101743	358.	102362
59.	100379	134.	100802	209.	101263	284.	101765	359.	102364
60.	100382	135.	100804	210.	101267	285.	101768	360.	102365
61.	100387	136.	100809	211.	101269	286.	101773	361.	102366
62.	100389	137.	100811	212.	101291	287.	101774	362.	102374
63.	100393	138.	100818	213.	101294	288.	101799	363.	102383
64.	100396	139.	100822	214.	101295	289.	101806	364.	102396
65.	100404	140.	100828	215.	101299	290.	101817	365.	102404
66.	100405	141.	100842	216.	101323	291.	101823	366.	102423
67.	100406	142.	100854	217.	101327	292.	101831	367.	102424
68.	100411	143.	100855	218.	101331	293.	101839	368.	102431
69.	100412	144.	100858	219.	101338	294.	101844	369.	102435
70.	100424	145.	100861	220.	101342	295.	101848	370.	102437
71.	100433	146.	100862	221.	101344	296.	101850	371.	102456
72.	100442	147.	100876	222.	101352	297.	101860	372.	102480
73.	100452	148.	100882	223.	101354	298.	101861	373.	102483
74.	100469	149.	100891	224.	101356	299.	101867	374.	102487
75.	100479	150.	100892	225.	101357	300.	101871	375.	102502
76.	100490	151.	100898	226.	101359	301.	101876	376.	102517
77.	100497	152.	100900	227.	101374	302.	101882	377.	102524
78.	100499	153.	100911	228.	101390	303.	101883	378.	102531
79.	100501	154.	100916	229.	101406	304.	101888	379.	102535
80.	100502	155.	100921	230.	101407	305.	101889	380.	102542
81.	100516	156.	100922	231.	101409	306.	101892	381.	102548
82.	100517	157.	100944	232.	101410	307.	101894	382.	102552
83.	100522	158.	100946	233.	101412	308.	101902	383.	102556
84.	100525	159.	100949	234.	101413	309.	101910	384.	102593
85.	100533	160.	100958	235.	101417	310.	101914	385.	102602
86.	100534	161.	100965	236.	101418	311.	101925	386.	102605
87.	100536	162.	100969	237.	101419	312.	101926	387.	102607
88.	100545	163.	100981	238.	101423	313.	101932	388.	102608
89.	100557	164.	100996	239.	101446	314.	101946	389.	102611
90.	100558	165.	100997	240.	101453	315.	101965	390.	102620
91.	100566	166.	101004	241.	101456	316.	101967	391.	102632
92.	100575	167.	101005	242.	101457	317.	101968	392.	102634
93.	100576	168.	101009	243.	101462	318.	101988	393.	102649
94.	100581	169.	101010	244.	101481	319.	101990	394.	102653
95.	100591	170.	101013	245.	101489	320.	102005	395.	102661
96.	100592	171.	101018	246.	101493	321.	102008	396.	102679
97.	100593	172.	101019	247.	101515	322.	102017	397.	102686
98.	100597	173.	101040	248.	101518	323.	102021	398.	102692
99.	100608	174.	101042	249.	101524	324.	102029	399.	102695
100.	100609	175.	101043	250.	101537	325.	102037	400.	102699
101.	100612	176.	101045	251.	101544	326.	102048	401.	102704
102.	100620	177.	101050	252.	101545	327.	102068	402.	102707
103.	100627	178.	101060	253.	101547	328.	102076	403.	102715
104.	100633	179.	101067	254.	101563	329.	102093	404.	102721
105.	100635	180.	101074	255.	101568	330.	102095	405.	102726
106.	100649	181.	101087	256.	101576	331.	102098	406.	102732
107.	100660	182.	101089	257.	101588	332.	102106	407.	102736
108.	100663	183.	101090	258.	101590	333.	102124	408.	102743
109.	100665	184.	101092	259.	101603	334.	102134	409.	102753
110.	100671	185.	101096	260.	101606	335.	102135	410.	102764
111.	100676	186.	101104	261.	101620	336.	102137	411.	102769
112.	100678	187.	101109	262.	101626	337.	102138	412.	102772
113.	100684	188.	101118	263.	101627	338.	102140	413.	102795
114.	100692	189.	101121	264.	101629	339.	102152	414.	102809
115.	100695	190.	101140	265.	101636	340.	102174	415.	102816
116.	100701	191.	101145	266.	101640	341.	102179	416.	102817
117.	100702	192.	101149	267.	101642	342.	102194	417.	102818
118.	100708	193.	101154	268.	101643	343.	102206	418.	102823
119.	100711	194.	101155	269.	101644	344.	102211		
120.	100713	195.	101179	270.	101658	345.	102230		

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह **कुल-12** अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
STATE FOREST SERVICE MAIN EXAMINATION 2023-PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
1.	100026	4.	100821	7.	101944	10.	102255
2.	100353	5.	101108	8.	102117	11.	102392
3.	100418	6.	101519	9.	102169	12.	102490

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :–

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्ट प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :– 33/2023/06.10.2023	पद/परीक्षा का नाम :– राज्य वन सेवा परीक्षा-2023
अनुक्रमांक -	अभ्यर्थी का नाम :– ....

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
9.	स्नातक/स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 02.11.2023 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
10.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
11.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
12.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोलसील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
13.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
14.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष 2023-2024 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
15.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
16.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
17.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
18.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 02.11.2023 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
19.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
20.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
21.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी ''अभिवचन'' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
22.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक ....से....... तक	....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- ....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 23.09.2024 तक** आयोग कार्यालय में प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे शारीरिक क्षमता परीक्षण/साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी राज्य वन सेवा परीक्षा-2023 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणामस्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रामाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019, 5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक- एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।।
8. माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेशों के पालन में प्रावधिक रूप से सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों में से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक भी राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के लिखित परीक्षा परिणाम में सम्मिलित किए गए हैं। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालीयन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् प्रश्न पत्र के दोनों खण्ड "अ" एवं "ब" के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
10. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 23.09.2024 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

जी-15904/50034/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1094/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 05.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.10.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_367838	**टर्न की पद्धति पर :**– तिघरा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	पन्ना	393.01
2.	2024_WRD_367839	मौ शाखा नहर की आर.डी. 0 से 45 कि.मी. के मध्य नहर एवं लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	भिण्ड	174.49
3.	2024_WRD_367840	कार्यालय परियोजना संचालक बीना पी.एम.यू. जल संसाधन विभाग सागर में संचालित निर्माण कार्यों के सतत निरीक्षण हेतु वाहन किराये पर लेने का कार्य।	सागर	56.54
4.	2024_WRD_367841	पिपरिया साहनी बिटूमिनस रोड एवं सीतानगर डेम साइट पर बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य	दमोह	419.14
5.	2024_WRD_367842	**टर्न की पद्धति पर :**– कुआंझागर तालाब एवं कोटेश्वर विस्तारीकरण (पिपलखुंटा, बावड़ीखेड़ा) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	रतलाम	977.83
6.	2024_WRD_367844	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार के चितावद वृहद परियोजना की पर्यावरण मंजूरी का कार्य।	उज्जैन	144.35

जी-15920/50036/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

क्रमांक 7441/36/2023/चयन इंदौर, दिनांक 30.08.2024

पदनाम - व्याख्याता, अमराजे निसवां
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 28/2023** दिनांक 13.07.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत **विज्ञापित पद - व्याख्याता, अमराजे निसवां** के कुल-01 पद (अनारक्षित-01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पद की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 27 अगस्त, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या निरंक होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

व्याख्याता, अमराजे निसवां (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	0	0	1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	15062	ARSHI ANJUM	F	UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	15063	KAHKASHAN BAIG	F	UNR

टीप :-

1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-15894/50033/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

क्रमांक 7478/39/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 02.09.2024

पदनाम - व्याख्याता, जराहियात
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 26/2023** दिनांक 12.07.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत **विज्ञापित पद - व्याख्याता, जराहियात** के कुल-01 पद (अनारक्षित-01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पद की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 28 अगस्त, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या निरंक होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

व्याख्याता, जराहियात (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	0	0	1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	15053	MD RIZWANULLAH	M	UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	15050	JAVED ALAM	M	UNR

टीप :-

1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-15883/50032/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

कौशल विकास संचालनालय
मध्यप्रदेश

क्र./कौविसं/स्टेट सेल/प्रवेश/2024/1331 भोपाल, दिनांक : 06.09.2024

विज्ञप्ति

म.प्र. राज्य एवं राज्य के बाहर के इच्छुक आवेदक विभाग के पोर्टल **(www.dsd.mp.gov.in)** पर ''प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024'' पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। पूर्व से रजिस्टर्ड अप्रवेशित आवेदकों को भी सूचित किया जाता है कि वे रिक्त सीटों के अनुरूप स्वयं संबंधित संस्था में उपस्थित होकर किसी 01 संस्था के किसी एक व्यवसाय की नवीन च्वाईस फिलिंग अनिवार्यतः करें एवं प्रवेश की संपूर्ण कार्यवाही उसी दिन पूर्ण करना सुनिश्चित करें। निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन/त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग के लिए पोर्टल पर ''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड की प्रक्रिया दिनांक 07.09.2024 से पुनः प्रारंभ की जा रही है।

म.प्र. की शासकीय/प्रायवेट आईटीआई में प्रवेश 2024 हेतु आगामी समय चक्र ''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड

स.क्र.	गतिविधियां	तिथियां
1.	**''पहले आओ पहले पाओ''** राउण्ड के अंतर्गत संस्थावार/व्यवसायवार रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर प्रदर्शित करना।	06.09.2024
2.	**''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड** • नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाईस फिलिंग/त्रुटि सुधार हेतु पोर्टल प्रारंभ। • कैंडिडेट स्वेच्छा से किसी 01 आईटीआई के किसी 01 ट्रेड की च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। • समस्त रजिस्टर्ड कैंडिडेट को प्रवेश हेतु च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। • च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है। अतः कैंडिडेट को सावधानीपूर्वक आईटीआई/व्यवसाय का चयन करना चाहिए। • च्वाईस फिलिंग करने के पूर्व आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की संख्या अवश्य जांच कर लेवें। • कैंडिडेट को प्रवेश के लिए रु. 50 का भुगतान कर च्वाईस लॉक करना होगा, तत्पश्चात अलॉटमेंट लेटर प्रिंट कर संबंधित आईटीआई में प्रवेश हेतु समस्त दस्तावेज की मूल प्रति एवं 02 सेट फोटोकॉपी सहित पहुंचकर वेरीफिकेशन उसी दिवस करवाना होगा। • वेरीफिकेशन के पश्चात प्रवेश फीस का भुगतान कर प्रवेश स्लिप प्रिंट कर आईटीआई में जमा करना होगा। • यदि कैंडिडेट द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया जाता है तो उनका अलॉटमेंट संस्था द्वारा अगले कार्यालयीन दिवस में दोपहर 02 बजे के पश्चात निरस्त कर रिक्त सीट अनुसार अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा।	07.09.2024 से **30.09.2024**

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें

फोन नं. - 9171257462, 8982018733, 9111749057, **ई-मेल** - mpiticounseling2024@gmail.com

संयुक्त संचालक

जी-16021/50037/2024 कौशल विकास संचालनाल, म.प्र.

संचालनालय आयुष, म.प्र.
(भूतल ''डी'' विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)

www.ayush.mp.gov.in,, E-mail : jdayush@mp.gov.in

Office - (0755) 2552931, Fax - (0755) 2760225

दिनांक : 11.09.2024

स्नातक प्रथम चरण काउंसिलिंग कार्यक्रम (स्टेट कोटा)
बीएएमएस/बीएचएमएस/बीयूएमएस/बीएनवायएस

म.प्र. आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम-2023 तथा म.प्र. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम के अनुक्रम में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों में प्रवेश की कार्यवाही एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न कराई जायेगी।

प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	NEET UG-2024 के पात्र उम्मीदवारों के द्वारा ऑनलाइन पंजीयन तिथि	दिनांक 19.09.2024 से 24.09.2024 रात्रि 11.59 बजे तक
2.	पंजीयन फार्म में ऐडिड करने की सुविधा (Please note that once the candidate's details have been verified, they will not be able to make any further changes to their registration information)	दिनांक 19.09.2024 से 24.09.2024 रात्रि 11.59 बजे तक
3.	अभिलेख सत्यापन	दिनांक 20.09.2024 से 25.09.2024 सायं 05 बजे तक
4.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 23.09.2024
5.	मेरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 26.09.2024
6.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग)	दिनांक 27.09.2024 से 30.09.2024 रात्रि 11.59 बजे तक
7.	च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट करने की सुविधा	दिनांक 27.09.2024 से 30.09.2024 रात्रि 11.59 बजे तक
8.	सीट आवंटन	दिनांक 04.10.2024
9.	महाविद्यालय में औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 05.10.2024 से 08.10.2024 सायं 05 बजे तक
10.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 05.10.2024 से 08.10.2024 सायं 06 बजे तक

नोट :- 1. प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त प्रकाशित ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। 2. पंजीयन उपरान्त अभ्यर्थियों को प्रदेश के शासकीय स्वशासी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालय में अपने अभिलेखों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। 3. उपरोक्त काउंसिलिंग प्रक्रिया अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों को सम्मिलित किया जायेगा।
4. भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति हेतु लंबित शासकीय स्वशासी/निजी आयुष महाविद्यालयों को प्रवेशानुमति प्राप्त होने के उपरान्त ही प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित किया जायेगा 5. नियम/निर्देशों हेतु विभागीय वेबसाइट **www.ayush.mp.gov.in** पर एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल- **www.ayush.mponline.gov.in** का सतत अवलोकन करते रहें।

औषधि निरीक्षक

जी-16065/50039/2024 संचालनालय आयुष, म.प्र.

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग का उपक्रम)
5, अमरकंटक भवन, इन्दिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-462011
फोन : 91-755-2763060, 61, 62, ई-मेल : mpusipbpl@gmail.com

क्र. MPUDC/PMU/2024/7971 दिनांक : 10.09.2024

प्रतिनियुक्ति/संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेण्ट कंपनी लिमिटेड में गठित परियोजना प्रबंधन इकाई भोपाल एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाईयों में रिक्त निम्न पदों पर प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। पदों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	पदनाम	समकक्ष पद जिससे प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं प्राप्त की जायेगी	कुल रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित	ओबीसी	अजा.	अजजा.	ई डब्ल्यू एस	प्रतिनियुक्ति हेतु वेतनमान		संविदा हेतु एकमुश्त वेतन
									पे बैन्ड	ग्रेड पे	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	परियोजना प्रबंधक	अधीक्षण यंत्री (सिविल)	09	02	03	02	01	01	15600-39100	7600	80,000/-
2	उप परियोजना प्रबंधक	कार्यपालन यंत्री (सिविल)	03	0	0	01	02	0	15600-39100	6600	67,000/-
3	परियोजना अधिकारी पी.एम.यू. भोपाल	कार्यपालन यंत्री (सिविल)	03	0	01	01	01	0	15600-39100	6600-7600	67,000/-
4	सिविल अभियंता पी.एम.यू. भोपाल	सहायक यंत्री (सिविल)	02	0	0	0	02	0	15600-39100	5400-6600	56,000/-
5	सीडीओ/पीआरओ	सामुदायिक विकास अधिकारी/ जनसंपर्क अधिकारी	01	0	0	0	01	0	15600-39100	5400	56,000/-

नोट:-

1. उपरोक्त पदों की पूर्ति सर्वप्रथम प्रतिनियुक्ति से की जायेगी। प्रतिनियुक्ति से पद पूर्ति ना होने पर शेष बचे हुए पदों की पूर्ति संविदा नियुक्ति द्वारा की जायेगी, जिसमें म.प्र. शासन के आरक्षण नियम लागू होंगे।
2. आवश्यकतानुसार उपरोक्त पदों की संख्या में कमी या वृद्धि की जा सकती है।
3. प्रतिनियुक्ति हेतु इच्छुक आवेदक अर्थात मध्यप्रदेश शासन के विभागों/निगम/मंडलों अथवा अर्द्ध शासकीय संस्थाओं में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी अपने आवेदन विभाग प्रमुख के माध्यम से अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ विभागीय जांच/अपराधिक प्रकरण/आर्थिक अपराध प्रकरण/अन्य किसी प्रकार की जांच लंबित न होने के समस्त प्रमाण पत्रों सहित, निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रेषित कर सकेंगे। उपरोक्त प्रमाण-पत्रों के अभाव में आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
4. प्रतिनियुक्ति द्वारा पद पूर्ति होने की स्थिति में सेवानिवृत्त होने पर परस्पर सहमति से संविदा पर आरक्षण रोस्टर के अनुसार सेवा वृद्धि की जा सकेगी, जो समेकित अधिकतम 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होगी।
5. संविदा नियुक्ति की दशा में आवेदक की दिनांक 01.10.2024 को आयु 63 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। संविदा नियुक्ति के पश्चात् अधिकतम 65 वर्ष की आयु तक सेवाएं प्राप्त की जा सकेगी।
6. आवेदन पत्र **दिनांक 16.10.2024 सायं 5.00 बजे तक** कम्पनी कार्यालय में डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम एवं जाति प्रवर्ग अंकित करें।
7. समय सीमा के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
8. न्यूनतम अनुभव संबंधी प्रमाण पत्र में योजना/परियोजना, किस पद पर एवं संपादित कार्यों का अनुभव आदि स्पष्ट विवरण होना चाहिए।
9. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी (अनुविभागीय अधिकारी), द्वारा जारी होना चाहिए।
10. आवेदन का प्रारूप पदों के लिये न्यूनतम/वांछनीय, शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव संबंधी विस्तृत विवरण, कम्पनी एवं विभाग की वेबसाइट **www.mpudc.co.in** एवं **www.mpurban.gov.in** पर उपलब्ध है।
11. आवेदन के संबंध में प्रबंध संचालक का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

म.प्र. माध्यम/116367/2024 R-50044/2024 **अतिरिक्त प्रबंध संचालक**

POWER DISTRIBUTION TRAINING CENTER

(Training Institute of MPMKVVCL, Bhopal)
Diksha Parisar, Govindpura, Bhopal (M.P.) - 462023
Ph. No. : 0755-2602033-36, Ext. - 260-261
POWER DISTRIBUTION TRAINING CENTRE ISO 9001:2015 CERTIFIED

No. Dir/PDTC/552 Dated : 09.09.2024

A CHALLENGING OPPORTUNITY IN POWER SECTOR AS DIRECTOR - POWER DISTRIBUTION TRAINING CENTRE, BHOPAL

Power Distribution Training Centre (PDTC), a Wholly owned training institute of MPMKVVCL under the umbrella of Power Distribution Training Centre Society constituted under M.P. Society Act by MPMKVVCL, invites applications for one post of Director on contract/deputation. The post of Director is required to be filled on Contract/Deputation basis for which application are invited from experienced, dynamic and motivated professionals.

The details about qualification, experience, age limit, application form & important dates are available on website **https://portal.mpcz.in/**web/Interested person are requested to visit website for more details. Applications are to be submitted in the prescribed format given. Applications complete in all respects may be sent to the following address by 24th September 2024. Applications with incomplete information are liable to be rejected.

Address : To, **THE SECRETARY , PDTCS**
Power Distribution Training Centre
Diksha Bhawan, Nistha Parisar, Bijli Nagar Colony
Govindpura Bhopal, M.P.-462023

M.P. Madhyam/116340/2024 **SECRETARY**

R-50042/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड
संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003, Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com

क्र.-मप्रपुआअविनि/868/पर्य/भोपाल-03/तशा/2024
भोपाल, दिनांक :- 09.09.2024

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत जिला रायसेन में प्रवेश द्वार निर्माण कार्य एवं जिला नर्मदापुरम में टॉयलेट विस्तारीकरण व मरम्मत कार्य हेतु निविदा क्रमांक-04/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्र.-368640, 368642) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.09.2024 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116341/2024 **परियोजना यंत्री**

R-50043/2024

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल-462016 (म.प्र.)

प्रवेश सूचना

बी.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवर्षीय कार्यक्रम सत्र 2024-26
यूजीसी एवं NCTE से मान्यता प्राप्त

अर्हता- 1. स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (इन्जीनियरिंग या समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिए 55% अंकों की अनिवार्यता है।) 2. NCTE से मान्यता प्राप्त शिक्षा विषय का कोई कार्यक्रम नियमित रीति से पूर्ण किया हो।

कार्यक्रम शुल्क- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 30000/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/-, पोर्टल फीस रु. 50/-

प्रवेश परीक्षा- आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा **दिनांक 24.10.2024 को प्रात: 08.30 से 10.30 बजे तक** आयोजित होगी। आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों की सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।

डी.एल.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवर्षीय कार्यक्रम सत्र 2024-26
(NCTE से मान्यता प्राप्त)

अर्हता- 1. हायर सेकेण्डरी/10+2 परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने के पश्चात् किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक/प्रारंभिक विद्यालय में दो वर्ष का अध्ययन अनुभव तथा वर्तमान में नियमित शिक्षक के रूप में कार्यरत होना अनिवार्य है।

कार्यक्रम शुल्क- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 19200/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/-, पोर्टल फीस रु. 50/-

प्रवेश परीक्षा- आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा **दिनांक 24.10.2024 को अपरान्ह 12.30 से 02.30 बजे तक** आयोजित होगी आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों की सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।

सभी कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन :- प्रवेश परीक्षा CBT With SD100 (Without Isolation) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन mponline portal के माध्यम से **दिनांक 11 सितम्बर, 2024 से 11 अक्टूबर, 2024 तक** स्वीकार किये जायेंगे।

नोट :- 1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्गों के लिए स्थान आरक्षण सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पूर्व कियोस्क से डाउनलोड किये जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **http://mpbou.edu.in** पर उपलब्ध है। 2. यूजीसी मान्यता प्रावधिक है। 3. किसी शहर में अभ्यर्थियों की संख्या 50 से कम होने पर वहां के अभ्यर्थियों को निकटतम शहर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर स्थानांतरित किया जायेगा।

म.प्र. माध्यम/116396/2024 R-50047/2024 **कुलसचिव**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड
संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/884/पर्य/भोपाल-03/तशा/2024 भोपाल, दि. : 11.09.2024

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राईज़ स्कूल पोचानेर जिला शाजापुर में 11/0.4 KV, 1x200 KVA शिरोपरि लाइन का कार्य हेतु निविदा क्रमांक.-05/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक.-369135) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक-20.09.2024 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116382/2024 **परियोजना यंत्री**

R-50045/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1131/तशा/प.यं./2024 दिनांक : 11.09.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा नेहरू नगर एवं पुराना पुलिस कंट्रोल रूम जिला भोपाल में बैरिक निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। क्रमश: निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_369416_1, 2024_MPPHC_369417_1 **दिनांक 25.09.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116423/2024 **परियोजना यंत्री**

R-50048/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/886/पर्य/भोपाल-03/तशा/2024 भोपाल, दि. : 11.09.2024

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत नव आरक्षक बैरिक नम्बर 01 से 04 के बाजू से टॉयलेट 20 एवं बाथरूम 20 का नव निर्माण कार्य पीटीएस पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम हेतु निविदा क्रमांक.-06/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक.-369136) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक-23.09.2024.सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116383/2024 **परियोजना यंत्री**

R-50046/2024

REQUIRED

(Interviews under college (code-28)
Mathuradevi Institute Of Management, Indore
Marthuradevi Institute Of Technology & Management Indore
(A Unit Of Gyan Vigyan Krida Vikas Sanstha)

MBA (FT)- HUMAN RESOURS, OPRATION MANAGEMENT, FINANCE, MARKETING, IT, BA

Invites Applications For The Positions Of
DIRECTOR
PRINCIPAL
PROFESSOR
Associate Professor
Assistant Professor
Finance - 06
Hr - 07
Marketing- 06, Operation Management - 02
(apply Only Net Qualified or Phd Candidates)

Eligibility & Salary : As Per AICTE & UGC Norms.

Gram: Garipipliya, Aath Meel, Nemawar Road, Indore Pin 452018
9644264999, 9009015999
mathuradeviitm@gmail.com

R-50041/2024

संचालनालय आयुष, म.प्र.

(भू-तल "डी" विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)
www.ayush.mp.gov.in, E-mail : jdayush@mp.gov.in
Phone : (0755) 2552931, Fax : (0755) 2760225

दिनांक : 11.09.2024

विज्ञप्ति

स्नातक प्रथम/द्वितीय चरण काउंसिलिंग कार्यक्रम (ऑल इण्डिया कोटा)
बीएएमएस/बीएचएमएस/बीयूएमएस

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से प्रवेशानुमति प्राप्त निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालयों की 15 प्रतिशत ऑल इण्डिया कोटे की सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न कराई जायेगी।

1. प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	NEET UG-2024 के पात्र उम्मीदवारों के द्वारा ऑनलाइन पंजीयन तिथि	दिनांक 12.09.2024 से 17.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
2.	पंजीयन फार्म में ऐडिट करने की सुविधा (Registration form Edit facility)	दिनांक 12.09.2024 से 17.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
3.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 18.09.2024
4.	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 18.09.2024
5.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग, लॉकिंग)	दिनांक 19.09.2024 से 22.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
6.	च्वाइस फिलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट करने की सुविधा	दिनांक 19.09.2024 से 22.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
7.	सीट आवंटन	दिनांक 24.09.2024
8.	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरान्त औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 25.09.2024 से 26.09.2024 सायं 05:00 बजे तक
9.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 25.09.2024 से 26.09.2024 सायं 06:00 बजे तक।

2. प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत द्वितीय चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	NEET UG-2024 के पात्र उम्मीदवारों के द्वारा ऑनलाइन पंजीयन तिथि	दिनांक 25.09.2024 से 26.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
2.	पंजीयन फार्म में ऐडिट करने की सुविधा (Registration form Edit facility) (only for the newly registered candidates of the second round)	दिनांक 25.09.2024 से 26.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
3.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 27.09.2024
4.	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 27.09.2024
5.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग, लॉकिंग)	दिनांक 27.09.2024 से 29.09. 2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
6.	च्वाइस फिलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट करने की सुविधा	दिनांक 27.09.2024 से 29.09.2024 रात्रि 11:59 बजे तक।
7.	सीट आवंटन	दिनांक 01.10.2024
8.	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरान्त औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 03.10.2024 से 04.10.2024 सायं 05:00 बजे तक।
9.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 03.10.2024 से 06.10.2024 सायं 06:00 बजे तक।

नोट :-

1. प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त प्रकाशित ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।
2. उपरोक्त काउंसिलिंग प्रक्रिया अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली से प्रवेशानुमति प्राप्त निजी क्षेत्र के आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालयों को सम्मिलित किया जायेगा।
3. उपरोक्त काउंसिलिंग से आवंटित अभ्यर्थी के रिपोर्टिंग हेतु पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय, भोपाल को रिपोर्टिंग केन्द्र बनाया गया है। अभ्यर्थी रिपोर्टिंग केन्द्र में मूल दस्तावेज एवं आवंटित महाविद्यालय की निर्धारित फीस के साथ उपस्थित होगा। रिपोर्टिंग केन्द्र द्वारा आवंटित अभ्यर्थी के अभिलेखों का सत्यापन किया जायेगा। तदुपरान्त रिपोर्टिंग केन्द्र पर उपस्थित निजी आयुष महाविद्यालय का प्रतिनिधि आवंटित अभ्यर्थी को निर्धारित प्रक्रिया अनुसार फीस जमा कराते हुए ऑनलाइन प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण करेगा।
4. नियम/निर्देशों हेतु विभागीय वेबसाइट **www.ayush.mp.gov.in** एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल **www.mponline.gov.in** का सतत अवलोकन करते रहें।

जी-16122/50049/2024 **औषधि निरीक्षक, संचालनालय आयुष म.प्र.**

कार्यालय उपसंचालक/प्राचार्य, शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.)

(दीनदयाल उपाध्याय कॉम्प्लेक्स के पीछे, गांधीनगर सांवेर रोड, उज्जैन (दूरभाष क्र. 0734-2990029)

एम.पी.पी.एस.सी. परीक्षा 2025 एवं रेल्वे, बैंकिंग, एस.एस.सी. एवं कर्मचारी चयन मण्डल प्रतियोगी परीक्षा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन, अनुसूचित जाति विकास विभाग भोपाल द्वारा संचालित शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित है। निम्न शर्तों के अधीन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

1. आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य एवं म.प्र. का मूल निवासी हो। आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो। न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 35 वर्ष हो। आवेदक ने पूर्व में किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण न लिया हो।
2. प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम अर्हता स्नातक 55 प्रतिशत होना आवश्यक है, प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा।
3. प्रशिक्षण केन्द्र में पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, डिजिटल कक्षा आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उपरोक्तानुसार आवेदक सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की उत्तीर्ण अंकसूची, पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, समग्र आई.डी. सभी प्रमाण पत्रों की छायाप्रति स्व प्रमाणित कर निर्धारित आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर प्राचार्य, शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन (म.प्र.) में डाक या व्यक्तिगत रूप से कार्यालयीन समय एवं दिवसों में कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

जी-16125/50051/2024 **उपसंचालक/प्राचार्य , शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1096/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 12.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.10.2024 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_369154	सांक नदी पर 1 नग पुलिया/रपटा निर्माण।	ग्वालियर	55.16
2.	2024_WRD_369156	**टर्नकी पद्धति पर :-** श्यामनगर जलाशय (नहर रहित) का शेष निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सतना	998.58
3.	2024_WRD_369157	**टर्नकी पद्धति पर :-** मुनीरगढ़ (उमरावगंज) बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	रायसेन	195.14
4.	2024_WRD_369159	**टर्नकी पद्धति पर :-** धोलपुर-2 बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	रायसेन	205.36
5.	2024_WRD_369160	**टर्नकी पद्धति पर :-** गोयरा जलाशय योजना के स्पिल चैनल पर शूटफाल एवं अपस्ट्रीम में सीमेंट कांक्रीट रोड का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	डिण्डौरी	77.94

जी-16123/50050/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग हरदा

Tele. : 07577-222519, E-mail : eeresharmp@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक - (2024-25)

क्रमांक/831/निविदा/व.ले.लि./2024 **दिनांक : 05.09.2024**

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु मोहरबंद निविदायें फार्म "ए" (Appendix 2.10) पर म.प्र. के कार्य विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य एवं सेनेटरी कार्य हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची तथा निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर इस कार्यालय में दिनांक 19.09.2024 को अपराह्न 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है एवं कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 12.09.2024 से 19.09.2024 को समय 5.30 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा खोलने की दिनांक 20.09.2024 समय 10.30 बजे रहेगा।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला पंचायत हरदा ई-दक्ष केन्द्र में छत मरम्मत एवं विद्युतीकरण कार्य।

कार्य स्थल	विकास खंड	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा प्रपत्र	समय अवधि	निविदा आमंत्रण का क्रम	ठेकेदार की श्रेणी
ई-दक्ष केन्द्र जिला पंचायत हरदा	हरदा	162657	3260	1000	02 माह	प्रथम	सी-श्रेणी या ऊपर की श्रेणी केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा की शर्तें :–

1. ड्राईंग आदि अभिलेख कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यालय में कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में देखे जा सकते हैं तथा कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 12.09.2024 से **19.09.2024** तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से अपराह्न 5.30 बजे तक निर्धारित मूल्य अदा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. सशर्त एवं ओवर राइटिंग लिखाई निविदा में मान्य नहीं होंगे।
3. डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मंगवाने पर रुपये 50/- अतिरिक्त डाक या वास्तविक व्यय देना होगा तथा पोस्ट/स्पीड पोस्ट के द्वारा डाक विलंब से प्राप्त होने पर कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
4. निविदाकार द्वारा जमा किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है :–
   1. अमानत राशि तालिका के कॉलम 6 के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ.डी.आर. जो संबंधित कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-हरदा के पक्ष में देय हो को जमा की जावें।
   2. पंजीयन प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
   3. राशि रु. 100 का स्टाम्प एफीडेविट सहित।
   4. ई.पी.एफ.ओ. रजिस्ट्रेशन/मजदूर का जीवित लेबर लायसेंस स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
   5. निविदा क्रय करते समय पंजीयन की प्रतिलिपि एवं पेनकार्ड एवं जी.एस.टी. विभाग का पंजीयन प्रस्तुत करना आवश्यक होगा एवं उक्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर निविदा प्रपत्र विक्रय नहीं किये जावेंगे।
5. निविदा स्वीकृत करने या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सक्षम प्राधिकारी के पास सुरक्षित होगा।
6. कार्य में किसी भी प्रकार का विलंब होने पर तथा किन्हीं भी परिस्थितियों में मूल्य वृद्धि देय नहीं होगी।
7. कार्य में विलंब होने पर अनुबंधानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।
8. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का वाद-विवाद होने पर सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।
9. कार्य करने के दौरान किसी भी श्रमिक की दुर्घटना एवं मृत्यु होने पर उनका समस्त उत्तरदायित्व संबंधित निविदाकार का होगा।
10. निविदा अनुबंध के समय न्यूनतम रुपये 500/- तथा अधिकतम रुपये 25000/- के अध्याधीन रहते हुये ऐसे दस्तावेज द्वारा प्रतिभूति रकम अथवा मूल्य का 0.25 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क नियमानुसार प्रभावित होगा यदि शासन द्वारा इस शुल्क में कोई परिवर्तन किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में अनुबंध के समय प्रचलित दरों पर स्टाम्प शुल्क प्रभावित होगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-15919/50035/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग हरदा**

जन समुदाय की अपेक्षाओं को पूरा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

रीवा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के सिरमौर चौराहा में निर्मित फ्लाईओवर ब्रिज के तृतीय लेग का लोकार्पण करते हुए कहा कि जन समुदाय की अपेक्षाओं को पूरा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर में यातायात का दबाव तेजी से बढ़ा है। इस दबाव को नियंत्रित करने के लिए फ्लाईओवर, रिंगरोड, बाईपास आदि के निर्माण कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रीवा के बाईपास को चार सौ करोड़ रुपये की लागत से फोरलेन बनाए जाने का कार्य भी शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में अधोसंरचना विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार किया जा रहा है। आईटी पार्क का निर्माण कराकर युवाओं को रोज़गार के संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय जन-प्रतिनिधियों की मांग पर सिरमौर चौराहा से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल तक फ्लाईओवर निर्माण का डीपीआर बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सिरमौर चौराहे में थर्ड लेग कार्य को निर्धारित समय से आठ माह पहले पूरा कर लिए जाने पर निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1500

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक-582/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 06.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 24.09.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_ 350827	कार्यालय भवन का वार्षिक मरम्मत कार्य।	डिंडौरी	7.01
2.	2024_WRD_ 359499	वि./यां. उपसंभाग गुना के विभागीय कार्यस्थलों हेतु निरीक्षण वाहन का प्रदाय।	भोपाल	3.42
3.	2024_WRD_ 359501	कुशलपुरा बांध हेतु कुशल व अकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	भोपाल	5.16
4.	2024_WRD_ 359504	के.सी.एस. दूधी बांध हेतु कुशल व अकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	भोपाल	5.16
5.	2024_WRD_ 359507	कलियासोत बांध, भोपाल हेतु कुशल व अकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	भोपाल	4.21
6.	2024_WRD_ 359762	वायब्रेट्री कम्पेक्टर क्रमांक 09 का सुधार कार्य।	सागर	0.63
7.	2024_WRD_ 361945	अरी जलाशय की मुख्य नहर एवं चैन क्र. 125 पर सी.डी. चैन क्र. 289 पर एक्वाडक्ट एवं गोकलपुर माइनर की बैंक मरम्मत कार्य।	सिवनी	6.66
8.	2024_WRD_ 361946	बोरी जलाशय की मुख्य नहर एवं चैन क्र. 03 पर एक्वाडक्ट मरम्मत कार्य।	सिवनी	2.57
9.	2024_WRD_ 364568	बाघ आर.बी.सी. मुख्य नहर चैन क्र. 1040 एवं 1101 का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	8.55
10.	2024_WRD_ 364569	गरदा लघु जलाशय के चैन क्र.25 पर स्लूस एवं व्ही.आर.बी. का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	14.51
11.	2024_WRD_ 364896	शाहपुरा बैराज के सुदृढ़ीकरण का कार्य।	रायसेन	16.09
12.	2024_WRD_ 365229	केन्द्रीय यांत्रिकी इकाई, जल संसाधन विभाग, भोपाल की कर्मशाला हेतु वेल्डर एवं हाइड्रा क्रेन ऑपरेटर (उच्च कोटी श्रेणी कर्मी) का प्रदाय।	भोपाल	6.51
13.	2024_WRD_ 365230	विभिन्न साइज के एमएस चक का प्रदाय, फेब्रीकेशन, कास्टिंग मशीनिंग एवं असेम्बली का कार्य।	भोपाल	1.06
14.	2024_WRD_ 365233	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के लिए डब्ल्यू.डब्ल्यू. 90 हेड स्टॉक (63 एमएम डाया नट) के प्रदाय, कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली का कार्य।	भोपाल	11.60
15.	2024_WRD_ 365320	बांडा बैराज के 6 नग जलद्वार का प्रदाय फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	16.49
16.	2024_WRD_ 365321	अगरदा बैराज के 7 नग जलद्वार का प्रदाय फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	9.38
17.	2024_WRD_ 365323	दावठा बैराज के 8 नग जलद्वार का प्रदाय फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	10.72
18.	2024_WRD_ 365324	गुडा बैराज स्टाप डेम के 14 नग जलद्वार के एमबेडेड पार्ट्स के प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य कास्ट स्टील रोलर के प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	16.96
19.	2024_WRD_ 365325	कास्ट आयरन वेजेज की कास्टिंग मशीनिंग प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	0.95
20.	2024_WRD_ 365331	सेमरी मध्यम परियोजना उपसंभाग के कार्यालय की बिल्डिंग एफ.एच. आई. टाइप के क्वार्टरों का मरम्मत एवं रेनोवेशन के कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य।	रायसेन	9.50
21.	2024_WRD_ 365488	दुरियनघाट सिंचाई योजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित ग्राम विरोरा पहाड़ के पास 11 के.व्ही. विद्युत लाइन (ए.जी.) के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	9.48
22.	2024_WRD_ 365761	राजघाट बांयी तट मुख्य नहर की विभिन्न आर.डी. पर लीक हुए क्रॉस ड्रेनेज साइफन ढांचे की मरम्मत एवं रखरखाव।	शिवपुरी	3.90
23.	2024_WRD_ 365761	राजघाट बांयी तट नहर की विभिन्न आर.डी. पर लीक हुए क्रॉस ड्रेनेज साइफन ढांचे की मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	शिवपुरी	3.90
24.	2024_WRD_ 365925	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 38, 39 एवं 65 के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति।	सागर	0.63
25.	2024_WRD_ 365926	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 65 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
26.	2024_WRD_ 365927	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 39 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
27.	2024_WRD_ 365928	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 38 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
28.	2024_WRD_ 365929	वायब्रेट्री कम्पेक्टर क्रमांक 09 एवं डी 80 ए 12 क्र. 05 का सुधार कार्य।	सागर	0.42
29.	2024_WRD_ 365930	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 46, 62, 63 एवं 70 के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति।	सागर	0.84
30.	2024_WRD_ 365932	मशीन डी 80 ए 12 क्रमांक 05 का सुधार कार्य।	सागर	0.63
31.	2024_WRD_ 365933	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 70 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
32.	2024_WRD_ 365934	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 63 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
33.	2024_WRD_ 365935	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 62 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
34.	2024_WRD_ 365936	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 46 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
35.	2024_WRD_ 366241	मोहनपुरा कुण्डालिया पी.एम.यू. कार्यालय भवन, वन वाटिका के पास राजगढ़ का नवीनीकरण का कार्य।	राजगढ़	19.49
36.	2024_WRD_ 366300	लिपरी एवं टोला तालाब की केनाल एवं केनाल स्ट्रक्चर्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	पन्ना	16.61
37.	2024_WRD_ 366305	संचालक, जल मौसम विज्ञान कार्यालय स्वारडेक भवन, भोपाल एवं भूजल सर्वेक्षण मण्डल, भोपाल कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था प्रदाय का कार्य।	भोपाल	7.65
38.	2024_WRD_ 366453	मोहनपुर तालाब का वार्षिक मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	8.19
39.	2024_WRD_ 366481	नरसुखेड़ी तालाब की आर.डी. 85 मी. पर एक्वाडक्ट तथा पचलाना के वेस्ट वियर एवं नहर का वार्षिक मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	5.65
40.	2024_WRD_ 366484	अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त बनेट तालाब की नहर की आर.डी. 720 मी. पर एक्वाडक्ट का मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	9.18
41.	2024_WRD_ 366510	दतिया वाहक नहर, लटेसरा एवं ओरछा डिस्ट्रीब्यूट्री एवं इनकी माइनर एवं सबमाइनर की मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	12.64
42.	2024_WRD_ 366511	राजघाट बांयी तट नहर एवं उसकी वितरिकाओं, माइनरों की आर.डी. 0 मी. से 48000 मी. के मध्य मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	शिवपुरी	11.02
43.	2024_WRD_ 366903	राजघाट एलबीसी डिस्ट्रब्यूटरी एवं इसकी माइनरी की आर.डी. 48000 मीटर से 83000 मीटर के मध्य मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	शिवपुरी	12.72
44.	2024_WRD_ 367211	कुटनी पोषक बांध पर विद्युतीयकरण (डी.जी. रूम से गैलरी पेनल) एवं अन्य कार्य।	सागर	3.21
45.	2024_WRD_ 367213	कुटनी पोषक बांध में स्थापित शीर्ष जलद्वारों के मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	0.82
46.	2024_WRD_ 367214	सिंहपुर बैराज मध्यम बांध में स्थापित शीर्ष जलद्वारों के मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	0.68
47.	2024_WRD_ 367215	पवई मध्यम सिंचाई परियोजना की नहर पर स्थापित गेटों के मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	1.60
48.	2024_WRD_ 367725	कार्यालय अधीक्षण यंत्री, सिंध परियोजना नहर मण्डल शिवपुरी की चारदीवारी और पेवर फर्श का निर्माण कार्य।	शिवपुरी	10.65
49.	2024_WRD_ 367757	बेतवा वृहद प्रेशराइज्ड सिंचाई का सर्वेक्षण कार्य।	विदिशा	9.99
50.	2024_WRD_ 367760	बावना वृहद प्रेशराइज्ड सिंचाई का सर्वेक्षण कार्य।	विदिशा	9.74
51.	2024_WRD_ 367770	अम्बाह शाखा के नहर के गेटों का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	6.14
		कुल योग		327.41

जी-16040/50038/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय मुख्य अभियंता

लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2024-25 **भोपाल, दिनांक : 06.09.2024**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
क्र. कार्य का नाम- 1. दमोह जिले के नरयावली-मंगोला मार्ग में ग्राम सीतानगर के पास सुनार नदी पर पहुँच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।					
2024_PWDRB_368289_1	दमोह	पुल कार्य	सप्तमः	1358.06	केवल ऑनलाइन
क्र. कार्य का नाम- 2. खण्डवा जिले के तीन पुलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज के अंतर्गत भुसावल इटारसी ब्राडगेज रेलवे सेक्शन में पोल क्रमांक 567/ 55-57 से पोल क्रमांक 567/56-58 के मध्य रेलवे ट्रैक पर रेलवे स्पान का निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_368290_1	खण्डवा	पुल कार्य	षष्ठः	691.34	केवल ऑनलाइन
क्र. कार्य का नाम- 3. दमोह जिले के जरौंध सिमरी मार्ग के व्यारमा नदी पर जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।					
2024_PWDRB_368291_1	दमोह	पुल कार्य	सप्तमः	687.27	केवल ऑनलाइन
क्र. कार्य का नाम- 4. खण्डवा जिले के तीन पुलिया के पास खण्डवा-अकोला मीटर गेज दक्षिण रेलवे लाइन के लेवल क्रासिंग क्रमांक-1बी कि.मी. 630/12-13 पर रेलवे स्पॉन के निर्माण कार्य।					
2024_PWDRB_368292_1	खण्डवा	पुल कार्य	षष्ठः	545.52	केवल ऑनलाइन
			कुल योग	3282.19	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.09.2024 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता लो.नि.वि.
सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

जी-16104/50040/2024

तीसरे प्रयास में दमोह जिले के आकाश खत्री बने असिस्टेंट कमांडेंट

वर्दी से लगाव, कड़ा परिश्रम और हार ना मानने के जुनून ने दिलायी आकाश को सफलता

भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवन में जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना किया लेकिन यह उनकी दृढ़ता ही थी और शिक्षा के प्रति लगन की देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई कर अपनी योग्यता को उत्कृष्टता में बदल दिया। शिक्षा को जीवन में बदलाव का एकमात्र अस्त्र मानने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाया। उनके जीवन से प्रेरणा लेने वाले मध्यप्रदेश के तेंदूखेड़ा के रहने वाले आकाश खत्री के जीवन में भी कई तरह की चुनौतियां आई। शासकीय स्कूल में हिंदी मीडियम से पढ़ाई, सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के आकाश खत्री आईआईटी की परीक्षा देकर बीटेक करना चाहते थे, लेकिन आकाश का चयन आईआईटी में नहीं हुआ तब आकाश बहुत निराश हुए। मन में कॅरियर को लेकर कई तरह की उलझनें आई फिर आकाश ने सागर के शासकीय कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और अपना ध्यान एक नये लक्ष्य की ओर लगाया और उसे हासिल करने में पूरी मेहनत की। अब आकाश को सफलता मिल गई है। आकाश खत्री ने यूपीएससी परीक्षा पास कर ऑल इंडिया 259वीं रैंक हासिल की है। आकाश को असिस्टेंट कमांडेंट (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) का पद मिला है। अपने जीवन की यात्रा और परीक्षा में सफलता के संबंध में आकाश ने ''रोज़गार और निर्माण'' से बातचीत की...

- **अपने अब तक के जीवन के सफर के बारे में बताइए?**
- मेरे पिता पीएचई विभाग में हैंडपंप टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं। मेरी प्रारंभिक शिक्षा तेंदूखेड़ा के सरकारी स्कूल में पूरी हुई। 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अच्छे नंबर आने के कारण हायर सेकेंडरी के बाद ही मुझे पोस्ट ऑफिस में नौकरी मिल गई थी। करीब 2 महीने तक वहां काम किया, पर मन नहीं लगा। तो वह नौकरी छोड़ दी और इंदिरा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सागर से बीटेक किया। वहां से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। कुछ महीने पहले आयोजित हुई पटवारी परीक्षा के दौरान 141 नंबर हासिल करते हुए पटवारी के पद पर चयन हो गया। साथ ही सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर भी चयन हुआ लेकिन अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर पटवारी को ज्वाइन करने का निर्णय लिया। पटवारी की ट्रेनिंग खत्म करके घर वापसी कर रहा था कि यूपीएससी के असिस्टेंट कमांडेन्ट का रिजल्ट घोषित हो गया।
- **असिस्टेंट कमांडेंट केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में जाने का निर्णय कब और कैसे लिया?**
- मुझे हमेशा से ही वर्दी आकर्षित करती रही है। बड़े भाई अजय खत्री एयरफोर्स में सेवारत हैं। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान में मध्यप्रदेश सरकार की 'मां तुझे प्रणाम' योजना के तहत जब युवाओं के दल के साथ देश की सीमा पर गया तो बांग्लादेश की बॉर्डर पर मेरी मुलाकात वहां पदस्थ असिस्टेंट कमांडेंट से हुई। जो संयोग से मध्यप्रदेश के शिवपुरी के रहने वाले थे। उनसे मुझे इस जॉब के बारे में पता चला। वापस आकर मैंने इसके बारे में विस्तार से जाना और इसे लक्ष्य बनाकर तैयारी शुरू की। तीसरे प्रयास में मुझे सफलता मिल गई।
- **इस परीक्षा के बारे में विस्तार से बताइए?**
- संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (असिस्टेंट कमांडेंट) एग्जामिनेशन के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जाता है। यह पद पुलिस के एएसपी और सेना के कैप्टन के समकक्ष ग्रुप ' ए ' राजपत्रित अधिकारी होता है। इस भर्ती के संबंध में अधिक जानकारी वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी में अधिकारी वर्ग के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा में ग्रेजुएशन के बाद 20 से 25 की उम्र के बीच आवेदन कर सकते हैं। शारीरिक दक्षता परीक्षा, इंटरव्यू के बाद फाइनल सलेक्शन होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पेपर - 1 में जनरल एबिलिटी एवं इंटेलिजेंस 250 मार्क्स और ऑब्जेक्टिव टाइप सवाल पूछे जाते हैं। पेपर-2 में जनरल स्टडीज, निबंध एवं कॉम्प्रिहेंशन 200 अंक के होते हैं। आखिरी चरण में यूपीएससी भवन धौलपुर हाउस नई दिल्ली में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है जो 150 अंक का होता है।
- **क्या आपने कहीं कोचिंग की? परीक्षा की रणनीति कैसे तैयार की?**
- नहीं मैंने कहीं कोचिंग नहीं की थी। हां सिलेबस को आधार बनाकर पुराने वर्ष के प्रश्न पत्र का गहन विश्लेषण किया और किस तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं, इस एप्रोच को समझा और उसके आधार पर तैयारी शुरू की। सबसे ज्यादा फोकस एनसीईआरटी बुक्स सहित अन्य किताबों का अध्ययन किया।
- **नियमित कितने घंटे अध्ययन किया?**
- मैंने कभी घंटों को आधार बनाकर पढ़ाई नहीं की। मैं टॉपिक निर्धारित करता था कि इसे इतने दिन या इतने समय में पूरा करना है इस लक्ष्य को बनाकर पढ़ाई की। फिर भी 10 से 12 घंटे का समय अध्ययन में अवश्य देता था।
- **परीक्षा हॉल में आपकी क्या रणनीति थी?**
- परीक्षा हॉल में जाते समय मानसिक रूप से स्थिरता होना बहुत जरूरी है। समय का प्रबंधन करके मैंने पेपर लिखे हैं। मुख्य पेपर देने के पहले मैंने कई बार निर्धारित समय में लिखने की प्रेक्टिस की थी। इसके साथ ही परीक्षा हॉल में जाने से पहले मानसिक और शारीरिक रूप से बिलकुल फिट होना बहुत जरूरी है यह आपको बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार करता है।
- **इस कठिन परीक्षा को पास करने में आपने किस तरह की चुनौतियों का सामना किया?**
- सबसे पहली बाधा तो इस एग्जाम के बारे में सोचना ही था, क्योंकि पूरे देश में बहुत कम लगभग 350 पदों के लिए परीक्षा होती है इतने कंपटीशन के दौर में यह सोचना एक बड़ी चुनौती हाथ में लेने जैसा था दूसरा, स्कूली शिक्षा में हिंदी मीडियम में खासकर हम रटना सीखते हैं जबकि यूपीएससी परीक्षा में समझ सहित गहन प्रवाहपूर्ण एवं सारयुक्त लेखन की आवश्यकता होती है इसे डेवलप करने में मुझे समय लगा साथ ही इस तैयारी के बीच 10-12 घंटे रोज बैठने के कारण कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी आई जिसे मैंने रेगुलर एक्सरसाइज से ठीक किया।
- **क्या कभी इस बात का डर लगा कि अगर सिलेक्शन नहीं हुआ तो क्या करेंगे? अगर इस फील्ड में नहीं होते तो क्या करते?**
- हां डर तो लगता है खासकर जब यूपीएससी जैसी अनिश्चितता भरी परीक्षा की तैयारी करते हैं तो अनिश्चितता इसके साथ ही आती है हालांकि मेरे शुरू से एग्जाम निकलते रहे तो कॅरियर को लेकर डर नहीं था ये विश्वास तो हमेशा से था की जीवन में कुछ अच्छा जरूर कर लूंगा।
- **क्या आपको उम्मीद थी कि सिलेक्शन हो जाएगा?**
- हां उम्मीद तो थी कि सिलेक्शन हो जाएगा।
- **नोट्स बनाने के लिए किस तरीके को अपनाया?**
- ज्यादातर मैंने नोट्स नहीं बनाए स्टैंडर्ड बुक्स को बार-बार पढ़ा और उन्हीं में हाईलाइट करके किसी भी टॉपिक को पढ़ने के बाद उनके पिछले साल के सवाल लगाता था और ऐसा मैंने कई बार दोहराया। मैंने हमेशा एक ही किताब को बार-बार पढ़कर उसका रीवीजन किया।
- **इंटरव्यू की तैयारी आपने कैसे की?**
- इंटरव्यू की तैयारी के लिए मैंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ChatGPT का बहुत उपयोग किया साथ ही न्यूज पेपर को नियमित रूप से पढ़ा। टॉपिक सभी कवर करे। अकेले में बोलने की कोशिश, दोस्तों के साथ ग्रुप बनाकर इंटरव्यू की प्रेक्टिस की और कुछ मॉक इंटरव्यू भी दिए।
- **इस परीक्षा में सफलता का मूल मंत्र क्या है?**
- किसी भी परीक्षा में सफलता का मूल मंत्र बस यही है कि सिलेबस को पूरा किया जाए और ज्यादा से ज्यादा अभ्यास किया जाए। और हमेशा याद रखें दुनिया में कोई भी कार्य आपकी क्षमताओं से परे नहीं है।
- **जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है। उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?**
- मेरा चयन असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर हुआ है। मुझे जो भी दायित्व दिया जाएगा उसे पूरी ईमानदारी से करने का प्रयत्न करूंगा। इस दौरान सरहद पर होने वाले नियमित व्यापार की कार्यप्रणाली, ट्रांस बॉर्डर मूवमेंट, आपराधिक गतिविधि न हो साथ ही जनता को कोई समस्या न हो। इस तरह के कार्य मेरे पास होंगे जिन्हें बेहतर ढंग से करने का प्रयास करूंगा।
- **प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को ''रोज़गार और निर्माण'' के माध्यम से आप क्या संदेश देना चाहेंगे?**
- मेरा युवाओं के लिए यही संदेश है कि एक लक्ष्य बनाकर उसे हासिल करने के लिए पूरी मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी। मैंने यह देखा है कि अक्सर युवा समय के साथ अपने लक्ष्य बार-बार बदलने लगते हैं जैसे कि पीएससी का फॉर्म आया तो उसकी तैयारी में जुट गए, पटवारी का फॉर्म आया तो उसकी परीक्षा की तैयारी करने लगे या फिर एसआई की परीक्षा की तैयारी करने लगे। ऐसा करने से सिर्फ हमारा ध्यान और ऊर्जा वेस्ट होती है और हमें किसी में भी सफलता नहीं मिलती है। जैसे कबीर का दोहा भी है, एके साधे सब सधै, सब साधे सब जाए रहिमन मूलही सीझवो, फूरहि फर हि अघाय इसकी बजाय यदि हम एक लक्ष्य बनाकर तैयारी करते हैं तो इस बीच होने वाले कई एग्जाम हम पास कर लेते हैं। मैंने सिर्फ असिस्टेंट कमांडेंट की परीक्षा की तैयारी की और उसी के आधार पर पटवारी की परीक्षा दी और उसे भी पास कर लिया था। इसलिए परीक्षा भले कई दें, लेकिन लक्ष्य अवश्य एक रखें कामयाबी मिलेगी। हां असफलता से डरें नहीं, असफलता के बावजूद एक बार फिर से पूरी मेहनत के साथ प्रयास करे सफलता अवश्य मिलेगी।

- डॉ. सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)।

परिचय

नाम	:	आकाश खत्री
पद	:	असिस्टेंट कमाण्डेंट - ग्रुप ए राजपत्रित
पिता	:	श्री आनंदी लाल खत्री
माता	:	श्रीमती सरोज खत्री
पता	:	वार्ड क्रमांक 11, तेंदूखेड़ा जिला दमोह मध्यप्रदेश
आभार	:	माता-पिता, बड़े भैया अजय खत्री,
सबल पक्ष	:	योजना बनाकर काम करना, यूनिफॉर्म फोर्स के प्रति आकर्षण, परिवार का सहयोग
दुर्बल पक्ष	:	कलात्मक अभिव्यक्ति
पूर्व चयन	:	सब इंस्पेक्टर, सीआरपीएफ, पटवारी के पद पर दमोह में कार्यरत
शिक्षा	:	9वीं-12वीं शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल तेंदूखेड़ा दमोह स्नातक - इंदिरा गांधी शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर
रुचि	:	पॉडकास्ट सुनना, साइकोलॉजिकल वॉरफेयर के बारे में पढ़ना-जानना, साइकिलिंग

इंटरव्यू के दौरान पूछे गए कुछ प्रश्न

- **आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक किया है। तो फिर आप फोर्स में क्यों आना चाहते हैं?**
- बचपन से ही यूनिफॉर्म सर्विसेस मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरे बड़े भाई अजय वायु सेना में हैं और मैं डेस्क जॉब नहीं करना चाहता था। ऐसी जॉब जिसमें शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का बेहतर संतुलन हो और सीएपीएफ-एसी मुझे वह अवसर प्रदान करता है।
- **मान लीजिए आप बीएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर बांग्लादेश बॉर्डर पर पदस्थ हैं? तो आप ड्रग और कैटल ट्रैफिकिंग को कैसे रोकेंगे?**
- तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करके जैसे ड्रोन और नाइट विजन कैमरों का इस्तेमाल करके साथ ही अपने जवानों को उसके अनुरूप प्रशिक्षण देकर, स्टेट पुलिस के साथ कॉर्डिनेशन और खुफिया तंत्र विकसित करूंगा।
- **पिछले दो प्रयासों में आपका चयन नहीं हो पाया। आपकी मानसिक स्थिति कैसी है इस बारे में बताइए?**
- बिल्कुल ठीक। मैंने अपनी पूरी मेहनत की थी इसलिए मुझे कोई अफसोस नहीं है। साथ ही यूपीएससी को स्टूडेंट्स के बीच अनप्रिडिक्टेड पब्लिक सर्विस कमीशन भी कहते हैं। इसलिए अगर इसमें 2-3 अटेम्प्ट लगते हैं तो मुझे नहीं लगता इसमें कोई बुराई है।

इस जवाब को सुनकर सभी मेम्बर और चेयरपर्सन जोर-जोर से हंसने लगे फिर चेयरपर्सन सर ने पूछा।

- **आकाश तुम्हें नहीं लगता कि हमें यानी यूपीएससी को अनप्रिडिक्टिबल होना चाहिए?**
- जरूर, होना चाहिए सर क्योंकि आप ऐसे पदों के लिए चयन कर रहे हैं जिन्हें भविष्य में बहुत ही अहम पदों पर रहकर कई वर्षों तक देश चलाना है और आगे बढ़ाना है। साथ ही उनके समक्ष जो समस्याएं आएंगी वह भी अनिश्चितता से भरी ही होंगी।
- **आप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। बताइए अगर किसी इलेक्ट्रिकल गाड़ी में एक मोटर की जगह दो मोटर लगा दी जाएं तो उसकी स्पीड कितनी बढ़ जाएगी?**
- स्पीड नहीं बढ़ेगी सर। हां दो मोटर से वजन अधिक ले जाने की क्षमता अवश्य बढ़ जाएगी। क्योंकि दोनों मोटर एक ही स्पीड से घूमेंगी दोनों का आरपीएम समान है तो स्पीड भी समान ही होगी।

विद्यार्थियों को निःशुल्क मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराएगा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

भोपाल, विद्यार्थी जीवन में दीक्षांत शपथ का हर दिन मनन करें, सत्य का हमेशा पालन करें। अपने माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा युवाओं को उनकी मौलिक प्रतिभा को निखारने का अवसर देकर विकसित भारत के निर्माण की महती जिम्मेदारी सौंपी है। शिक्षक इस दिशा में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें। स्वयं को नवीनतम ज्ञान और तकनीक से अपडेट रखें। चुनौतियों के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करें। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा छात्र-छात्राओं को उपाधियां निःशुल्क रूप से प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन से दीक्षित होने के बाद संसार से जुड़ने का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थी, भारतीय संस्कृति के अनुरूप संस्कारों का निर्वहन करते हुए जीवन पथ पर अग्रसर हों और देश के परिवेश को सकारात्मक बनाए रखने में हर संभव योगदान दें।

राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री द्वारा कला, वाणिज्य, शारीरिक शिक्षा, शिक्षा, अभियांत्रिकी, तकनीकी शिक्षा, गृह विज्ञान, जीव विज्ञान, विधि, विज्ञान एवं समाज विज्ञान सहित अन्य संकायों के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2022-23 की पीएचडी की उपाधियां मंच से प्रदान की गई।

इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया के विकास के लिए बनेगी कार्ययोजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए

इंदौर, इंदौर तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। इस शहर में विकास की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश और इंदौर शहर देश के मध्य भाग में स्थित है। इसे दृष्टिगत रखते हुए यहां का विकास सुनियोजित रूप से किए जाने की आवश्यकता है। अगर इंदौर शहर और मध्यप्रदेश का सुनियोजित विकास होगा तो इसका लाभ अन्य राज्यों को भी मिलेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया के चहुंमुखी विकास के लिए कार्ययोजना तैयार होगी। इंदौर नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना बनायी जायेगी। यह कार्ययोजना एक माह में तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये। साथ ही निर्णय लिया गया कि इंदौर शहर के एलआईजी से नवलखा तक प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज के स्थान पर आवश्यकता के अनुसार जंक्शनों पर 6 और ब्रिज बनाये जाएंगे। यह भी तय किया गया कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल 29 गांवों और शहर की अन्य पुरानी बस्तियों के भू-स्वामित्व संबंधी मामले निराकृत हों और इनके नक्शे भी पास करने की व्यवस्था बनायी जाये। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाये कि इन गांवों में वैध कॉलोनियों की तरह ही सभी मूलभूत सुविधाएं मिलें।

प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर तथा आस-पास के क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। इन क्षेत्रों में सुनियोजित विकास की आवश्यकता है। इसको देखते हुए मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया विकसित होना चाहिये। इसके मद्देनजर इस क्षेत्र में शामिल होने वाले इंदौर, उज्जैन, धार और देवास के प्रत्येक ग्राम तथा हर क्षेत्र के समग्र और सुनियोजित विकास का प्लान तैयार होना चाहिये। सभी विकास एजेंसियां समन्वित रूप से विकास प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि इंदौर में औद्योगिक विकास की भी अपार संभावनाएं हैं। इसको देखते हुए भी कार्ययोजना तैयार हों।

सिंचाई परियोजनाओं को समय-सीमा में करें पूरा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में नर्मदा नियंत्रण मण्डल की 83वीं और वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 124वीं बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन और स्वीकृत नई सिंचाई परियोजनाओं का कार्य समय-सीमा में पूरा किया जाए। कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। लंबित सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादन ने कहा है कि सिंचाई परियोजनाओं का लाभ आदिवासी बहुल क्षेत्रों को समय पर और सही ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में चर्चा हुई।

नर्मदा नियंत्रण मण्डल की 83वीं बैठक में बड़वानी जिले की निवाली उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं सेंधवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना, धार उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना, माँ रेवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना और जावर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यों के संबंध में चर्चा की गई।

सीएम राइज़ एवं मॉडल विद्यालयों के लिये शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना सीएम राइज़ विद्यालय, मॉडल स्कूल एवं जिला-स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों में (प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और हायर सेकेण्डरी स्तर के) प्रशासकीय पद के लिये शासकीय शिक्षकों के आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने जानकारी दी है कि ऐसे शिक्षक, जो शिक्षा विभाग के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम आयाम स्थापित करने की चुनौती को स्वीकार करने की इच्छा-शक्ति रखते हैं, तो यह अवसर उनके लिये है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी www.educationportal.gov.in तथा www.vimarsh.mp.gov.in पर उपलब्ध है।

विद्यार्थियों के लिए 3390 आईसीटी लैब स्थापित

भोपाल, प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में डिजिटल लिटरेसी को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीटी (इन्फार्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) लैब स्थापित की जा रही है। प्रदेश में अब तक 3390 आईसीटी लैब स्थापित की जा चुकी हैं। केन्द्र सरकार की इस योजना में स्कूल में कम्प्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से कम्प्यूटर लैब की स्थापना का कार्य विकेन्द्रीकृत तरीके से जिलों द्वारा किया जा रहा है।

आईसीटी लैब की नियमित मॉनिटरिंग एवं मासिक समीक्षा गतिविधियों के लिये विमर्श पोर्टल में एक इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। डिजिटल लिटरेसी से संबंधित कौशल आज के तकनीकी युग की आवश्यकता बन चुकी है। जिसमें भविष्य में विद्यार्थियों को अच्छे कॅरियर ऑप्शन मिल सकें। इसे ध्यान में रखते हुए आईसीटी लैब के अध्यापन से संबंधित पाठ्यवस्तु का निर्धारण किया गया है। कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिये आईसीटी से संबंधित विषयवस्तु तैयार की गई है। आईसीटी लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल साधनों का उपयोग करने का प्रशिक्षण भी मिल रहा है।

प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में अनेक स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। इसी तरह का एक संगठन श्रीराम फाइबर फाउण्डेशन (एसआरएफ) कार्य कर रहा है।

युवाओं का किया गया प्लेसमेंट

भिण्ड एवं धार जिले में बेसिक इलेक्ट्रीशियन ट्रेनिंग सेंटर चलाये जा रहे हैं। इन सेंटर में 18 वर्ष से अधिक के युवाओं को 4 माह का इलेक्ट्रिक से संबंधित कोर्स कराया जा रहा है। कोर्स पूरा होने पर इलेक्ट्रिक किट भी प्रदान की जा रही है। इन सेंटर्स के माध्यम से अभी तक 1200 से अधिक युवाओं को इलेक्ट्रिक ट्रेनिंग दी गई है। फाउण्डेशन द्वारा 700 से अधिक युवाओं का प्लेसमेंट भी करवाया गया है।

चयनित प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किये गए जॉब ऑफर लेटर

भोपाल, कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के सातवें बैच के 70 प्रशिक्षणार्थियों को कैंपस सिलेक्शन के जरिये कंपनी में सिलेक्शन होने पर जॉब ऑफर लेटर वितरित किए। श्री टेटवाल ने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता हो रही है कि यहां से अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा वर्ग प्रतिष्ठित कंपनी मे रोज़गार प्राप्त कर ग्लोबल स्किल्स पार्क का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थी और अधिक क्षमतावान बनकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 'रोज़गार देने वाले बनने का सपना' पूर्ण करेंगे।

दुग्ध संघों का संचालन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड करेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डेयरी विकास योजना की समीक्षा करते हुए

भोपाल, मध्यप्रदेश, देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 से 10 प्रतिशत उत्पादन करते हुए देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश के अनेक ग्रामों में किसान भाइयों को पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के लिए सुविधाएं प्रदान कर प्रदेश को देश में अग्रणी बनाने का प्रयास किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश में डेयरी विकास योजना, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं सांची दुग्ध संघ के कार्यों की समीक्षा बैठक में कही। इस अवसर पर भारत सरकार की पशुपालन एवं डेयरी सचिव श्रीमती अलका उपाध्याय, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक श्री मीनेश शाह भी उपस्थित थे।

बैठक में मध्यप्रदेश राज्य कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और उससे जुड़े दुग्ध संघों का प्रबंधन और संचालन अगले पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा किए जाने पर सहमति बनी। इसके लिए आवश्यक स्वीकृति प्राप्त कर विधि संगत कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाकर किसानों और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय बोर्ड को दायित्व देने पर सहमति बनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरप्रदेश और राजस्थान के पश्चात मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है। प्रदेश में प्रतिदिन साढ़े पांच करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में मध्यप्रदेश की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। जहां देश में प्रति व्यक्ति 459 ग्राम प्रतिदिन दूध की उपलब्धता है वहीं मध्यप्रदेश में यह 644 ग्राम है। अगले पांच वर्ष में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य है। इसके लिए सहकारी आन्दोलन को मजबूत करने और पशुपालकों को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य होगा। प्रदेश के करीब चालीस हजार ग्रामों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास होंगे।

सरसी आइलैंड मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा

शहडोल, उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए बाणसागर डूब क्षेत्र के सरसी आइलैंड को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि बाणसागर स्थित सरसी आइलैंड में लक्षद्वीप और खंडवा के हनुवंतिया जैसा महसूस होता है। श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यटकों के लिए जिम, 5-स्टार होटलों जैसी सुविधाएं, आने जाने के लिए स्पीड मोटर बोट और डेस्टिनेशन वेडिंग कार्यक्रम के लिए आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सरसी आइलैंड रिसॉर्ट ब्यौहारी, शहडोल के सभागार में पर्यटन विकास निगम की बैठक में रिसॉर्ट में पर्यटन गतिविधियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरसी आइलैंड में पर्यटक परिवार लेकर आयें और यहां रुकें इसके लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। रीवा से सरसी आइलैंड के आवागमन की सुगमता को बेहतर बनाने के प्रबंध किए जायें। जिससे मुकुंदपुर टाइगर सफारी जैसे अन्य पर्यटन स्थल में आने वाले पर्यटक भी सरसी आइलैंड में आयें और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाएं।

उप मुख्यमंत्री ने सरसी आइलैंड क्षेत्र में विचरण कर रहे गौवंश के लिए उचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरसी आइलैंड क्षेत्र में गौवंश के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्थाएं कराएं। सरसी आइलैंड रिसॉर्ट में रिक्त पड़ी भूमि में 100-100 गायों के लिए गौशालाओं का निर्माण कराया जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मंत्रिपरिषद के निर्णय

सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के लिए 614 करोड़ 53 लाख रुपये स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा 614 करोड़ 53 लाख रुपये से सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया। निर्णय अनुसार सिलारखेड़ी जलाशय की ऊंचाई बढ़ायी जाकर जलाशय की जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि की जायेगी। परियोजना में संग्रहित जल से क्षिप्रा नदी को निर्मल प्रवाहमान बनाये रखने तथा चितावद वृहद परियोजना में जल को संग्रहित किया जाकर लगभग 65 ग्रामों की 18 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा नर्मदापुरम जिले के डोकरीखेड़ा जलाशय के शेष कमाण्ड एरिया को पिपरिया शाखा नहर से जल उद्वहन कर सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के लिए 49 करोड़ 94 लाख रुपये, सैंच्य क्षेत्र 2940 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। पिपरिया शाखा नहर की लाइनिंग के पश्चात शेष जल का उपयोग करने के लिए परियोजना का सैंच्य क्षेत्र 2000 हेक्टेयर से बढ़ाकर कुल 12 ग्रामों की 2940 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा भारतमाला परियोजना अंतर्गत तहसील पीथमपुर, जिला धार में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना से प्रभावित ग्राम जामोदी की भूमि की कलेक्टर गाइड लाइन कम होने के कारण ग्राम जामोदी के किसानों को प्राप्त मुआवजा राशि के अंतर की राशि का स्पेशल पैकेज प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय सागर में स्नातकोत्तर एवं स्नातक सीट वृद्धि के लिए जिला चिकित्सालय एवं चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के विलय के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। चिकित्सकीय संवर्ग के लिए पात्रता एवं उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार चिकित्सा महाविद्यालय में समायोजित किए जाने के लिए एवं जो चिकित्सक समायोजित नहीं हो पाते हैं उन्हें विभाग के अन्यत्र संस्थानों में स्थानांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

नवीन पदों के सृजन का निर्णय

मंत्रिपरिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कुल 36 पदों को समर्पित करने, कुल 18 नवीन पद (संचालक का 01 पद, वरिष्ठ संयुक्त संचालक के 03 पद, उप संचालक के 08 तथा सहायक संचालक के 06 पद) सृजित करने तथा संचालनालय चिकित्सा शिक्षा व संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें कार्यालयों के कुल 636 पदों का संविलियन करते हुए 'संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा' निर्मित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस बैण्ड दल के लिए प्रोत्साहन राशि की स्वीकृत

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद वर्ष 2024-25 की राशि से चंदेरी जिला अशोकनगर में श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव के अवसर पर दूसरी बटालियन ग्वालियर के पुलिस बैण्ड दल द्वारा राष्ट्रीयता एवं सांस्कृतिक भावना के अंतर्गत वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति दिए जाने पर पुलिस बैण्ड के 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहनस्वरूप प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये (कुल एक लाख 70 हजार रुपये राशि) की व्यक्तिगत आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिये छात्रावास सुविधा

भोपाल, प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग विभिन्न मदों में छात्रावास का निर्माण करवा रहा है। छात्रावास सुविधा से बच्चों को घर से दूर पढ़ाई करने में सरलता भी हुई है।

संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास के निर्माण के लिये विभागीय बजट में प्रावधान किया गया है। प्रति छात्रावास निर्माण पर करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। दिव्यांग छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर ऐसे स्कूलों में किया जा रहा है, जहां सह-शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा 8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर पूरी करते हैं, उन्हें उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाई करने के लिये छात्रावास में व्यवस्था की गयी है।

साइबर तहसील से छह माह में एक लाख से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण

भोपाल, साइबर तहसील के माध्यम से पिछले 6 माह में एक लाख से अधिक किसानों के पास नामांतरण आदेश पहुंचाए गए हैं। नामांतरण आदेश ई-मेल और व्हाट्सएप पर भेजे गए। साइबर तहसील से 20 दिन से कम समय में नामांतरण आदेश हुए जबकि पारंपरिक तहसील से नामांतरण में 70 दिन से अधिक का समय लगता है। साइबर तहसील व्यवस्था से किसानों के हित में सकारात्मक बदलाव आए हैं। गौरतलब है कि साइबर तहसील की कार्यप्रणाली को देश में सबसे पहले लागू करने वाला राज्य मध्यप्रदेश है।

प्रमुख राजस्व आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि साइबर तहसील की शुरुआत 29 फरवरी 2024 को की गई। प्रारंभ में सम्पूर्ण खसरा के क्रय-विक्रय की रजिस्ट्री के आधार पर साइबर तहसील से नामांतरण की व्यवस्था की गई। साइबर तहसील 1.0 की सफलता के बाद अगस्त माह में साइबर तहसील 2.0 की शुरुआत की गई। इसके लागू होने से सम्पूर्ण खसरा के साथ खसरा के भाग, हिस्सा के क्रय विक्रय के नामांतरण की व्यवस्था भी साइबर तहसील से होने लगी है।

साइबर तहसील में बढ़ाया अमला

साइबर तहसील व्यवस्था के सुचारु रूप से संचालन के लिए तहसीलदार और नायब तहसीलदार के पदों की संख्या को 11 से बढ़ा कर 25 किया गया है। साइबर तहसील व्यवस्था सभी 55 जिलों में प्रभावशील है, जो पूर्णत: पेपरलेस, फेसलेस ऑनलाइन व्यवस्था है। इसमें आवेदक को नामांतरण के लिए आवेदन नहीं करना होता और न ही तहसील कार्यालय के चक्कर लगाना पड़ते हैं।

साइबर तहसील में नामांतरण की प्रक्रिया सेल डीड होने के साथ शुरू हो जाती है। रजिस्ट्री होने के तुरंत बाद रजिस्ट्री डाटा रेवेन्यू पोर्टल पर ट्रान्सफर कर दिया जाता है। इसके बाद क्रेता-विक्रेता को एस.एम.एस. से सूचना भेजने के साथ संबंधित ग्रामवासियों को एसएमएस से सूचना दी जाती है। पटवारी रिपोर्ट भी ऑनलाइन प्राप्त हो जाती है। इसके बाद केस फिट होने पर नामांतरण आदेश पारित कर दिया जाता है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिये ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता आवश्यक

भोपाल, मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण होने के साथ कृषि प्रधान राज्य है। प्रदेश में तिलहन, दलहन, फल, सब्जी, वनोपज आदि का भरपूर उत्पादन होता है। इन सबके बावजूद भी एनीमिया और कुपोषण की समस्याएं कम नहीं हुई हैं। कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता आवश्यक है। यह बात महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने नूर उस सबा होटल में सॉलिडेरिडाड संस्था द्वारा 'गुड फार्मिंग, गुड फूड, गुड हेल्थ' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।

सुश्री भूरिया ने कहा कि कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं से उभरने के लिये हमें एकजुट होकर कार्य करने होंगे। ग्रामीण परिवारों में पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता लाना, स्थानीय संसाधनों का प्रयोग कर गुणवत्तापूर्ण पोषक आहार को बढ़ावा देना होगा। इस कार्य में सामाजिक संस्थाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इस दिशा में मिलकर काम करें तो सफलता निश्चित मिलेगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि वर्तमान में गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिये केमिकल फर्टिलाइजर एवं दवाइयों का इस्तेमाल किया जाता है जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक होता है। क्वालिटी कॉम्प्रोमाइज हो रही है। उन्होंने कहा कि सॉलिडेरिडाड संस्था सोयाबीन से बने खाद्य पदार्थ को आहार में सम्मिलित करने एवं समुदाय में संतुलित आहार के प्रति जागरूकता लाने में सफलतापूर्वक अपना सहयोग दे रही है।

आयुष औषधियों के लिए औषधि क्रय-विक्रय नीति बनाई जाएगी

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने आयुष विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय गतिविधियों एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। श्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री परमार ने शासकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसी के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने शासकीय आयुष फार्मेसी में वांछित मांगों की पूर्ति के अनुरूप औषधियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने एवं नियमित मॉनिटरिंग के लिए 'औषधि उत्पादन नीति' बनाने को कहा।

श्री परमार ने निजी एवं शासकीय फार्मेसी की औषधियों की गुणवत्ता जांच और विश्वसनीयता के लिए शासकीय औषध प्रयोगशाला के उन्नयन करने के निर्देश दिए। आयुष औषधियों के मूल्य निर्धारण के लिए 'औषधि क्रय-विक्रय नीति' बनाने को कहा। श्री परमार ने औषधियों की क्रय प्रक्रिया के लिए 'ई-औषधि' ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने के लिए भी निर्देशित किया। प्रत्येक चिकित्सालय में एक सलाहकार समिति के गठन के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। श्री परमार ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया शीघ्र किए जाने के निर्देश भी दिए।

प्रदेश के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए शासन प्रतिबद्ध

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जय प्रकाश जिला चिकित्सालय भोपाल में उच्च स्तरीय हृदय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए निजी सहभागिता पर आधारित पायलट प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए शासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासकीय संस्थाओं में अत्याधुनिक सुविधाओं और चिकित्सा विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समस्त समुचित प्रयास किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हृदय रोग के इलाज के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता में वृद्धि आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह पायलट प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश में उच्च स्तरीय हृदय चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय रीवा के उन्नयन और जिला चिकित्सालय मऊगंज के निर्माण कार्यों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

स्वास्थ्य सेवाओं का होगा सुदृढ़ीकरण

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में निजी सहभागिता से शासकीय जय प्रकाश जिला चिकित्सालय में 30 बिस्तरीय कैथ-लैब सह कार्डियक सुपरस्पेशियलिटी इकाई का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। जिसे भविष्य में 50 बिस्तरों तक विस्तारित किया जा सकेगा। चयनित सेवा प्रदाता को कैथ लैब स्थापित करने के लिए चिकित्सालय प्रांगण में रेंट-फ्री स्पेस प्रदान किया जाएगा। सेवा प्रदाता द्वारा सभी आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षित मानव संसाधन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

कैथ-लैब सह कार्डियक सुपर-स्पेशियलिटी सेंटर में बीपीएल और आयुष्मान कार्डधारियों को नि:शुल्क सेवा दिया जाना प्रस्तावित है। आयुष्मान भारत योजना के तहत निर्धारित दरों में दी जाने वाली सेवाओं से संस्थान को स्थायी राजस्व का सृजन होगा। कैथ-लैब के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं की दरें, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्डियोलॉजी और कार्डियोवेस्कुलर एवं थोरासिक सर्जरी के आधार पर तय की जायेंगी।

बहोरीबंद में उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना के कार्यों का हुआ शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को संबोधित किया

कटनी, भगवान श्रीराम अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान बहोरीबंद की पावन भूमि से होकर चित्रकूट गए थे। यह श्रीराम की तपोस्थली है। इस क्षेत्र की जनता को पिछले 40 वर्षों से जिस योजना का इंतजार था, वह आज पूरी होने जा रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी जिले के बहोरीबंद में 1011.05 करोड़ रुपये की लागत की बहोरीबंद उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहोरीबंद परियोजना से कटनी जिले की 4 तहसीलों के 151 गांव की 32 हजार हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। इससे हर खेत के लिए जल की हर बूंद का कृषक स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि पद्धति से उपयोग कर सकेंगे। नहर बनाने के लिए जमीन का प्रयोग नहीं किया जाएगा सीधे ही पानी खेत के लिए उपलब्ध हो सकेगा। परियोजना से कटनी के नागरिकों को पेयजल आपूर्ति के प्रयास भी किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहोरीबंद सिंचाई परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'ड्रॉप मोर क्रॉप' अर्थात पानी की बूंद-बूंद का उपयोग कर अधिकतम उत्पादन लेने के किये गए आह्वान पर क्रियान्वित होगी। इसमें भूमि बचाव एवं जल बचाव के उद्देश्य के साथ खेतों में पानी पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज बहोरीबंद की जनता होली और दिवाली एक साथ मना रही है। बारिश में भी कटनी के लोगों में असीम उत्साह देखकर हृदय प्रफुल्लित हो गया है।

हितग्राहियों को हितलाभ वितरण

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। उन्होंने श्रीमद्भागवत गीता का संस्कृत से हिंदी अनुवाद करने वाली बालिका सुश्री श्रद्धांजलि शुक्ला 'अंजन' को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में बहोरीबंद की जनता की ओर से रजत मुकुट भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आजीविका मिशन के महिला समूहों, ई-गवर्नेंस, कृषि, वन, महिला बाल विकास एवं उद्योग विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा अयोध्या की तर्ज पर चित्रकूट धाम को भव्य और दिव्य बनाया जाएगा।

देश-प्रदेश में जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम

खंडवा, देश में राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर जनजातीय वर्ग से श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के पदासीन होने के साथ ही जनजातीय वर्ग के हित और सम्मान में ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इस वर्ष बाबा महाकाल की सवारी में जनजातीय वर्ग के लोक कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया। केंद्रीय जनजातीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके स्वयं भी उज्जैन आकर प्रथम पूजा में शामिल हुए। इसके पूर्व तक मुख्यमंत्री अथवा अन्य विशिष्ट व्यक्ति को यह अवसर मिलता था। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले में आयोजित जनजातीय छात्र प्रोत्साहन और सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट, एम्स और क्लैट आदि के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन संभागों में आकांक्षा योजना के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। प्रदेश के 5 बड़े नगरों भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में योजना के अंतर्गत विद्यार्थी निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। आज प्रतीक स्वरूप विदेश में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पांच विद्यार्थियों को 2-2 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाएं

- प्रदेश के 89 विकासखण्डों में बनेंगे सौ-सौ सीटर आवासीय छात्रावास।
- छात्रावासों की मेस में आधुनिक रोटी मेकर मशीन की व्यवस्था होगी।
- हरसूद में बालिका खेल परिसर में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा।
- अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए उद्योगों की स्थापना पर रियायतें देंगे।
- नए कन्या परिसर भी प्रारंभ किए जाएंगे।

राष्ट्रहित में देह समर्पित करने से बेहतर सौभाग्य कुछ नहीं

पन्ना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिक्किम के पाक्योंग में शहीद हुए मध्यप्रदेश के कटनी जिले के ग्राम हरदुआ निवासी माँ भारती के वीर सपूत प्रदीप पटेल की पार्थिव देह को खजुराहो एयरपोर्ट पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद श्री पटेल को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए अंतिम विदाई दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति में राष्ट्रहित में अपनी देह समर्पित करने से बेहतर सौभाग्य कुछ नहीं होता। जन्म-मृत्यु के क्रम में शहीद होने वालों को विशेष सम्मान के साथ देखा जाता है।

फैक्ट फाइल

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 1 लाख 80 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

मध्यप्रदेश में डेढ़ लाख रोज़गार का सृजन

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व का सर्वोन्नत राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने विभिन्न दिशाओं में गुणात्मक कदम उठाये हैं। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव। इस पहल से एक तरफ जहां युवाओं को आत्मनिर्भर होने का अवसर मिल रहा है वहीं रोज़गार के नये अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यही नहीं यह पहल स्थानीय उत्पाद को वैश्विक पहचान दिलाने में सफल होती दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में भारत को पुनः सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाने का संकल्प लिया है। इसके लिये उन्होंने लोकल फॉर वोकल का मंत्र दिया है। इस संकल्प की पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि 'हमें अपने स्थानीय उत्पाद और विशेषताओं पर गर्व है। हम इसे ग्लोबल बनाने के दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश हजारों साल से ज्ञान-विज्ञान और शिल्पकला का एक महत्वपूर्ण केन्द्र रहा है। इसकी झलक प्रदेश के कृषि उत्पादों और लोक जीवन के शिल्प में मिलती है। प्रदेश सरकार ने अपनी इस पहचान को पुनः सम्मान दिलाने का संकल्प किया है। प्रयास है कि प्रदेश के क्षेत्रीय उत्पाद, शिल्प और कौशल को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिले। इसके लिये प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का अभियान चलाया जा रहा है।' इस श्रृंखला में अभी तक उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का सफलतम आयोजन हो चुका है। सागर और रीवा में भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जायेंगी।

उम्मीद है कि प्रदेश सरकार की इस पहल से स्थानीय क्षमता और स्थानीय मेधा को विश्व स्तर पर स्थान प्राप्त होगा।

एक लाख 80 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

प्रदेश में अभी तक उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा चुका है। इसके साथ ही मुम्बई, बेंगलुरु और कोयम्बटूर में हुए रोड शो के माध्यम से 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसमें लगभग डेढ़ लाख व्यक्तियों को रोज़गार के अवसर प्राप्त हुए हैं। अब तक मिले परिणामों से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव प्रदेश के आर्थिक विकास में मील के पत्थर सिद्ध होंगे।

इन क्षेत्रों में रहा अधिक फोकस

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, खनिज, इंजीनियरिंग, कपड़ा, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स, शहरी अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में विविध निवेश के अवसरों को प्रदान किया गया।

इसके अलावा निर्यात और घरेलू व्यापार को बढ़ावा देने के लिये समानांतर प्रयास किए गए।

भोपाल में होगी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

आगामी फरवरी 2025 में भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। समिट 7 और 8 फरवरी को भोपाल में होगी। यह समिट प्रदेश में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाते हुए विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगी और प्रदेश के विकास में अहम योगदान निभाएगी।

निवेशकों का आकर्षण बना प्रदेश

मध्यप्रदेश में खनिज-वन-जल और पर्यटन सम्पदा है। उद्योगों की स्थापना और निवेश के लिये प्रदेश पीपुल्स फ्रेंडली, डेवलपमेंट फ्रेंडली और एन्वायरमेंट फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। अन्य राज्यों से कनेक्टिविटी, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और एक्सप्रेस-वे प्रदेश के लिये सौगात है। उद्योगों के लिये पर्याप्त बिजली, लैंड बैंक की उपलब्धता और क्लीन-ग्रीन एनर्जी का भंडार निवेशकों को आकर्षित करता है।

इंटरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्यूनिटीज इन मध्यप्रदेश

कोयम्बटूर टैक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे औद्योगिक सेक्टर के लिए जाना जाता है। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 25 जुलाई, 2024 को कोयम्बटूर में रोड शो और निवेशकों तथा उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में तमिलनाडु के उद्योगपतियों को आमंत्रित करना था। इस सत्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा प्रदेश में निवेश के लिए 3500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए।

- हितेश शर्मा

लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं

चर्चा

मैक्सिको में

बनाई गई 636 किलो की सबसे बड़ी स्ट्रिंग चीज बॉल

मैक्सिको के रेयेस एटला में दुनिया की सबसे बड़ी स्ट्रिंग चीज बॉल बनाई गयी। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। इसका वजन 636 किलो है। इस स्ट्रिंग चीज बॉल बनाने के लिए करीब 10 हजार लीटर दूध का इस्तेमाल किया गया है। इसे ओक्साका राज्य सरकार और रेयेस एटला नगरपालिका ने मिलकर बनाया है।

अरुण मैनी

भारतवंशी ने बनाया आईफोन का सबसे बड़ा प्रतिरूप

भारतवंशी अरुण मैनी ने 2 मीटर लंबा आईफोन बनाकर दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन प्रतिरूप का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया है। आईफोन 15 प्रो मैक्स के इस प्रतिरूप पर स्क्रीन को स्क्रॉल कर सकते हैं। इससे ई-मेल और मैसेज भी भेज सकते हैं। इसका कैमरा, फ्लैश लाइट, चार्जिंग पोर्ट भी काम करते हैं।

अब्दुल हकीम आवल

24 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर बनाया रिकॉर्ड

घाना के 23 वर्षीय पत्रकार अब्दुल हकीम आवल ने सबसे लंबे समय तक पेड़ को गले लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। कुमासी के एक सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित ट्री-हग-ए-थॉन में उन्होंने 24 घंटे 21 मिनट तक पेड़ को गले लगाया। इससे पहले पेड़ को गले लगाने का रिकॉर्ड 16 घंटे का था, जो इसी साल युगांडा की पर्यावरण कार्यकर्ता फेथ पेट्रीसिया एरिओकोट ने बनाया था। अब्दुल ने यह रिकॉर्ड घाना में प्रकृति संरक्षण के महत्व को उजागर करने के लिए बनाया। इस दौरान उन्होंने 1461 मिनट तक पेड़ को गले लगाया। हर एक मिनट के समय को सेलिब्रेट करने के लिए अब वे 1461 पेड़ लगाने वाले हैं। इस विश्व रिकॉर्ड का मकसद लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरुक करना है।

गुयेन थी नोक फुओंग

वियतनाम की डॉक्टर को मिला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

वियतनाम युद्ध में अमरीका की ओर से इस्तेमाल किए रसायन 'एजेंट ऑरेंज' के पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद करने वाली वियतनामी चिकित्सक गुयेन थी नोक फुओंग को इस वर्ष का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार दिया जाएगा। मैग्सेसे पुरस्कार को एशिया का नोबेल पुरस्कार माना जाता है। पुरस्कार प्रदान करने वाली रेमन मैग्सेस फाउंडेशन संस्था के अनुसार वियतनामी चिकित्सक गुयेन ने एजेंट ऑरेंज के विनाशकारी और दीर्घकालिक प्रभावों पर व्यापक शोध किया है। मैग्सेसे फाउंडेशन ने कहा कि गुयेन का काम दुनिया के लिए गंभीर संदेश प्रदान करता है।

क्रोएशिया में

भूकंप से खिसक गई 15 इंच जमीन

वर्ष 2020 में क्रोएशिया के शहर पेट्रिंजा के निकट आए 6.4 तीव्रता के भूकंप से करीब 15 इंच जमीन खिसक गई थी। हाल ही में क्रोएशिया और हंगरी के शोधकर्ताओं के विश्लेषण में यह बात सामने आई है। पेट्रिंजा भूकंप के कारण होने वाले भू-विस्थापन का पता पहले भी लगाया गया था। इस बार भूगणितीय डेटा के इस्तेमाल से मैपिंग की गई है। परिणामों में सामने आया कि भूकंप के केंद्र से क्षैतिज विस्थापन की तीव्रता कुछ स्थानों पर 40 सेंटीमीटर (15.7 इंच) थी, जबकि उर्ध्वाधर दिशा में यह अधिकतम 20 सेंटीमीटर (7.9 इंच) थी।

चिदिम्मा एडेतिशना

दक्षिण अफ्रीका की ब्यूटी क्वीन बनीं मिस यूनिवर्स नाइजीरिया

मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज 23 साल की चिदिम्मा एडेतिशना को पहनाया गया है जो कानून की छात्रा हैं। राष्ट्रीयता को लेकर आलोचना और विवाद के बाद उन्होंने मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका के सोवतो में वह पैदा हुई। उनके पिता एक नाइजीरियाई और मां मोजाम्बिक की हैं। एडेतिशना शुरू में मिस साउथ अफ्रीका में फाइनलिस्ट थीं। लेकिन, उनकी भागीदारी की आलोचनाएं होने लगीं। आलोचकों ने उनकी मिश्रित विरासत के कारण उनकी योग्यता पर सवाल उठाए। अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आखिर में एडेतिशना ने प्रतियोगिता से बाहर होने का फैसला किया। प्रतियोगिता से हटने की बात जानकर मिस यूनिवर्स नाइजीरिया के आयोजकों ने उन्हें अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। इससे उन्हें वैश्विक मंच पर अपने पिता की मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह

संभाला डीसीएएस का पद

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने पिछले सप्ताह उप वायुसेना प्रमुख (डीसीएएस) का पदभार संभाला। वायुसेना मुख्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। तेजिंदर सिंह को 13 जून, 1987 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में नियुक्त किया गया था। वह एक अनुभवी लड़ाकू पायलट हैं जिन्हें कई विमानों को 4500 घंटों से अधिक समय तक उड़ाने का अनुभव है। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने अपने लंबे कॅरियर में ग्रुप-A फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के रूप में कई महत्वपूर्ण कमांड और स्टॉफ की नियुक्तियां की हैं।

डाइसुके होरी

हर दिन लेते हैं सिर्फ आधे घंटे की नींद

इंसान दशकों से उम्र बढ़ने को टालने की कोशिश में प्रयोग करता रहा है। ऐसे में जापान का रहने वाला शख्स 12 साल से हर दिन सिर्फ 30 मिनट की नींद ले रहा है। पश्चिमी जापान के ह्योगो प्रान्त के डाइसुके होरी ने कहा कि इससे उनकी कार्यक्षमता में सुधार हुआ है। 40 वर्षीय होरी ने कहा कि अपने दिमाग और शरीर को कम नींद के साथ काम करने के लिए प्रशिक्षित किया है। लिहाजा, वह कभी थकान महसूस नहीं करते हैं। होरी व्यवसायी हैं और हर हफ्ते 16 घंटे जिम में बिताते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 12 साल पहले कम सोने की आदत डालनी शुरू की थी। वे अब तक दो हजार से अधिक छात्रों को कम समय के लिए सोकर भी स्वस्थ रहने का गुर सिखा चुके हैं। उन्हें पेंटिंग, खेलना और घुड़सवारी का शौक है। वह खाने से एक घंटे पहले कॉफी पीते हैं, ताकि नींद से बच सकें।

टाइटैनिक

जहाज के अगले हिस्से की रैलिंग टूटकर गिरी

रोबोटिक पनडुब्बियों द्वारा ली गई तस्वीरों से पता चला है कि टाइटैनिक जहाज का 4.5 मीटर आगे का हिस्सा अब जंग से गिर गया है। 15 अप्रैल, 1912 की सुबह टाइटैनिक उत्तरी अटलांटिक की लहरों में डूब गया था, जिससे 1500 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि जहाज का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी आरएमएस टाइटैनिक इंक के पास ही जहाज पर मौजूद समान को बरामद कर सुरक्षित रखने का अधिकार है।

पी-8आई विमान ने

वरुण अभ्यास में लिया हिस्सा

भारतीय नौसेना से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान फ्रांसीसी नौसेना के साथ 'वरुण' अभ्यास में भाग लेने के लिए फ्रांस पहुंचा। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2024 में भूमध्य सागर में दो से चार सितंबर 2024 तक हुए भारत-फ्रांस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'वरुण' में दोनों नौसेनाओं के बीच गहन तालमेल और अंतर-संचालन को रेखांकित करते हुए उन्नत सामरिक अभ्यास किए गए।

श्रेयोवी मेहता

बीबीसी वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी कॉन्टेस्ट में रनरअप रहीं

फरीदाबाद की 9 वर्षीय श्रेयोवी मेहता ने अपनी एक तस्वीर के लिए बीबीसी वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर कॉन्टेस्ट के 10 वर्ष और उससे कम आयु वर्ग में रनरअप का खिताब जीता है। श्रेयोवी ने राजस्थान के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में मॉर्निंग वॉक के दौरान 2 मोरों को कैम्चर किया था। श्रेयोवी की तस्वीर 117 देशों और क्षेत्रों के सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा ली गई लगभग 60,000 तस्वीरों में से एक थी।

एआई

फर्जी शोध को पहचान लेगा

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ने एक ऐसा टूल विकसित किया है जो फर्जी शोध की पहचान कर लेगा। इस टूल को एक्सफेक एससीआई नाम दिया गया है। यह चैटजीपीटी द्वारा तैयार शोधपत्र और वैज्ञानिकों के असली शोधपत्र के बीच अंतर बता देता है। यह टूल फर्जी और असली शोधपत्रों के एक सेट में 9 प्रतिशत तक फर्जी शोधपत्रों का पता लगाने में सफल रहा। इसके बारे में जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स से पता चला है।

गोल्ड बाइक

अब साइकिल भी 24 कैरेट गोल्ड की बनी

डेनमार्क की लग्जरी कंपनी ऑरुमेनिया की गोल्ड बाइक क्रिस्टल एडिशन 24 कैरेट सोने से मढ़ी हुई है। इसमें 600 से ज्यादा स्वारोवस्की क्रिस्टल भी लगे हैं। सीट और बैज नंबर प्रीमियम क्वालिटी के लेदर ब्रुक्स से तैयार किए गए हैं। इसकी कीमत करीब 96 लाख रुपये है। इस हिसाब से यह दुनिया की सबसे महंगी साइकिलों में से एक है। कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से ऐसी सिर्फ 10 साइकिलें निर्माता द्वारा तैयार की गई हैं।

सतीश कुमार

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष बने

भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी सतीश कुमार को रेलवे बोर्ड का अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड के इतिहास में वह अनुसूचित जाति से आने वाले पहले अध्यक्ष और सीईओ हैं। बोर्ड की वर्तमान अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गई हैं और कुमार की नियुक्ति एक सितंबर से प्रभावी हो गयी है।

तेगबीर सिंह

पांच साल के बालक ने फतह की माउंट किलिमंजारो

पंजाब के रोपड़ निवासी 5 वर्षीय तेगबीर सिंह अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो को फतह करने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बने। तेगबीर 6 दिन में 5895 मीटर चढ़ाई पूरी कर 23 अगस्त को सबसे ऊंची चोटी उहुरू पर पहुंचे। तेगबीर ने 5 साल की उम्र में किलिमंजारो पर चढ़ने के सर्बियाई बालक के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

विल पुकोवस्की

क्रिकेट से लिया संन्यास

विल पुकोवस्की ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जिस तरह शानदार आगाज किया था, उन्हें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा था, लेकिन लगातार सिर में चोट और कनकशन (सिर में चोट के कारण अचेत होना) की घटनाओं के बाद 26 वर्ष की उम्र में क्रिकेट को अलविदा कह दिया। चिकित्सा विशेषज्ञों की पैनल के सुझाव के बाद उन्होंने यह फैसला लिया।

स्मृति शेष

अमेरिका में रैपर फैटमैन स्कूप का लाइव इवेंट के समय निधन

अमेरिकी रैपर फैटमैन स्कूप का 53 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। फैटमैन लाइव इवेंट में स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे तभी अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें मृत घोषित किया गया। उनकी बुकिंग एजेंसी ने कहा कि फैटमैन संगीत जगत में एक लोकप्रिय शख्स थे, जिनके काम को दुनियाभर में अनगिनत फैन्स ने पसंद किया।

ऑडी कार के इटली प्रमुख फैब्रिजियो लोंगो का निधन

इटली में लग्जरी कार ब्रांड ऑडी के प्रमुख फैब्रिजियो लोंगो की मौत हो गई है। फैब्रिजियो लोंगो की पहाड़ पर चढ़ाई के दौरान पहाड़ी से गिरने के चलते दर्दनाक मौत हो गई। 62 वर्षीय फैब्रिजियो लोंगो ऑडी एग्जीक्यूटिव होने के साथ ही पर्वतारोही भी थे। आखिरकार उनका यही शौक उनकी मौत का कारण बन गया। फैब्रिजियो लोंगो इटली में ऑडी के संचालन के प्रमुख थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

दक्षिण रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ
चेन्नई– 600008
www.rrcmas.in

रोजगार सूचना संख्या. आरआरसी–01/खेल/2024–25 **दिनांक : 07.09/2024**

वर्ष 2024–25 के लिए खेल कोटा (खुली भर्ती) के अंतर्गत खिलाड़ियों की नियुक्तियों के लिए अधिसूचना।

दक्षिण रेलवे में खेल कोटा वर्ष 2024–25 के लिए खुली भर्ती योजना के तहत पात्र खिलाड़ियों से, जो भारत नागरिक हैं, सातवें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स लेवल–1 से पे मैट्रिक्स लेवल–5 तक के पदों पर भर्तियां करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

महत्वपूर्ण

ऑनलाइन आवेदन किए जाने की आरंभ तिथि और समय	**07.09.2024 प्रातः 09.00 बजे**
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि और समय	**06.10.2024 23.59 बजे**

1.1 कृपया इस अधिसूचना में सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने से पहले सुनिश्चित करें कि आप आवेदन करने के लिए पात्र हैं। ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए विस्तृत निर्देश **www.rrcmas.in** पर उपलब्ध हैं।

1.2 उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित अपडेट के लिए समय–समय वेबसाइट को देखते रहें। उम्मीदवारों को उनके हित में यह भी सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से काफी पहले ही ऑनलाइन आवेदन जमा कर दें ताकि सर्वर पर भारी लोड के कारण आवेदन जमा करने में किसी भी विफलता की संभावना से बचा जा सके।

1.3 यदि उम्मीदवारों के पास वैध व्यक्तिगत ई–मेल आईडी नहीं है, तो वह ऑनलाइन आवेदन करने से पहले अपनी ई–मेल आईडी अवश्य बना लें। आवेदक का यही ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर भर्ती प्रक्रिया के अंत तक अनिवार्य रूप से सक्रिय रहना चाहिए। उम्मीदवारों को अपना मोबाइल नंबर और ई–मेल आईडी तब तक नहीं बदलना चाहिए, जब तक चयन प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। आवेदक तक किसी भी तरह की सूचना या संदेश न पहुंचने पर प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा। अगर चयन प्रक्रिया के दौरान ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर बदले जाते हैं तो किसी भी परिस्थिति में आवेदक के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

क) लेवल–4/5 के पदों पर भर्ती हेतु

लेवल–4/5		
खेल का नाम	**इवेंट/पॉजिशन/ श्रेणी**	**पदों की संख्या**
एथलेटिक्स (पुरुष)	400 मीटर/800 मीटर/110 मीटर बाधा दौड़/400 मीटर बाधा दौड़	1
एथलेटिक्स (महिला)	400 मीटर/800 मीटर/100 मीटर बाधा दौड़/ ट्रिपल जंप	1
बॉडी बिल्डिंग (पुरुष)	75 किग्रा/80 किग्रा	1
शतरंज (पुरुष)	ग्रैंड मास्टर	1
भारोत्तोलन (पुरुष)	81 किग्रा/96 किग्रा	1
कुल		**5**

नोट: यदि उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण लेवल 4/5 में विशेष खेल श्रेणी की रिक्तियां नहीं भरी जाती हैं, तो ऐसी रिक्तियां लेवल 2/3 से उसी खेल श्रेणी के जरिए भरी जाएंगी।

लेवल–2/3 के पदों पर भर्ती हेतु

लेवल–2/3		
खेल का नाम	**इवेंट/पॉजिशन/ श्रेणी**	**पदों की संख्या**
बास्केटबॉल (महिला)	सेंटर–1	1
बॉडी बिल्डिंग (पुरुष)	60 किग्रा/70 किग्रा –1	1
बॉक्सिंग (पुरुष)	48 किग्रा/60 किग्रा/75 किग्रा/80 किग्रा/ +92 किग्रा	2
क्रिकेट (पुरुष)	ऑफ स्पिनर–1, बैटिंग ऑल राउंडर–1	2
क्रिकेट (महिला)	मीडियम पेस ऑल राउंडर –1	1
फुटबॉल (पुरुष)	फॉरवर्ड–1	1
तैराकी (पुरुष)	100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर फ्री स्टाइल	1
टेबल टेनिस (महिला)	एकल/युगल	1
वॉलीबॉल (पुरुष)	ब्लॉकर–2, सेटर–1	3
वॉलीबॉल (महिला)	ब्लॉकर–1, अटैकर–1, यूनिवर्सल–1	3
कुल		**16**

ख) लेवल–1 के पदों पर भर्ती हेतु

लेवल–1		
खेल का नाम	**इवेंट/पॉजिशन/ श्रेणी**	**पदों की संख्या**
एथलेटिक्स (पुरुष)	100 मीटर/ 200 मीटर/ 400 मीटर/ 800 मीटर/ 110 मीटर बाधा दौड़/ 400 मीटर बाधा दौड़/ ऊंची कूद	3
एथलेटिक्स (महिला)	100 मीटर/ 200 मीटर/ 400 मीटर/ 100 मीटर बाधा दौड़	2
बॉल बैडमिंटन (पुरुष)	फ्रंट–1, बैक–1	2
बास्केटबॉल (पुरुष)	पिवोट–3, ऑल राउंडर–1	4
बास्केटबॉल (महिला)	फॉरवर्ड–1, बॉल हैंडलर–1	2
बॉडी बिल्डिंग (पुरुष)	65 किग्रा/85 किग्रा/90 किग्रा/+100 किग्रा	2
बॉक्सिंग (पुरुष)	51 किग्रा/54 किग्रा/57 किग्रा/63.5 किग्रा/ 71 किग्रा/92 किग्रा	4
बॉक्सिंग (महिला)	54 किग्रा/ 60 किग्रा/ 63 किग्रा/ 70 किग्रा/ 81 किग्रा	2
क्रिकेट (पुरुष)	मीडियम पेस बॉलर–2, विकेट कीपर –1, लेग स्पिनर –1	4
क्रिकेट (महिला)	विकेट कीपर शीर्ष क्रम बल्लेबाज–1	1
फुटबॉल (पुरुष)	गोल कीपर–1, मिडफील्डर–2, डिफेंडर–1	4
हॉकी (पुरुष)	फॉरवर्ड–2, हाफ बैक–1, फुल बैक–1	4
पावरलिफ्टिंग (पुरुष)	66 किग्रा, 74 किग्रा, 83 किग्रा, +120 किग्रा	2
तैराकी (पुरुष)	फ्री स्टाइल : 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर –1 बटरफ्लाई : 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर–1 बैक स्ट्रोक : 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर –1	3
टेबल टेनिस (महिला)	एकल/युगल	1
भारोत्तोलन (पुरुष)	55 किग्रा/61 किग्रा/89 किग्रा	2
भारोत्तोलन (महिला)	45 किग्रा/71 किग्रा/76 किग्रा	1
वाटर पोलो (पुरुष)	ऑल राउंडर–2, सेंटर फॉरवर्ड–1	3
कुल		**46**

नोट :

(i) कोई भी पद किसी भी वर्ग जैसे ओबीसी, एससी और एसटी आदि के लिए विशेष रूप से आरक्षित नहीं है।

(ii) उम्मीदवारों के आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से जमा होने चाहिए।

(iii) अधिक से अधिक एक खेल/इवेंट के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक श्रेणी/खेल या इवेंट के लिए आवश्यक सभी दस्तावेजों के साथ अलग–अलग शुल्क देना होगा।

(iv) विभिन्न पे लेवल और उनमें दी गई खेल श्रेणियों/विशेषता के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक पे लेवल के पदों के लिए आवश्यक सभी दस्तावेजों के साथ अलग–अलग शुल्क चुकाना होगा।

(v) यदि किसी खेल/इवेंट में किसी विशिष्ट पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होते हैं (जहां भी लागू हो), तो उस पद को खेल/इवेंट के अन्य पदों में पाए गए उपयुक्त उम्मीदवारों से नहीं भरा जाएगा।

ग) **ट्रायल की तारीख :** उपरोक्त पदों के लिए भर्ती के ट्रायल की तारीख, स्थान और समय की जानकारी रेलवे रिक्रूटमेंट सेल, चेन्नई, दक्षिणी रेलवे की वेबसाइट **www.rrcmas.in** पर प्रदर्शित की जाएगी।

2. पात्रता शर्तें:

क) आयु सीमा: उम्मीदवारों की आयु 01-01-2025 को 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। निम्नलिखित शर्तें लागू :

i)	जन्मतिथि 02-01-2000 और 01-01-2007 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होनी चाहिए।
ii)	ऊपरी या निचली आयु सीमा में कोई छूट मान्य नहीं होगी।
iii)	आयु की गणना की तिथि 1 जनवरी 2025 होगी।

नोट 1: उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि, आवेदन के साथ प्रस्तुत की गई 10वीं कक्षा/ मैट्रिकुलेशन/ माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या 12वीं कक्षा/एचएससी या उसके समकक्ष में दर्ज जन्मतिथि ही स्वीकार की जाएगी।

नोट 2: उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि, एक बार दावा की गई जन्मतिथि और प्रशासन के रिकॉर्ड में दर्ज होने के बाद, किसी भी स्थिति में इसमें बाद में कोई परिवर्तन अनुमत नहीं होगा।

3.0 पद और शैक्षिणक योग्यता

3.1 वेतन अनुसार पदों का वितरण और विवरण :

पद विवरण	
7वां सीपीसी पे- मैट्रिक्स लेवल	**पदों की संख्या**
लेवल–4 और 5	5
लेवल–2 और 3	16
लेवल–1	46
कुल	**67**

वेतन विवरण	
7वां सीपीसी पे- मैट्रिक्स लेवल	**प्रारंभिक वेतन (रुपये में)**
लेवल– 1	Rs. 18,000/-
लेवल– 2	Rs. 19,900/-
लेवल– 3	Rs. 21,700/-
लेवल– 4	Rs. 25,500/-
लेवल– 5	Rs. 29,200/-

3.2 खिलाड़ियों के पास उस पद के लिए लागू न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए, जिस पर उन्हें नियुक्त किया जाना है। इसका विवरण निम्नलिखित है:

*रेलवे में भर्ती के लिए आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:

(i) 7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के लेवल–1 पदों के लिए : 10वीं पास या आईटीआई या समकक्ष या एनएसी (एनसीवीटी द्वारा अनुमोदित)

(ii) 7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के लेवल 2/3 पदों के लिए : 12वीं (+2 स्टेज) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण। या तकनीकी श्रेणियों के लिए मैट्रिकुलेशन के साथ एक्ट अप्रेंटिसशिप उत्तीर्ण या तकनीकी श्रेणियों के लिए मैट्रिकुलेशन होने के साथ आईटीआई उत्तीर्ण (एनसीवीटी/एससीवीटी द्वारा अनुमोदित)

(iii) 7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के लेवल 4/5 पदों के लिए : स्नातक

नोट :- रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या ई(एनजी)–खख/2007/आरआर–1/38 (3000863) दिनांक 31.08.2017 (आरबीई सं.114/2017) के अनुसार, विद्यालयी शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई) द्वारा स्थापित शैक्षणिक बोर्ड/स्कूल मान्यता प्राप्त नहीं हैं।

रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या ई(एनजी)खख/2021/आरआर–1/41 दिनांक 29.09.2021 के अनुसार, झारखंड राज्य ओपन स्कूल, रांची द्वारा जारी प्रमाणपत्र/डिग्रियां रेलवे में रोजगार/प्रमोशन के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त नहीं हैं।

यदि किसी आवेदक को क्लर्क–सह–टाइपिस्ट की श्रेणी में नियुक्त किया जाता है, तो उन्हें 30 शब्द प्रति मिनट अंग्रेजी में या हिंदी में 25 शब्द प्रति मिनट की टाइपिंग दक्षता नियुक्ति की तारीख से चार साल की अवधि के भीतर प्राप्त करनी होगी और उस समय तक इस श्रेणी में उनकी नियुक्तियां अनंतिम होंगी।

3.3 चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति के समय वेतन मैट्रिक्स में विशिष्ट स्तर और पोस्टिंग का स्थान दक्षिण रेलवे प्रशासन द्वारा निम्नलिखित आधारों पर तय किया जाएगा:
(क) पदों की उपलब्धता
(ख) शैक्षणिक योग्यता
(ग) खेल उपलब्धियां
(घ) भर्ती प्रक्रिया में हासिल न्यूनतम अर्हता अंक

3.4 जो उम्मीदवार अंतिम परीक्षा देने जा रहे हैं या अंतिम परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे आवेदन करने के लिए योग्य नहीं हैं।

3.5 न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में कोई छूट अनुमेय नहीं होगी।

4. खेल उपलब्धियों की गणना की अवधि:

इस अधिसूचना के तहत भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त खेल उपलब्धियां वर्तमान और/या पिछले दो वित्तीय वर्षों की होनी चाहिए और खिलाड़ी को सक्रिय होना चाहिए। यानी, जिन खेल उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा, वे 01-04-2022 के बाद की होनी चाहिए। खेल उपलब्धियों की वैधता के लिए, चैंपियनशिप की समाप्ति तिथि को ध्यान में रखा जाएगा। आगे की खेल उपलब्धियां ट्रायल्स के दौरान प्रदर्शन के अनुसार आंकी जाएंगी।

5. खेल मानदंड जो पूरे किए जाने चाहिए :

5.1 **अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप का वर्गीकरण:** भर्ती के उद्देश्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप/इवेंट्स को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

श्रेणी - ख	विश्व कप (जूनियर / यूथ/सीनियर श्रेणी) विश्व चैंपियनशिप (जूनियर/ सीनियर श्रेणी) एशियाई खेल (सीनियर श्रेणी) राष्ट्रमंडल खेल (सीनियर श्रेणी) यूथ ओलिंपिक चैंपियंस ट्रॉफी (हॉकी)
श्रेणी - ग	कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप (जूनियर/सीनियर श्रेणी) एशियन चैंपियनशिप/एशिया कप (जूनियर/सीनियर श्रेणी) साउथ एशियन फेडरेशन (एसएएफ) खेल (सीनियर श्रेणी) यूएसआईसी (वर्ल्ड रेलवे) चैंपियनशिप (सीनियर श्रेणी) विश्व विश्वविद्यालय खेल

5.2 खेल व्यक्तियों की भर्ती के लिए न्यूनतम मानदंड:
7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के लेवल-1 से लेवल-5 तक खिलाड़ियों की भर्ती के लिए न्यूनतम खेल मानदंड निम्नलिखित होंगे, चाहे वे व्यक्तिगत खेल हों या टीम खेल:
(**नोट** : इन प्रावधानों को इस पैराग्राफ के नीचे दिए गए नोट्स के साथ पढ़ा जाना चाहिए।)

क्र. सं.	**सातवां वेतन आयोग पे मैट्रिक्स के अनुसार लेवल**	**भर्ती के लिए न्यूनतम खेल मानदंड**
1	लेवल-4 या 5	विश्व कप (जूनियर/यूथ/सीनियर) या विश्व चैंपियनशिप (जूनियर/ सीनियर) या एशियाई खेलों (सीनियर) या राष्ट्रमंडल खेलों (सीनियर) या यूथ ओलंपिक या चैंपियंस ट्रॉफी (हॉकी) में कम से कम तीसरा स्थान (श्रेणी - ख)
2	लेवल-2 या 3	विश्व कप (जूनियर/यूथ/सीनियर श्रेणी)/ विश्व चैंपियनशिप (जूनियर/ सीनियर श्रेणी)/ एशियाई खेलों (सीनियर श्रेणी)/ राष्ट्रमंडल खेलों (सीनियर श्रेणी)/ यूथ ओलंपिक/ चैंपियंस ट्रॉफी (हॉकी) में देश का प्रतिनिधित्व किया हो। (श्रेणी - ख) (या) राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (जूनियर / सीनियर)/ एशियाई चैंपियनशिप / एशिया कप (जूनियर / सीनियर)/ दक्षिण एशियाई फेडरेशन गेम्स (सीनियर)/ यूएसआईसी (विश्व रेलवे) चैंपियनशिप (सीनियर)/ विश्व-विश्वविद्यालय खेलों में कम से कम तीसरा स्थान। (श्रेणी -ग) (या) सीनियर / यूथ / जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कम से कम तीसरा स्थान (या) भारतीय ओलंपिक संघ के तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में कम से कम तीसरा स्थान (या) एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वाधान में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में कम से कम तीसरा स्थान (या) फेडरेशन कप चैंपियनशिप (सीनियर श्रेणी) में प्रथम स्थान
3	लेवल-1	श्रेणी -ग चैंपियनशिप / इवेंट में से किसी में देश का प्रतिनिधित्व किया हो (या) फेडरेशन कप चैंपियनशिप (सीनियर वर्ग) में कम से कम तीसरा स्थान (या) सीनियर नेशनल चैंपियनशिप (मैराथन और क्रॉस कंट्री को छोड़कर) में राज्य या समकक्ष इकाई का प्रतिनिधित्व करते हुए कम से कम 8वां स्थान इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित खेल मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवार भी आवेदन करने के योग्य हैं: यूथ/जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कम से कम तीसरा स्थान (या) भारतीय ओलंपिक संघ के तत्वाधान में राष्ट्रीय खेलों में कम से कम तीसरा स्थान (या) एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वाधान में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में कम से कम तीसरा स्थान

नोट :- उम्मीदवार, जो उच्च वेतन स्तर के लिए न्यूनतम खेल मानदंड को पूरा करते हैं, वे निम्न वेतन स्तर के लिए भी आवेदन करने के योग्य होंगे। हालांकि, ऐसे उम्मीदवार केवल उन्हीं वेतन स्तर के लिए भर्ती के लिए विचार किए जाएंगे, जिनके लिए उन्होंने आवेदन किया है। उन्हें शपथपत्र देना होगा कि वह रेलवे में शामिल होने के बाद अपने पूर्व खेल उपलब्धियों के आधार पर उच्च वेतन स्तर का कोई भी दावा नहीं करेंगे।

उदाहरण के लिए : जो खिलाड़ी पे-लेवल 3/2 के खेल मानदंड पूरे करते हैं, वे लेवल-1 की रिक्तियों के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। ऐसे आवेदकों को केवल लेवल-1 के लिए ही विचार में लिया जाएगा और उन्हें एक शपथपत्र देना होगा कि रेलवे में शामिल होने के बाद वे पूर्व खेल उपलब्धियों के आधार पर उच्च वेतन स्तर का कोई दावा नहीं करेंगे।

5.3 विशिष्ट खेल श्रेणी के लिए अतिरिक्त स्वीकार्य खेल उपलब्धियां पात्रता मानदंड:

(क) एथलेटिक्स में नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले प्रदर्शन पर भी वेतन स्तर - 2 वाले पदों पर भर्ती के लिए विचार किया जा सकता है।

(ख) शतरंज श्रेणी में लेवल-4/5 के पदों की भर्ती में निम्नलिखित खेल उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा।

पे-लेवल	**भर्ती के लिए न्यूनतम खेलकूद मानदंड**
लेवल-4/5	शतरंज में ग्रैंड मास्टर का खिताब
लेवल-2/3	शतरंज में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब या इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (एफआईडीई) की पिछली दो लगातार रेटिंग सूचियों में 2350 या अधिक रेटिंग अंक

*ग्रैंड मास्टर या इंटरनेशनल मास्टर का खिताब केवल ओपन श्रेणी में मान्य होगा, विशेष श्रेणियों जैसे डब्ल्यूजीएम (वूमन ग्रैंड मास्टर) इत्यादि में नहीं।
भर्ती के वर्ष में प्राप्त उच्चतम एफआईडीई रैंकिंग को भी विचार में लिया जा सकता है।
राष्ट्रीय ओपन शतरंज चैंपियनशिप को राष्ट्रीय चैंपियनशिप के रूप में माना जाएगा। राष्ट्रीय टीम शतरंज चैंपियनशिप (सीनियर वर्ग) में पदक जीतने वाला प्रदर्शन होने पर पे-बैंड 5200-20,200 (लेवल-2) के तहत ग्रेड पे 1900/- के पदों पर भी भर्ती में विचार किया जाएगा।

(ग) खिलाड़ियों को निम्नलिखित मानदंड के अनुसार उनकी वर्तमान वार्षिक ऑल इंडिया रैंकिंग के आधार पर विभिन्न पे-लेवल पर भर्ती के लिए विचार किया जा सकता है।

पे-लेवल	**भर्ती के लिए न्यूनतम खेलकूद मानदंड**		
	आयु श्रेणी	इवेंट	मौजूदा वार्षिक ऑल इंडिया रैंकिंग
लेवल-2/3	सीनियर्स	सिंगल्स	20वें स्थान तक
		डबल्स	चौथे स्थान तक
	यूथ	सिंगल्स	छठे स्थान तक
	जूनियर्स	सिंगल्स	छठे स्थान तक
लेवल-1	सीनियर्स	सिंगल्स	30वें स्थान तक
		डबल्स	छठे स्थान तक

नोट :- इस प्रयोजन के लिए केवल मौजूदा वार्षिक ऑल इंडिया रैंकिंग के बारे में विचार किया जायेगा। भर्ती के उद्देश्य के लिए उच्चतम रैंकिंग को एक वर्ष के लिए वैध माना जा सकता है। मिक्स्ड डबल्स की रैंकिंग पर विचार नहीं किया जाएगा।

(घ) क्रिकेट (पुरुष और महिला) में बीसीसीआई के तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित निम्नलिखित खेल उपलब्धियों पर भर्ती के लिए विचार किया जा सकता है

पे-लेवल	**न्यूनतम खेलकूद मानदंड**
लेवल-3/2	(i) ऑल इंडिया इंटर स्टेट ग्रुप चैंपियन (प्लेट ग्रुप को छोड़कर) के तहत सीनियर / अंडर-23 / अंडर-19 वर्ग में क्वार्टर फाइनलिस्ट (या) ii) ऑल इंडिया इंटर जोनल चैंपियन के तहत सीनियर/अंडर-23/अंडर-19 वर्ग में भागीदारी (या) iii) चैलेंजर ट्रॉफी के तहत सीनियर/अंडर-23/अंडर-19 वर्ग में भागीदारी
लेवल-1	ऑल इंडिया इंटर स्टेट ग्रुप चैंपियन (प्लेट ग्रुप को छोड़कर) के तहत सीनियर / अंडर-23 / अंडर-19 वर्ग में प्री क्वार्टर फाइनलिस्ट

(ङ) **बॉडी बिल्डिंग :** वर्तमान में बॉडी बिल्डिंग खेल के लिए कोई भी संघ राष्ट्रीय संघ के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है, इसलिए 31.12.2021 के बाद इंडियन बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन (आईबीबीएफ) या इससे संबद्ध ईकाइयों द्वारा आयोजित मुकाबलों के लिए जारी किए गए खेल उपलब्धियों के प्रमाणपत्र भर्ती के लिए मान्य नहीं होंगे। हालांकि, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और अंतरराष्ट्रीय संघों द्वारा बॉडी बिल्डिंग में मान्यता प्राप्त खेल उपलब्धियों के लिए जारी किए गए प्रमाणपत्र मान्य होंगे।

(च) वॉलीबॉल खेल में, 25.06.2020 के बाद वॉलीबॉल संघ या इससे संबद्ध ईकाइयों द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र भर्ती के लिए मान्य नहीं होंगे। हालांकि, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और अंतरराष्ट्रीय संघों के तहत जारी किए गए प्रमाणपत्रों पर विचार किया जाएगा।

(छ) पॉवर-लिफ्टिंग में 03.10.2017 के बाद भारतीय पावर लिफ्टिंग फेडरेशन या इसकी संबद्ध ईकाइयों द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र भर्ती के लिए मान्य नहीं होंगे। हालाँकि, पावर लिफ्टिंग के खेल में मान्यता प्राप्त खेल उपलब्धि के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों के संघों और अंतरराष्ट्रीय संघों द्वारा जारी प्रमाण पत्र स्वीकार्य होंगे।

(ज) हॉकी (पुरुष) में, ग्रेड पे 1900 या 2000 रुपये (लेवल-2 या 3) के पदों पर भर्ती के लिए चार या अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (सीनियर/जूनियर) में भाग लेने पर विचार किया जा सकता है। या सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में भाग लेने वालों पर भी विचार किया जाएगा।

(झ) उपरोक्त सभी चैंपियनशिप को मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय खेल संघों के तत्वाधान में आयोजित किया जाना चाहिए और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) द्वारा भी मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।

(ञ) जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेल उपलब्धियों के आधार पर खिलाड़ियों की भर्ती के लिए केवल निम्नलिखित आयु वर्ग पर विचार किया जाएगा।

क्र. सं.	**खेल का नाम**	**श्रेणी**	**मान्यता प्राप्त जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का विवरण**	
			आयु वर्ग	**चैंपियनशिप का नाम**
1	एथलेटिक्स	पुरुष और महिला	अंडर- 20	जूनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप
2	बॉल बैडमिंटन	पुरुष	अंडर- 20	जूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप
3	बास्केटबॉल	पुरुष और महिला	अंडर- 18	जूनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैम्पियनशिप

4	बॉडी बिल्डिंग	पुरुष	अंडर- 21	जूनियर राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप
5	बॉक्सिंग	पुरुष और महिला	अंडर- 17	जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैम्पियनशिप
6	शतरंज	पुरुष	अंडर- 19	जूनियर राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप
7	क्रिकेट	पुरुष	अंडर- 23	कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी (इंटर स्टेट चैंपियनशिप)
			अंडर- 19	कूच बिहार ट्रॉफी (इंटर स्टेट चैंपियनशिप)
			अंडर- 19	वीनू मांकड़ ट्रॉफी (वन डे लिमिटेड ओवर इंटर स्टेट चैंपियनशिप)
	क्रिकेट	महिला	अंडर- 19	इंटर स्टेट ऑल इंडिया नॉक आउट/इंटर स्टेट जोनल टूर्नामेंट (वन डे लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट)
			अंडर- 19	ऑल इंडिया इंटर जोनल टूर्नामेंट (वन डे लिमिटेड ओवर चैंपियनशिप)
8	फुटबॉल	पुरुष	अंडर- 19	बी.सी. रॉय ट्रॉफी के लिए जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप
9	हॉकी	पुरुष	अंडर- 21	जूनियर (अंडर-21) राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप
10	तैराकी	पुरुष	अंडर- 17 (ग्रुप-1)	जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप
11	टेबल टेनिस	महिला	अंडर- 19	जूनियर एंड यूथ राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप
12	वाटरपोलो	पुरुष	अंडर- 18	जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप
13	भारोत्तोलन	पुरुष और महिला	अंडर- 20	जूनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप

(ट उपरोक्त सभी चैंपियनशिप मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय / राज्य खेल महासंघों के तत्वावधान में आयोजित की गई हों और और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड द्वारा भी मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।

(ठ) चयनित किए गए उम्मीदवारों को 7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स के संबंधित लेवल में केवल न्यूनतम वेतन पर ही नियुक्त किया जाएगा।

6. **भर्ती प्रक्रिया :** योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रदर्शन के आधार पर की जाएगी, जिसमें खेल ट्रायल के दौरान प्रदर्शन, खेल उपलब्धियों का आंकलन और शैक्षणिक योग्यता शामिल हैं। केवल वे उम्मीदवार, जो ट्रायल में फिट पाए जाएंगे, उन्हें अगले चरण के लिए योग्य माना जाएगा।

7.(I) चयन प्रक्रिया:

i. इस भर्ती के लिए सभी पात्र उम्मीदवारों को ट्रायल के लिए बुलाया जाएगा। पात्र उम्मीदवारों के लिए ट्रायल आयोजित होंगे ताकि उनके खेल प्रदर्शन और उपयुक्तता का आंकलन किया जा सके।

ii. ट्रायल की तिथियां बाद में अधिसूचित की जाएंगी और आरआरसी चेन्नई की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी। उम्मीदवारों को समय से पहले सूचित करने के सभी प्रयास किए जाएंगे, लेकिन उन्हें सतर्क किया जाता है कि उन्हें अल्प अवधि की सूचना पर चयन ट्रायल में उपस्थित होना पड़ सकता है। उम्मीदवारों को इस संबंध में जानकारी के लिए नियमित रूप से आरआरसी की वेबसाइट चेक करने की सलाह दी जाती है।

iii. उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन और ट्रायल के दिन शैक्षिक योग्यता, वर्ग-जाति, खेल उपलब्धियों, जन्म तिथि, अल्पसंख्यक आय प्रमाणपत्र और पहचान प्रमाण जैसे-पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित सभी दस्तावेजों की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। यदि उम्मीदवार इसमें विफल रहता है तो उसे ट्रायल में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

iv. ट्रायल की तिथियों/स्थानों में परिवर्तन का कोई भी अनुरोध किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(II) अंकों का वितरण

(क) ट्रायल समिति नीचे दिए गए मानदंडों के अनुसार, अधिकतम 40 अंकों में से अंक देकर अगले चरण के लिए विचार के लिए फिट या फिट नहीं के संदर्भ में सिफारिशें देगी।

i)	परीक्षण के दौरान खेल कौशल, शारीरिक फिटनेस और कोच के अवलोकन के लिए	40 अंक
ii)	फिट उम्मीदवार	25 अंक या अधिक
iii)	फिट नहीं उम्मीदवार	25 अंक से कम

(ख) ट्रायल के बाद, केवल फिट घोषित किए गए उम्मीदवारों पर अगले चरण के लिए विचार किया जाएगा। जो उम्मीदवार ट्रायल में फिट घोषित नहीं किए जाएंगे, उनका मूल्यांकन भर्ती समिति द्वारा नहीं किया जाएगा।

(ग) चयन उम्मीदवारों द्वारा ट्रायल और अगले चरण के दौरान प्रदर्शन में प्राप्त कुल अंकों पर आधारित है। अधिकतम अंक इस प्रकार होंगे :

i)	परीक्षण के दौरान खेल कौशल, शारीरिक फिटनेस और कोच के अवलोकन के लिए	40 अंक
ii)	मानदंडों के अनुसार मान्यता प्राप्त खेल उपलब्धियों के लिए	50 अंक
iii)	शैक्षणिक योग्यता	10 अंक
	कुल अंक	**100 अंक**

(III) न्यूनतम अर्हक अंक:

पे लेवल- 4/5, लेवल- 2/3 और लेवल-1 में भर्ती के लिए न्यूनतम अर्हक अंक इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	लेवल	न्यूनतम अर्हक अंक
1.	लेवल-4/5 (ग्रेड पे-2400/2800)	70 अंक
2.	लेवल-2/3 (ग्रेड पे-1900/2000)	65 अंक
3.	लेवल-1 (ग्रेड पे-1800)	60 अंक

नोट :

(क) नियुक्ति का प्रस्ताव विशुद्ध रूप से मेरिट और रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर दिया जाएगा। यदि एक से अधिक खिलाड़ी समान अंक प्राप्त करते हैं, तो तो योग्यता तय करने के लिए युवा उम्मीदवार को वरीयता दी जाएगी।

(ख) जो उम्मीदवार खिलाड़ी दक्षिण रेलवे टीम में फिट होने लायक होंगे, केवल उनकी भर्ती पर विचार किया जाएगा।

(ग) यदि लेवल 4/5 में 5 पदों की भर्ती के लिए कोई मान्य आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, तो इन पांच पदों को लेवल 2/3 में डाउनग्रेड कर दिया जाएगा और इस स्तर के लिए विज्ञापित खेल श्रेणियों में उपयुक्त पाए गए उम्मीदवारों की भर्ती के लिए उपयोग किया जाएगा।

8. **परीक्षा शुल्क/छूट**

क्र. सं.	उम्मीदवारों की श्रेणी	शुल्क
1	क्रम संख्या-2 में उल्लेखित शुल्क से छूट प्राप्त श्रेणियों को छोड़कर सभी उम्मीदवारों के लिए ** ट्रायल में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को बैंक शुल्क काटकर 400 रुपये का शुल्क वापस किया जाएगा	रु. 500/-
2	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/भूपूर्व सैनिक/दिव्यांग/अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से पिछड़े उम्मीदवारों के लिए ** ट्रायल में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को बैंक शुल्क काटकर 250 रुपये का शुल्क वापस किया जाएगा	रु. 250/-

(i) आवेदन करते समय, शुल्क छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों को आवश्यक प्रमाणपत्र जैसे कि अ.जा/अ.जन/अल्पसंख्यक/ईबीसी प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने होंगे।

(ii) परीक्षा शुल्क (जहां भी आवश्यक हो) के बिना जमा किए गए आवेदन पत्र को सीधे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(iii) यहां संदर्भित अल्पसंख्यकों का अर्थ है मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी।

(iv) आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईसीबी) का मतलब वे उम्मीदवार होंगे, जिनकी पारिवारिक आय प्रति वर्ष 50,000/- रुपये से कम है। निम्नलिखित प्राधिकारी आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) की पहचान के उद्देश्य से आय प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत हैं:

क) जिला मजिस्ट्रेट या कोई अन्य राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार से नीचे के स्तर का न हो।

ख) अपने निर्वाचन क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए लोकसभा के मौजूदा संसद सदस्य।

ग) किसी मान्यता प्राप्त गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार द्वारा जारी बीपीएल कार्ड या कोई अन्य प्रमाण पत्र

घ) केंद्रीय मंत्री देश के किसी भी स्थान से किसी भी व्यक्ति के लिए अनुशंसा कर सकते हैं।

ङ) राज्यसभा के मौजूदा सांसद उस जिले के व्यक्तियों के लिए, जहां ये सांसद सामान्य रूप से निवास करते हैं।

च) उपरोक्त अधिकारियों द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में होना चाहिए, जो आरआरसी चेन्नई वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रमाणपत्र प्राधिकारी के लेटरहेड पर जारी किया जाना चाहिए।

नोट: प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप में होने चाहिए (प्रारूप आरआरसी चेन्नई वेबसाइट पर उपलब्ध है) और आवेदन भरते समय उसकी भरी हुई प्रति अपलोड की जानी चाहिए, **अन्यथा आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।**

8.1. शुल्क भुगतान:

क) ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के भाग के रूप में शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से करना होगा।

ख) आवेदन पत्र में विवरण की शुद्धता सुनिश्चित करने के बाद, उम्मीदवारों को भुगतान गेटवे के माध्यम से शुल्क का भुगतान करना होगा, जिसे ऑनलाइन आवेदन के साथ एकीकृत किया गया है।

ग) स्क्रीन पर पूछी गई जानकारी प्रदान करके डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग आदि का उपयोग करके भुगतान किया जा सकता है। ऑनलाइन भुगतान के लिए लेनदेन शुल्क, यदि कोई हो, उम्मीदवारों द्वारा वहन किया जाएगा।

घ) लेनदेन के सफल समापन पर, उम्मीदवार द्वारा दर्ज की गई तारीख के साथ ई-रसीद उत्पन्न की जाएगी, जिसे उम्मीदवार द्वारा सहेजा/मुद्रित और रखा जाना चाहिए।

ङ) यदि ऑनलाइन लेनदेन सफलतापूर्वक पूरा नहीं होता है, तो कृपया पुनः ऑनलाइन भुगतान करें।

9. **जाति प्रमाणपत्र:**

कोई भी पद विशेष रूप से ओबीसी और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित नहीं है। हालांकि, जो उम्मीदवार ओबीसी और एससी/एसटी समुदायों से संबंधित होने का दावा करते हैं, उन्हें सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप (प्रोफॉर्मा वेबसाइट पर उपलब्ध है) में जारी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और उसकी एक प्रति आवेदन के साथ संलग्न करनी होगी।

ओबीसी वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत जाति प्रमाणपत्र में विशेष रूप से यह उल्लेख होना चाहिए कि उम्मीदवार क्रीमी लेयर से संबंधित नहीं है।

10. **चिकित्सा परीक्षण :**

नियुक्ति के लिए अनुशंसित खिलाड़ियों को उस पद के लिए न्यूनतम चिकित्सीय मानदंडों को पूरा करना होगा, जिस पर उन्हें नियुक्त किया जा रहा है।

11. **सामान्य निर्देश :**

खिलाड़ियों की भर्ती रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2010/E (खेल)/4 (1)/1 (पॉलिसी) दिनांक 31.12.2010 के अनुसार की जाएगी, जिसमें समय-समय पर रेलवे बोर्ड द्वारा जारी संशोधनों/परिवर्तनों को भी शामिल किया जाएगा।

11.1 आयु, जाति, शैक्षिक योग्यता, खेल उपलब्धियों और शुल्क छूट के दावे के समर्थन में आवश्यक प्रमाणपत्रों को आवेदन पत्र के साथ अपलोड किया जाना चाहिए।

11.2 सभी प्रमाणपत्रों की प्रतियां स्वप्रमाणित होनी चाहिए और अपलोड की जानी चाहिए।

11.3 यदि कोई प्रमाणपत्र अंग्रेजी या हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में हो तो ऐसा प्रमाणपत्र अंग्रेजी/हिंदी में सत्यापित अनुवाद के साथ होना चाहिए और अपलोड किया जाना चाहिए।

11.4 सेवारत रेलवे कर्मचारियों और रेलवे संगठनों के अर्ध-प्रशासनिक कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र और नियमित सेवा की अवधि आदि का उल्लेख करते हुए प्रमाणिक प्रमाणपत्र नियोक्ता से प्राप्त करना चाहिए और इसे अपलोड करना चाहिए।

11.5 अन्य केंद्रीय/राज्य सरकार के विभागों में सेवा कर रहे उम्मीदवारों को नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करना चाहिए और उसे अपलोड करना चाहिए।

11.6 **अल्पसंख्यक समुदाय और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों** से संबंधित उम्मीदवार अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण अपलोड करने होंगे।

12. **महत्वपूर्ण निर्देश :**

12.1 उम्मीदवारों को आवेदन ऑनलाइन जमा करने से पहले संबंधित प्रमाणपत्रों के अपलोड होने की पुष्टि करनी चाहिए।

12.2 आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित करें कि वे पद के लिए सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं।

12.3 उम्मीदवारों को ट्रायल और दस्तावेज सत्यापन के दिन जन्म तिथि, शैक्षिक योग्यता, खेल उपलब्धियों और जाति के समर्थन में मूल दस्तावेज पेश करना अनिवार्य है।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

वन विभाग के खिलाड़ियों की खेल सुविधा विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायेंगे

भोपाल, वन विभाग के खिलाड़ियों की खेल सुविधा में विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। जीवन में स्वस्थ रहने के लिये खेल बहुत आवश्यक है। वन विभाग के अमले को स्मार्ट रहना बहुत जरूरी है, जिससे कि वह वनों की सुरक्षा अच्छे से कर सकें। खेल भावना से प्रेरित होकर कार्य करने से कार्य-क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे हम वनों के संरक्षण और पर्यावरण को बनाये रखने के लिये अपनी भूमिका का निर्वाह अच्छे से कर पायें। यह बात वन मंत्री श्री रामनिवास रावत ने तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल में आयोजित 27वीं राज्य स्तरीय वन खेलकूद प्रतियोगिता-2024 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

वन मंत्री श्री रावत ने कहा कि जो प्रतिभागी प्रतियोगिता में सफल नहीं हो पाये हैं, उन्हें भी मैं उनके प्रयास के लिये धन्यवाद देता हूँ और आगे वे भी अपनी लगन को बनाये रखें। उन्हें भविष्य में जरूर सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग के फील्ड के अमलों को सप्ताह में एक बार खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिये। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों से कहा कि आगे भी भविष्य में वन विभाग की प्रतियोगिता में नियमित रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि मैं राज्य स्तरीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में उपस्थित होकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वन मंत्री ने कहा कि रायपुर, छत्तीसगढ़ में 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें।

राज्य स्तरीय टीम का होगा चयन

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रतियोगिता में अखिल भारतीय वन सेवा, राज्य स्तरीय वन सेवा और वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये मध्यप्रदेश टीम का चयन करने के लिये 7 सितम्बर से 9 सितम्बर तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन खेलों में वन विभाग प्रदेश के विभिन्न वृत्त, वन मण्डल एवं मुख्यालय के खिलाड़ियों द्वारा हिस्सा लिया गया। वन बल प्रमुख ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतियोगियों द्वारा किये गये प्रदर्शन एवं पिछली अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के मापदण्डों के आधार पर इस वर्ष की राज्य स्तरीय टीम का चयन एक सप्ताह में किया जायेगा।

वन बल प्रमुख श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता 16 से 20 अक्टूबर, 2024 को रायपुर में आयोजित होगी। छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा इस प्रतियोगिता का तीसरी बार आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कुल 264 इवेन्ट्स रखे गये हैं। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश दल द्वारा विभिन्न स्पर्धाओं में 34 स्वर्ण, 32 रजत एवं 24 कांस्य पदक, कुल 90 पदक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था। वन विभाग में खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत वर्ष 1992 से हुई है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत श्रीअन्न एवं फल किये दान

सागर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय पोषण माह अन्तर्गत सागर जिले के बीना में 'पोषण मटके' में रंगीन रोटी के लिए श्रीअन्न (मोटे अनाज) एवं फलों का दान किया। उन्होंने जन सामान्य से आंगनवाड़ी से जुड़कर वहाँ पौष्टिक श्रीअन्न, फल, सब्जी के सहयोग के लिये स्व-प्रेरणा से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण के लिए सामुदायिक सहभागिता खुद भी करें एवं औरों को भी प्रेरित करें। मुख्यमंत्री को लाड़ली लक्ष्मी छात्रवृत्ति की लाभार्थी बेटियों ने 'लाड़ली पाती' भेंट कर आभार व्यक्त किया।

जल जीवन मिशन अन्तर्गत महिला हैंडपम्प सह इलेक्ट्रीशियन, मेकेनिकों को टूल किट का भी वितरण किया गया। हर ग्राम पंचायत में ऊर्जावान, योग्य स्थानीय महिलाओं को नल से जल की उपलब्धता में मरम्मत की आवश्यकता पूर्ति के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा। इससे उन्हें ग्राम में ही स्वरोज़गार मिल जायेगा।

(पिछले पृष्ठ का शेष)

12.4 खेल का नाम जैसे बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, तैराकी आदि और खिलाड़ी की खास इवेंट/पॉजिशन (जैसे पिवोट/अटैकर/बल्लेबाज/50च बटरफ्लाई स्ट्रोक आदि) को ऑनलाइन आवेदन भरते समय सही ढंग से चुना जाना चाहिए।

12.5 भर्ती के सभी चरणों में उम्मीदवार का प्रवेश केवल निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने की शर्त पर पूरी तरह से अंतिम होगा।

12.6 अभ्यर्थी को कॉल लेटर जारी का मतलब यह नहीं होगा कि इसकी उम्मीदवारी को अंतिम रूप से मंजूरी दे दी गई है।

12.7 आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों को अल्प सूचना पर ट्रायल/दस्तावेज सत्यापन को उपस्थित होने के लिए तैयार रहना चाहिए।

12.8 उम्मीदवार रेलवे प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट तिथि, समय और स्थान पर अपने स्वयं के खर्चे पर ट्रायल/दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित होंगे।

12.9 किसी भी परिस्थिति में तिथि, समय और स्थान में बदलाव के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

12.10 उम्मीदवारों को ट्रायल के लिए चेन्नई या अन्य किसी निर्दिष्ट स्थान पर यात्रा और ठहरने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी और कुछ दिनों के लिए रुकना पड़ सकता है।

12.11 **रेलवे प्रशासन भर्ती के चरणों में बदलाव करने या कोई कारण बताए बिना पूरी भर्ती प्रक्रिया अथवा इसके किसी हिस्से को किसी भी चरण में रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।**

12.12 भर्ती प्रक्रिया के किसी भी भाग में उम्मीदवार द्वारा दुर्व्यवहार, कदाचार की कोई भी कार्यवाई सख्त रूप से प्रतिबंधित है। किसी भी प्रकार की सिफारिश को बहुत गंभीरता से लिया जाएगा और अभ्यर्थी की उम्मीदवारी बिना किसी सूचना के खारिज कर दी जाएगी।

12.13 भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की पूछताछ या पत्राचार पर विचार करना संभव नहीं होगा।

12.14 खेल कोटे के तहत चयनित खिलाड़ियों को 5 साल की अवधि के लिए **सेवा बांड** भरकर देना होगा।

12.15 खेल कोटे के तहत भर्ती किए गए खिलाड़ियों को दो साल की परिवीक्षा अवधि पर रखा जाएगा। यदि परिवीक्षा अवधि के दौरान खेल के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन असंतोषजनक पाया जाता है, तो परिवीक्षा अवधि को अधिकतम दो वर्षों तक बढ़ाया जाएगा और उन्हें नियुक्ति की पुष्टि के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। विस्तारित परिवीक्षा के बाद भी यदि प्रदर्शन असंतोषजनक पाया जाता है, तो उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

12.16 उम्मीदवार ध्यान दें कि यदि नकली/जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं या दी गई कोई भी जानकारी झूठी या गलत पाई जाती है तो उनकी उम्मीदवारी/आवेदन बिना किसी सूचना के किसी भी चरण (जैसे कि ट्रायल/ साक्षात्कार/पैनल में शामिल करना/नियुक्ति के बाद भी) में रद्द/समाप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ऐसे उम्मीदवारों पर आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता है।

13. **अमान्य आवेदन पत्र:**

उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके आवेदन पत्र सभी प्रकार से पूर्ण हों। **जिन आवेदनों में निम्नलिखित कमियां होंगी, उन्हें खारिज कर दिया जाएगा:**

13.1 अधूरे कॉलम वाले आवेदन/अधूरे आवेदन।

13.2 बिना स्कैन किए हस्ताक्षर वाले आवेदन।

13.3 बिना स्कैन किए फोटो वाले आवेदन।

13.4 स्कैन की गई फोटो के साथ लेकिन चश्मा पहने हुए या टोपी के साथ, विग या रंगीन चश्मे के साथ, अस्पष्ट/छोटे आकार की या पहचान में न आने वाली फोटो।

13.5 किसी विशेष खेल में खेले गए खास इवेंट/पॉजिशन का उल्लेख ऑनलाइन आवेदन में किया जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन खारिज कर दिया जाएगा।

13.6 कम उम्र या अधिक उम्र के उम्मीदवार, या जन्म तिथि का कॉलम नहीं भरा गया हो या गलत भरा गया हो।

13.7 जिस पद के लिए आवेदन किया जा रहा है, उसके लिए आवश्यक शैक्षणिक और खेल योग्यता (पैरा 3.2 और पैरा 5 के अनुसार) का आवेदन जमा करने की तिथि तक न होना।

13.8 बिना आवेदन शुल्क या कम शुल्क वाले आवेदन।

13.9 **पैरा 8 के अनुसार, जहां भी दावा किया गया हो, शुल्क में छूट के प्रमाण के रूप में प्रासंगिक प्रमाणपत्र के बिना आवेदन।**

13.10 **जन्म तिथि, शैक्षिक योग्यता, खेल उपलब्धियों और अन्य योग्यताओं आदि का प्रमाण न होने वाले आवेदन।**

13.11 अपठनीय/ न पढ़ पाने योग्य दस्तावेजों के साथ अपलोड किए गए आवेदन।

13.12 एक ही पद और खेल श्रेणी के लिए एक से अधिक आवेदन/विभिन्न विवरण।

13.13 किसी भी अन्य तरीके से जमा किए गए आवेदन (कोई भौतिक/डाक से भेजा आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा)।

13.14 आरआरसी चेन्नई द्वारा अमान्य किसी भी तरह की अन्य अनियमितता।

13.15 यह सूची केवल उदाहरण के लिए है और परिपूर्ण नहीं है। रेलवे प्रशासन द्वारा किसी भी चरण में देखी गई किसी अन्य अनियमितता/कमी के आधार पर आवेदन खारिज कर दिए जाएंगे।

14. **आवेदन कैसे करें :**

14.1 पात्र उम्मीदवार आरआरसी चेन्नई वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

14.2 **भर्ती से संबंधित सभी मामलों में रेलवे प्रशासन का निर्णय अंतिम और उम्मीदवार पर बाध्यकारी होगा।**

15. **अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज:**

उम्मीदवारों को निम्नलिखित **सुपाठ्य दस्तावेज** अपलोड करने हैं :

i. अधिसूचना के पैरा 3.2 में **निर्धारित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के अंकपत्र/प्रमाणपत्र की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रति। साथ ही, उच्चतर शैक्षिक योग्यता (यदि कोई हो) जैसे – स्नातक या स्नातकोत्तर की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करें।**

ii. **आवश्यक खेल उपलब्धियों के प्रमाणपत्र की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रति,** जैसा कि अधिसूचना के पैरा 5 में निर्धारित है।

iii. **10वीं/मैट्रिक/माध्यमिक स्कूल छोड़ने की परीक्षा या इसके समकक्ष प्रमाणपत्र या जन्मतिथि दर्शाने वाला अंकपत्र या स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र, जिस पर जन्मतिथि अंकित हो, की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रति।**

iv. **एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाणपत्र की स्कैन की गई स्वयं सत्यापित प्रति।**

v. **पैरा 8 के तहत शुल्क में छूट** के लिए प्रमाण पत्र की प्रतियां। अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के मामले में अल्पसंख्यक घोषणापत्र, **आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के मामले में आय प्रमाण पत्र/बीपीएल कार्ड/रेलवे द्वारा जारी आईएसएसटी एमएसटी।**

vi. **स्कैन की गई फोटो, स्कैन किए गए हस्ताक्षर।**

आवेदन पत्र अपलोड करने के बाद अलग से भेजे गए किसी भी प्रमाणपत्र, फोटो आदि पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोट-I : स्कैन की गई फोटो/फोटो की सॉफ्ट कॉपी

उम्मीदवारों को अपना हाल का रंगीन फोटो (आकार 3.5 सेमी x 3.5 सेमी, जो आवेदन की तिथि से एक महीने से पुराना नहीं होना चाहिए, जेपीजी/जेपीईजी प्रारूप, 100 डीपीआई) अपलोड करना होगा। फाइल का आकार 50 केबी से 100 केबी के बीच होना चाहिए। फोटो में उम्मीदवार का सामने का दृश्य बिना टोपी और धूप के चश्मे के स्पष्ट हो। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आरआरसी-चेन्नई, किसी भी स्तर पर पुरानी/अस्पष्ट फोटो को अपलोड करने या आवेदन पत्र में अपलोड की गई फोटो और उम्मीदवार की वास्तविक शारीरिक उपस्थिति के बीच किसी महत्वपूर्ण अंतर के लिए आवेदन खारिज कर सकता है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे दस्तावेज सत्यापन के समय साथ लाने के लिए उसी फोटो की कम से कम तीन अतिरिक्त प्रतियां अपने पास रखें।

नोट-II : स्कैन हस्ताक्षर/हस्ताक्षर की सॉफ्ट कॉपी

उम्मीदवारों को अपने हस्ताक्षर की स्कैन कॉपी (आकार 3.5 सेमी x 2.5 सेमी, जेपीजी / जेपीईजी प्रारूप, 100 डीपीआई, फाइल का आकार 10 केबी से 40 केबी के बीच) भी अपलोड करनी होगी। स्कैन किए गए हस्ताक्षर अंग्रेजी या हिंदी में होने चाहिए। हस्ताक्षर चलती लिखावट में होना चाहिए, न कि ब्लॉक/बड़े अक्षर या अलग-अलग अक्षरों में।

महत्वपूर्ण सलाह : नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहें, जो उम्मीदवारों को रेलवे में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे वह प्रभाव के माध्यम से हो या अनैतिक और गलत तरीकों का उपयोग करके। दक्षिण रेलवे ने किसी भी एजेंट या प्रशिक्षण एजेंसी को नियुक्त नहीं किया है। दक्षिण रेलवे में सभी भर्तियां विशुद्ध रूप से मेरिट के आधार पर होती हैं।

अध्यक्ष,
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, चेन्नई

भारतीय मानक ब्यूरो

(उपभोक्ता मामले विभाग

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार)

मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

विज्ञापन सं. 01/2024/स्थापना

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले विभाग), भारत सरकार के अंतर्गत सांविधिक निकाय है और देश में मानकीकरण, उत्पाद एवं पद्धति प्रमाणन, सोना/चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला परीक्षण करने, इत्यादि के क्षेत्र में गतिविधियों हेतु उत्तरदायी निकाय, बीआईएस मुख्यालय, नई दिल्ली और देशभर में स्थित बीआईएस कार्यालयों में सीधी भर्ती द्वारा निम्नलिखित पदों पर रिक्तियां भरने हेतु पात्र अभ्यर्थियों से नीचे दिए गए विवरणानुसार ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है:

रिक्तियों का विवरण

क्र. सं.	पदनाम	पद का वेतन लेवल	अधिकतम आयु सीमा	कुल रिक्तियां	अनारक्षित	ईडब्ल्यूएस	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	समानांतर रिक्तियां	
										दिव्यांग	भू.पू.सै.
					प्रशासन एवं वित्त पद						
समूह - क पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
1.	सहायक निदेशक (प्रशासन एवं वित्त)-वित्त के लिए	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	-	01	-	-	-	-	-
2.	सहायक निदेशक (विपणन एवं उपभोक्ता मामले)	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	-	-	-	-	01	-	-
3.	सहायक निदेशक (हिंदी)	लेवल-10 (रु. 56100-177500)	35 वर्ष	01	01	-	-	-	-	-	-
समूह - ख पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
4.	निजी सहायक	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	27	12	02	04	02	07	02 (01 वीआई, 01 ओएच)	-
5.	सहायक अनुभाग अधिकारी	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	43	15	05	06	03	14	01 (01 एचआई)	-
6.	सहायक (कम्प्यूटर एडिड डिजाइन)	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	01	01	-	-	-	-	-	-
समूह - ग पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
7.	आशुलिपिक	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	19	10	02	01	02	04	01 (01 वीआई)	01
8.	वरिष्ठ सचिवालय सहायक	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	128	58	12	19	05	34	05 (02 एचआई 02 वीआई, 01 आईडीएमआई)	12
9.	कनिष्ठ सचिवालय सहायक	लेवल-2 (रु. 19900-63200)	27 वर्ष	78	32	08	10	06	22	02 (01 एचआई, 01 आईडीएमआई)	07
					प्रयोगशाला तकनीकी पद						
समूह - ख पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
10	तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)	लेवल-6 (रु. 35400-112400)	30 वर्ष	27	16	02	01	04	04	03 (01 वीआई, 01 एचआई, 01 आईडीएमआई)	-
					विषयवार रिक्तियां						
	यांत्रिकी			13	07	01	01	02	02	-	-
	रसायन			12	07	01	-	02	02	-	-
	माइक्रोबायोलॉजी			02	02	-	-	-	-	-	-
समूह - ग पद (सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएं)											
11.	वरिष्ठ तकनीशियन	लेवल-4 (रु. 25500-81100)	27 वर्ष	18	11	01	01	01	04	01 (01 एचआई)	01
					विषयवार रिक्तियां						
	कारपेंटर			07	03	01	01	01	01	-	-
	वेल्डर			01	01	-	-	-	-	-	-
	प्लम्बर			02	01	-	-	-	01	-	-
	फीटर			05	04	-	-	-	01	-	
	इलेक्ट्रिशियन/वायरमैन			03	02	-	-	-	01	-	-
12.	तकनीशियन (इलेक्ट्रिशियन/वायरमैन)	लेवल-2 (19900-63200)	27 वर्ष	01	-	-	-	-	01	-	-

आवेदन कैसे करें :

2. उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से आवेदन करना है, और आवेदन किसी अन्य तरीके से स्वीकार नहीं किए जाएंगे.
3. आवेदनों का ऑनलाइन पंजीकरण दिनांक 09 **सितम्बर, 2024 (00: 00) से 30 सितम्बर, 2024 की मध्य रात्रि तक होगा.**
4. योग्यता, अनुभव, सामान्य निर्देशों आदि के बारे में अधिक विवरण/जानकारी के लिए कृपया 'कॅरिअर के अवसर' शीर्षक के तहत बीआईएस वेबसाइट **www.bis.gov.in** देखें.

दिनांक : 07/09/2024

निदेशक (स्थापना)
भारतीय मानक ब्यूरो

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के लिये ग्राम पंचायतों को दी कचरा गाड़ी

सागर, प्रदेश का हर गांव अब शहरों की तरह स्वच्छ और सुंदर दिखाई देगा। स्वच्छता का यह संदेश घर-घर तक पहुंचना चाहिए। यह सपना हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का है, अब गांव-गांव में स्वच्छता अभियान के लिए कचरा गाड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में सुरखी विधानसभा क्षेत्र की हर ग्राम पंचायत को कचरा गाड़ी उपलब्ध कराई जाएगी जिससे हमारे गांव भी महानगरों की तरह स्वच्छ और सुंदर बनें। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर जिले के राहतगढ़ में आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कही।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि शहरों की तरह अब हमारे गांव भी स्वच्छ और सुंदर बनेंगे। हर गांव में कचरा गाड़ी पहुंचेगी। आप सभी लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। स्वच्छ गांव, स्वस्थ समाज का आधार हैं, इसलिए हर गांव को स्वच्छ बनाना है। यह कचरा गाड़ी घर-घर पहुंचेगी सभी लोग सिर्फ कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें आसपास कचरा ना फेंके इससे हमारे गांव भी महानगरों की तरह सुंदर बन सकें।

स्वच्छ भारत मिशन योजना के कार्यों का भौतिक सत्यापन करें

सतना, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने स्वच्छ भारत मिशन योजना में स्वीकृत कार्यों के निरीक्षण और भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कोठी नगर परिषद सतना में विशेष निधि और एसडीएमएफ राशि से स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उपयोगी जल प्रबंधन के तहत डीपीआर तैयार कराने, मुख्यमंत्री घोषणाओं की स्वीकृति, सिंहपुर को नवीन नगर परिषद बनाने के प्रस्ताव, नगर परिषद कोठी में नई पदों की स्वीकृति और सीधी भर्ती के लिये विज्ञापन सतना शहर और ग्रामीण अंचलों में अवैध कॉलोनियों पर लगाम कसने और टी एंड सी.पी. से नवीन कॉलोनियों के लिये नियमों में प्रावधान कराने पर जोर दिया।

बैठक में राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने नगर परिषद कोठी में डॉ. अम्बेडकर जी की मूर्ति स्थापना, सामुदायिक भवन का निर्माण, कोठी तालाब का विकास, तालाब के आस-पास अतिक्रमण हटाने और रोकने के कार्यों को शीघ्र पूर्णता से करने के निर्देश दिये। अमृत 2.0 के तहत निर्माणाधीन कार्यों की शीघ्र पूर्णता, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, कोठी स्टेडियम का निर्माण और नाला निर्माण कार्यों पर भी चर्चा की।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए

सांख्य-दर्शन के अनुसार प्रकृति, पुरुष और सृष्टि-क्रम

प्रकृति और पुरुष के संयोग से सृष्टि का सृजन होता है। सृष्टि के लिए प्रकृति और पुरुष का मिलन अनिवार्य है। प्रकृति अचेतन और अंध है, परंतु सक्रिय है और पुरुष, चेतन और द्रष्टा है, परंतु पंगु और निष्क्रिय है। इस प्रकार पंगु-अंध न्याय के आधार पर पुरुष और प्रकृति मिलकर सृष्टि का सृजन करते हैं। पुरुष का स्वरूप, प्रकृति के स्वरूप से विपरीत है, इसका ज्ञान और बोध हो जाने पर वह मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। समस्त सृष्टि प्रकृति के गर्भ में अव्यक्त कारण रूप से विद्यमान रहती है और सृजन की अवस्था में कार्य रूप से व्यक्त होती है। सृजन में नवीन सृष्टि नहीं होती है और प्रलय में सृष्टि का विनाश नहीं होता है। प्रकृति के गुणों की साम्यावस्था में सृष्टि नहीं होती है। गुणों की साम्यावस्था में प्रलय होता है। इस तरह सृष्टि प्रकृति की विकृति का परिणाम है। सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण प्रकृति के तीन गुण हैं, जिसमें रजोगुण के रूप में क्रिया सदा विद्यमान रहती है। प्रकृति में बाहर से कोई गति उत्पन्न नहीं होती है, क्योंकि प्रकृति स्वयं सक्रिय है। यदि प्रकृति की क्रिया एक बार रुक जाए, तो पुनः उसे आरंभ नहीं किया जा सकता है। सांख्य दर्शन ने क्रिया अथवा परिणाम को दो प्रकार का माना है- प्रथम सजातीय परिणाम, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक गुण अपनी विभिन्न अवस्थाओं में परिवर्तित होता रहता है और दूसरा विजातीय परिणाम, जिसमें रजोगुण के क्षोभ से प्रकृति के तीनों गुणों में संघर्ष की दशा उत्पन्न होती है। गुणों के परस्पर संघर्ष के कारण गुणों में विषमता उत्पन्न होती है, जिसके परिणामस्वरूप सृष्टि का प्रारंभ होता है। चेतन पुरुष के अतिरिक्त प्रकृति में प्रतिक्षण परिवर्तन होता रहता है, इसलिए परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है।

प्रकृति में विकार उत्पन्न हो जाने के परिणामस्वरूप सदैव क्रियाशीलता बनी रहती है। एक बार प्रकृति की क्रिया यदि रुक गई, तो पुनः क्रिया का प्रारंभ होना संभव नहीं होगा। सांख्य मत ने प्रकृति में क्रिया अथवा परिणाम को दो प्रकार से स्वीकार किया है- प्रथम सजातीय परिणाम, जिसमें प्रत्येक गुण अपनी विभिन्न अवस्थाओं में परिवर्तित होते रहते हैं और द्वितीय विजातीय परिणाम, जिसमें रजोगुण के कारण क्षोभ उत्पन्न होने से प्रकृति के तीनों गुणों में क्षोभ उत्पन्न हो जाता हैं और संघर्ष की दशा बनी रहती है। परस्पर संघर्ष की वजह से गुणों में विषमता होती है तथा गुण वैष्म्य के कारण सृष्टि प्रारंभ होती है। सांख्य दर्शन के अनुसार यह सृष्टि-क्रम, प्रकृति की विकृति और पुरुष के भोग और अपवर्ग को सिद्ध करने अर्थात पुरुषार्थ सिद्धि के लिए होता है। जड़-प्रकृति और चेतन-पुरुष नामक दो स्वतंत्र तत्वों को सांख्य ने स्वीकार किया है।

प्रकृति

सृष्टि का आदि कारण अजन्मा प्रकृति है, जो समस्त जड़ जगत की जननी है। यह वैश्विक जगत का आदि भौतिक कारण है, इसलिए इसे मूल प्रकृति या प्रथम मौलिक तत्त्व भी कहा जाता है। जगत के समस्त कार्य अव्यक्त रूप से प्रकृति में विद्यमान रहते हैं, इसलिए इसे अव्यक्त भी कहते हैं। प्रकृति का प्रत्यक्ष ज्ञान इंद्रियों से नहीं होता है, इसलिए यह अतींद्रिय कहलाती है। यह जड़ जगत सृष्टि के समय प्रकृति के गर्भ से कार्य रूप में अभिव्यक्त होता है और प्रलय के समय पुनः प्रकृति के गर्भ में विलीन हो जाता है। कार्यों से ही कारण के रूप में प्रकृति का अनुमान किया जाता है। अत: प्रकृति का एक नाम अनुमान भी है। यह समस्त जगत प्रकृति से प्रसूत है, इसलिए प्रकृति को प्रसवधर्मिणी कहते हैं। यहां प्रसव से तात्पर्य उत्पत्ति और परिणाम से है। प्रकृति- जड़, अचेतन, नित्य, स्वतंत्र, व्यापक और एक है। यह विवेकशून्य और एक विषय रूप होने के कारण अनेक पुरुषभोग्य है। पुरुष या आत्मा, चेतन, ब्रह्म इस जड़ जगत का कारण नहीं हो सकता, क्योंकि यदि ऐसा होता, तो यह जगत जड़ न होकर चेतन होता और अचेतन परमाणु भी इस जगत का कारण नहीं हो सकता, क्योंकि उसमें बुद्धि, अहंकार और मन आदि सूक्ष्म तत्वों की अनुभूति नहीं होती, क्योंकि ये चैतन्य को प्रतिबिंबित करते हैं। इस प्रकार इस जगत का एकमात्र कारण प्रकृति ही सिद्ध होती है। सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति की स्वतंत्र सत्ता निम्नलिखित प्रकार से सिद्ध होती है-

1. सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण प्रकृति के गुण हैं, जिसके कारण इसे त्रिगुणात्मक कहा जाता है। इसलिए यह सुखदुःखमोहात्मक है, परंतु अचेतन होने के कारण सुख-दुख-मोहात्मक का अनुभव प्रकृति नहीं कर सकती है। सतोगुण से सुख, रजोगुण से दुख और तमोगुण से मोह की उत्पत्ति होती है। जगत के सभी पदार्थों का मूल कारण प्रकृति है, जिसमें ये तीनों गुण समन्वित होते हैं।

2. इस जगत के सारे पदार्थ अनित्य, सीमित, परतंत्र और अनेक हैं। अनित्य नित्य की तरफ, सीमित असीमित की तरफ और परतंत्र स्वतंत्र की ओर इशारा करते हैं। इसलिए जगत के सभी पदार्थों का मुख्य कारण अवश्य ही नित्य, असीमित, स्वतंत्र, व्यापक, अपरिमित और एक होना चाहिए और यह कारण प्रकृति है।

3. इस जगत में अव्यक्त कारण से ही समस्त कार्य उत्पन्न होते हैं और यह अव्यक्त कारण प्रकृति है।

4. इस जगत के समस्त कार्य, कारण की शक्ति से उत्पन्न होते हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि प्रकृति ही वह मूल कारण है, जिससे यह सारा जगत उत्पन्न होता है।

5. जगत के सारे कार्य अव्यक्त अवस्था में बीज रूप से अपने कारण प्रकृति में विलीन हो जाते हैं। इस अवस्था में कार्य और कारण का भेद समाप्त हो जाता है। प्रलय में समस्त पदार्थ अपने कारण में लीन हो जाने से अभिन्न बन जाते हैं और इस अभिन्नता का मूल कारण प्रकृति ही है।

पुरुष

सांख्य दर्शन का दूसरा स्वतंत्र तत्त्व पुरुष है, जिसे आत्म तत्त्व भी कहते हैं। यह विषयी, ज्ञाता, अनुभविता कहलाता है। यह शरीर, इंद्रियां, बुद्धि, अहंकार और मन से भिन्न है। पुरुष समस्त ज्ञान और अनुभव का अधिष्ठान और चैतन्य स्वरूप है। स्वत:सिद्ध और स्वप्रकाश होने से पुरुष कभी विषय नहीं बन सकता है। वह कूटस्थ, नित्य, निष्क्रिय, सबका साक्षी और अपरिणामी होने के साथ ही साथ सब प्रकार के परिणाम, विकार, परिवर्तन तथा क्रिया से सर्वथा मुक्त है। पुरुष निर्गुण और कार्यकारण भाव से परे है। वह विधिनिषेध से ऊपर और देश तथा काल से अपरिच्छिन्न है। प्रकृति से विपरीत होने के कारण पुरुष अविषय, निर्गुण, विवेकी, असामान्य, चेतन और अपरिणामी कहलाता है। अव्यक्त प्रकृति तथा उसके कार्य-समूह त्रिगुणात्मक हैं और इनसे सर्वथा विपरीत निर्गुण, अपरिणामी चेतन पुरुष की सत्ता सिद्ध होती है।

चेतन पुरुष के भोग और मोक्ष की सिद्धि के लिए स्वयं प्रकृति तथा उससे प्रसूत समस्त-कार्य समूह प्रवृत्त होते हैं।

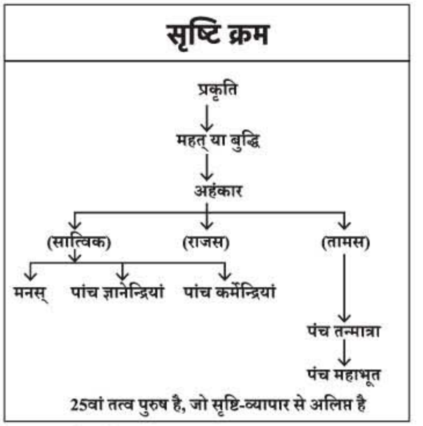

त्रिगुणात्मक प्रकृति, बुद्धि, अहंकार, मन, इंद्रियां, शरीर आदि सब पुरुष के प्रयोजन को सिद्ध करने के लिए होते हैं।

संसार में विविध प्रकार के दुःख हैं और इसकी आत्यंतिक निवृत्ति को कैवल्य कहते हैं। इस दुःख का अनुभव सबको होता है और दुःख मिटाने के लिए सभी प्रयत्नशील भी रहते हैं, परंतु दुःख की आत्यंतिक निवृत्ति, प्रकृति-पुरुष के विवेक ज्ञान से ही संभव है। सांख्यमत जैन, मीमांसा और रामानुज के मतों के समान ही पुरुषों की अनेकता में विश्वास करता है। सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुषों की संख्या में संख्या-गत भेद और गुण-गत अभेद है।

सृष्टि-क्रम

सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्ट-क्रम का प्रथम आविर्भूत तत्व महत् है, जिसे बुद्धि भी कहा जाता है। प्रकृति से उत्पन्न होने के कारण बुद्धि अचेतन है तथा यह प्रकृति का सूक्ष्मतम तत्व है। पुरुष के चैतन्य स्वरूप को बुद्धि, स्वच्छ दर्पण की भांति प्रतिबिंबित कर लेती है, जिसके परिणामस्वरूप अचेतन बुद्धि चैतन्य जैसी प्रतीत होती है और निर्गुण पुरुष ज्ञाता और भोक्ता जीव के रूप में प्रतीत होता है। बुद्धि का कार्य विधि-निषेध के संबंध में निश्चय करना है।

महत् या बुद्धि से अहंकार का जन्म होता है, जिसमें जीव के जीवत्व, ज्ञातृत्व, भोक्तृत्व और कर्तृत्व की भावना विकसित होती है। व्यक्ति में मैं और मेरा की भावना अहंकार के कारण व्यक्त होती है। सात्विक, राजसिक और तामसिक - तीन प्रकार का अहंकार होता है। सात्विक अहंकार में सतोगुण की प्रधानता होती है। इससे मानस, पांच ज्ञानेंद्रियां अर्थात आंख, जीभ, नाक, कान तथा त्वचा और पांच कर्मेंद्रियां अर्थात हाथ, पैर, मुख, गुदा और लिंग उत्पन्न होते हैं। राजसिक अहंकार में रजोगुण की प्रधानता होती है यह सात्विक और तामसिक अहंकार को शक्ति प्रदान करता है, जिससे वे अपने कार्यों को कर सकें। तामसिक अहंकार में तमोगुण की प्रधानता होती है और इससे पंच तन्मात्राओं अर्थात शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध, जिनसे क्रमश: आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी नामक पंचमहाभूतों की उत्पत्ति होती है।

बुद्धि, अहंकार और मन प्रकृति से उत्पन्न होने के कारण अचेतन हैं, परंतु पुरुष के चैतन्य से प्रकाशित होने के कारण चेतन जैसे प्रतीत होते हैं। ये तीनों अन्तःकरण और पांच ज्ञानेंद्रियां तथा पांच कर्मेंद्रियां बाह्य करण कहलाती हैं। इस प्रकार सांख्यमत के अनुसार तेरह करण का अर्थ साधन से हैं। इस प्रकार सृष्टि-क्रम प्रकृति एवं प्रकृति से जन्म लेने वाले तेईस (23) तत्वों को मिलाकर चौबीस (24) तत्त्वों का व्यापार है। पच्चीसवां (25) तत्त्व पुरुष है, जो सृष्टि व्यापार से अलिप्त, स्वतंत्र एवं प्रकृति से सर्वथा विपरीत है। प्रकृति मूल कारण है और इसके कार्य को विकृति कहते हैं। महत् तत्त्व (बुद्धि), अहंकार एवं पंच तन्मात्राएं, ये सात तत्त्व कार्य और कारण अर्थात प्रकृति और विकृति दोनो हैं। मनस, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच कर्मेंद्रियां और पंचमहाभूत, नामक सोलह तत्त्व केवल विकृति अर्थात कार्य हैं।

चेतन पुरुष के प्रयोजन- भोग और अपवर्ग (मोक्ष), की सिद्धि के लिए प्रकृति सहित समस्त चौबीस तत्व स्वयं अचेतन होते हुए भी प्रवृत्त रहते हैं। पुरुष और प्रकृति के साथ संयोग के बिना सृष्टि नहीं होती, न हो सकती है। गुणवती, उपकारिणी और सक्रिय प्रकृति, निष्क्रिय पुरुष के प्रयोजन को सिद्ध करने के लिए प्रकृति निःस्वार्थ भाव से विभिन्न प्रकार के उपायों में सदा प्रवृत्त रहती है। प्रकृति सदा पुरुष के भोग और मोक्ष के लिए कार्यरत रहती है। जीव के अंतःकरण और बाह्यकरण पुरुषार्थ सिद्धि के लिए कार्य करते हैं, उनका कोई अन्य प्रयोजन नहीं है। प्रकृति से अधिक उपकारिणी और गुणवती कोई अन्य नहीं है।

- डॉ. शशिकान्त मणि त्रिपाठी
(लेखक- योग, अध्यात्म एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के विशेषज्ञ हैं।)

त्योहारों पर रहें मुस्तैद, सुदृढ़ रखें कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था

भोपाल, मध्यप्रदेश में गणेश उत्सव, डोलग्यारस, ईद मिलादुन्नबी, अनंत चतुर्दशी आदि पर्वों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्योहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए गंभीरता से योजना तैयार करें। अपने क्षेत्रों की सतत निगरानी करते रहें। बैठक में समस्त एडीजी एवं आईजी, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस कमिश्नर, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त शामिल हुए। इस बैठक में एडीजी (इंटेलिजेंस) श्री जयदीप प्रसाद सहित अन्य उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सौहार्द्र से मनें सभी त्योहार

डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि प्रदेश में आगामी पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए हमें तैयार रहना है। त्योहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जिलों को अतिरिक्त बल उपलब्ध करा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थलों पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम एवं नगर रक्षा समिति का सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें।

महिला सुरक्षा के प्रति रहें सजग

डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि त्योहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। गणेशोत्सव के दौरान महिलाओं के घर पहुंचने तक पुलिस मुस्तैदी से तैनात रहे। पंडालों में तथा जुलूस मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। सुनसान क्षेत्रों में पुलिस गश्त होती रहे।

असामाजिक तत्वों पर करें कार्रवाई

डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए सजग रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखें और उन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए।

अन्य विभागों से करें समन्वय

डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। अन्य विभागों से भी समन्वय बनाकर रखें। नागरिकों को समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों आदि से दूर रहें। प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान घाटों पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पंचायतों, नगरीय निकायों, स्वास्थ्य विभाग से भी समन्वय करें। आपदा प्रबंधन के लिए गोताखोर और नौका दलों के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसी तरह गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों से समन्वय कर उन्हें वॉलंटियर्स बनाएं। ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाले जुलूसों में भी वॉलंटियर्स तैनात कराएं।

विशेष जलवायु, वनस्पति और वन्यप्राणी पर्यटन स्थल से समृद्ध है शिवपुरी

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है शिवपुरी जिले का परिचय-

हमारा जिला - शिवपुरी

जिले के बारे में

शिवपुरी जिला ग्वालियर संभाग में शामिल है। यह जिला उत्तर में मुरैना, ग्वालियर और दतिया, पूर्व में उत्तरप्रदेश के झांसी, पश्चिम में राजस्थान के कोटा और दक्षिण में गुना जिलों से घिरा है। जिला मुख्यालय शिवपुरी, ग्वालियर से 113 किलोमीटर और गुना से 98 किलोमीटर की दूरी पर एनएच-46 पर स्थित है। जिला ज्यादातर छोटी पहाड़ी चोटी पर स्थित है जो पर्णपाती जंगलों से ढंकी है।

भौगोलिक स्थिति

शिवपुरी जिला भौगोलिक स्थिति के आधार पर तीन मुख्य विभागों में विभाजित है -

बुंदेलखंड जाल- इसमें ज्यादातर पूर्व-धारवीय ग्रेनाइट होते हैं। इसमें 1,539 वर्ग मील (3985.99 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र के साथ जिले के पूर्वी हिस्से को शामिल किया गया है।

ऊपरी विंध्या - रीवा और भांडेर का बलुआ पत्थर आमतौर पर इस क्षेत्र में पाया जाता है। यह क्षेत्र बहुत उथला है और इससे पता चलता है कि विंध्यकाल के बाद से बहुत कम परिवर्तन हुआ है। यह क्षेत्र जिले के पश्चिम में आधे हिस्से तक विस्तारित है।

डेक्कन जाल - यह मुख्य रूप से पहाड़ी के अपर्याप्त मैदानी और समतल टॉप वाली श्रेणियों का गठन करता है। इसमें जिले के दक्षिणी हिस्सों की तरफ 426 वर्ग मील (1103.34 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र शामिल है- भद्रवास की तरफ, बरोकरा लैटराइट और एल्युमिनियम भी इस क्षेत्र में पाए जाते हैं जो 374.80 वर्ग मील (968.66 वर्ग किलोमीटर) के क्षेत्र को कवर करते हैं।

नदियां और जल निकास

मुख्य नदियों में पार्वती, कालीसिंध, कूनो और बेतवा हैं, यह नदियां जिले से गुजरती हैं। पार्वती कालीसिंध नदी की एक सहायक नदी है और ग्वालियर जिले के पवा के पास इसके साथ जुड़ती है। कालीसिंध गुना जिले से प्रवेश करती है और ग्वालियर और दतिया जिलों के बीच की सीमा बनाने के लिए उत्तर की ओर बहती है और अंत में भिंड में चंबल नदी में शामिल हो जाती है। कूनो चंबल की सहायक नदी है। यह शिवपुरी जिले से मुरैना तक बहती है और चंबल में शामिल हो जाती है। बेतवा या वेत्रवती रायसेन जिले से निकलती है और विदिशा, गुना, शिवपुरी और झांसी जिलों से गुजरती है। इस नदी पर माताटीला बांध बना हुआ है।

छत्री, शिवपुरी

जलवायु

शिवपुरी की जलवायु ठंडी और शुष्क है। यहां गर्म मौसम अप्रैल के मध्य से शुरू होता है और मई के मध्य तक रहता है। जून में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेट को छू लेता है। जिले में जून के अंत तक अथवा जुलाई के पहले सप्ताह तक मानसून आ जाता है और मौसम आर्द्रता के कारण ठंडा हो जाता है। जिले को अरब सागर से बारिश मिलती है। सितंबर के अंत तक बारिश खत्म हो जाती है। शिवपुरी में औसत 816.3 मिलीमीटर बारिश होती है।

वनस्पति

आमतौर पर जिले में पाए जाने वाले पेड़ों की प्रजातियों में खैर, करधाई, धो, सलाज, तेंदू, पाल, महुआ, करकरी, साजा, कोहा, जामुन, साज, धामन काइम, सेमल, तिनच, अमलतास आदि हैं। पेड़ों की सामान्य ऊंचाई 15 मीटर से 20 मीटर है और परिधि 40 सेंटीमीटर से 50 सेंटीमीटर है।

पशु

जंगलों के कटने के कारण जिले में वन्य जीवन में लगातार गिरावट आई है। प्राचीनकाल में यहां घने जंगल थे और पशुओं की संख्या काफी थी। जिले में एक राष्ट्रीय उद्यान है जहां पशुओं की बड़ी संख्या देखी जा सकती है। जिले में मुख्य रूप से पाए जाने वाले पशु हैं- नाहर बाघ (फेलिस टिग्रीस), तेंदुआ-पैंथर (पेलिस पैराडस), लडाया जैकल (कमिन्स ऑरिस), लकड़बग्गा हिना (हिना स्ट्राटा), भालू, स्लोथ भालू, सांभर (कारवास यूनिकोलर), सुअर, जंगली भालू (सस क्रिस्लाटस), लोमड़ी (वल्प्स बेंगालेनेनिस), चिंकारा (गैसल्स बैनेटी), काला हिरण-काली हिरन (एंटेलोप सर्विकाप्रा), लंगूर आदि। मुख्य पक्षियों में शिकरा हॉक, आम क्रो, कॉमन्स ग्रे हाउस क्रो और सभी काले कौवे, हरे कबूतर, ग्रे जंगल पक्षी, मोर-पीकॉक, जंगल झाड़ी ब्वेल और बस्टर्ड (बटेर) पाये जाते हैं।

कृषि

शिवपुरी मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान जिला है, यहां कृषि लोगों का मुख्य व्यवसाय है। कृषि पर निर्भरता इस तथ्य से देखी जा सकती है कि जिले के कुल श्रमिकों में से 83.38 प्रतिशत खेती करते हैं , जो किसान या कृषि मजदूर हैं। चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूं और जौ शिवपुरी की मुख्य फसलें हैं। दालों में चना और तुअर (अरहर) प्रमुख दालें हैं।

उत्पादन

चना - शिवपुरी जिले की फसलों में चना का विशेष योगदान है। जिले में विभिन्न प्रकार के चनों की पैदावार होती है। जिले में गत वर्षों से लगातार चने का उत्पादन बढ़ता जा रहा है। शिवपुरी जिले से चने को अन्य राज्यों में भी निर्यात किया जा रहा है।

गेहूं - गेहूं शिवपुरी जिले की मुख्य फसलों में से एक है। यहां पर विभिन्न प्रकार के गेहूं का उत्पादन होता है। गेहूं फसल की अच्छी उपज के लिए शिवपुरी जिले को राज्य तथा केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। यहां के किसानों को गेहूं की फसल उन्हें आर्थिक आधार देती है।

सोयाबीन - सोयाबीन शिवपुरी जिले की मुख्य फसलों में से एक है। शिवपुरी जिले में सोयाबीन का उत्पादन ज्यादा मात्रा में होता है। यह दलहन की बजाय तिलहन की फसल मानी जाती है। सोयाबीन एक महत्वपूर्ण खाद्य है।

संपर्क

जिला आगरा-मुम्बई नेशनल हाईवे नं 46 पर स्थित है। इसलिए जिले का सड़क संपर्क अच्छा है। यहां की सड़कें जिले को उत्तर में ग्वालियर, आगरा, दिल्ली और दक्षिण में गुना, भोपाल, उज्जैन, इंदौर और मुंबई से जोड़ती हैं। इस राजमार्ग के अलावा शिवपुरी झांसी से भी राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है जो कानपुर, लखनऊ और उससे आगे तक जाता है। एक और सड़क श्योपुर जिले को जोड़ती है। दूसरी ओर शिवपुरी को ग्वालियर और गुना से रेल द्वारा जोड़ा गया है।

इतिहास

शिवपुरी मध्यप्रदेश का एक प्राचीन शहर है। शिवपुरी को पहले सिपरी के नाम से जाना जाता था। इस जगह का इतिहास मुगलकाल से है। शिवपुरी के घने जंगल एक समय में शाही शिकार के मैदान थे। समुद्र तल से 478 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर पर्यटकों के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान है। यह क्षेत्र ऐतिहासिक भव्यता के साथ रोमांच का अनुभव कराता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, इस शहर का नाम भगवान शिव के नाम पर रखा गया है। वर्ष 1804 तक यह शहर कच्छवाहा राजपूतों के स्वर्ग के रूप में जाना जाता था। उसके बाद यहां सिंधिया राजवंश द्वारा शासन किया गया। यह खूबसूरत शहर एक समय में ग्वालियर के सिंधिया शासकों की ग्रीष्मकालीन राजधानी थी और इसके घने जंगल शिकार क्षेत्र थे। शिवपुरी पक्षियों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है बड़ी संख्या में पर्यटक पक्षियों की विशाल प्रजातियों को देखने के लिए यहां आते हैं। इसके अलावा शिवपुरी स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्व रखता है, यहां महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे को फांसी दी गई थी। शिवपुरी ग्वालियर और झांसी के बीच एक नेचर गेटवे है।

जिला एक नजर में

क्षेत्रफल : 10,666 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या : 17,25,782
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा : हिंदी
गांव : 1305

सिद्धेश्वर बाणगंगा मेला

सिद्धेश्वर मंदिर एक प्राचीन मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर शिवपुरी शहर की पूर्व दिशा में जाधव सागर झील के पास स्थित है। बाणगंगा शिवपुरी में एक पुराना मंदिर है जो 52 पवित्र कुंडों के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में लगने वाले मेले को सिद्धेश्वर बाणगंगा मेला कहा जाता है। यह मेला प्रतिवर्ष फरवरी महीने में लगता है।

माधव चौक

यह शिवपुरी नगर का मुख्य बाजार तथा मुख्य चौराहा है। यहां पर सभी प्रकार की दुकानें और बैंक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह नगर के आकर्षण का केंद्र है।

पर्यटन स्थल

छत्री- शिवपुरी, सुशोभित, जटिल रूप से अलंकृत संगमरमर छत्रियों के लिए प्रसिद्ध है जो सिंधिया शासकों द्वारा निर्मित की गयी हैं। छत्रियां मुगल गार्डन में स्थापित हैं और सिंधिया शासकों को समर्पित हैं। इनमें से एक छत्री श्री माधवराव सिंधिया की है और दूसरी राजमाता महारानी विजया राजे सिंधिया की है। इन छत्रियों में मुगल मंडप के साथ हिंदू और इस्लामी वास्तुकला शैलियों का सम्मिलन है।

सुरवाया गढ़ी, शिवपुरी

माधव राष्ट्रीय उद्यान

माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी शहर के पास स्थित है। यह विंध्य पहाड़ियों का एक हिस्सा है। यह उद्यान ग्वालियर के मुगल सम्राटों और महाराजाओं का शिकारगाह था। इसे 1958 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला। उद्यान के लिए दो प्रवेश बिंदु हैं; एक NH-25 (पुराना झांसी रोड) पर स्थित है, जो शिवपुरी शहर से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जबकि दूसरा आगरा-मुंबई रोड पर शिवपुरी से ग्वालियर की ओर 7 किलोमीटर की दूरी पर है। पार्क में झीलों, जंगलों और घास के मैदानों से युक्त एक विविध पारिस्थितिकी तंत्र है।

जंगल में नीलगाय, चिंकारा, चौसिंगा और हिरणों में चीतल, सांभर और बार्किंग हिरण जैसे मृग रहते हैं। तेंदुए, भेड़िया, सियार, लोमड़ी, जंगली कुत्ता, जंगली सुअर, साही और अजगर आदि पशु भी पार्क में देखे जाते हैं।

जॉर्ज कैसल, शिवपुरी

यह महल 1911 में ग्वालियर के तत्कालीन शासक जीवाजी राव सिंधिया द्वारा इंग्लैंड के किंग जॉर्ज पंचम् के एक रात रुकने के लिए बनवाया गया था, जो बाघों के शिकार के लिए जंगल की यात्रा करने यहां आये थे। यहां से पर्यटकों द्वारा झीलों के लुभावने दृश्य और करधई के जंगल के मनोरम दृश्य देखे जाते हैं।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

जॉब अलर्ट

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

पद का नाम - चिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 895
योग्यता - एम.बी.बी.एस या भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समतुल्य अर्हता
अंतिम तिथि - 29 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://mppsc.mp.gov.in

असम विश्वविद्यालय

पद का नाम - लाइब्रेरियन, सहायक निदेशक खेल और शारीरिक शिक्षा, अनुभाग अधिकारी, सहायक, अपर डिवीजन क्लर्क, अर्ध पेशेवर सहायक, लोअर डिवीजन क्लर्क, पुस्तकालय सहायक, प्रयोगशाला अटेंडेंट, एमटीएस और ब्लैकस्मिथ
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://http://www.aus.ac.in

आयुध निर्माणी इटारसी

पद का नाम - कार्यकाल आधारित डिप्लोमा प्रोजेक्ट इंजीनियर (केमिकल)
पदों की संख्या - 10
योग्यता - केमिकल इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बी.ई./बी.टेक/डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 27 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://munitionsindia.in

भारतीय मानक ब्यूरो

पद का नाम - सहायक निदेशक (प्रशासन एवं वित्त, विपणन एवं उपभोक्ता मामले, हिन्दी), निजी सहायक, सहायक अनुभाग अधिकारी, सहायक (कम्प्यूटर एडिड डिजाइन), आशुलिपिक, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, कनिष्ठ सचिवालय सहायक, तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला), वरिष्ठ तकनीशियन और तकनीशियन (इलेक्ट्रिशियन/वायरमैन)
पदों की संख्या - 345
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://www.bis.gov.in

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

पद का नाम - प्रोजेक्ट असिस्टेंट
पदों की संख्या - 90
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://cochinshipyard.in

जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र

पद का नाम - टेक्निकल असिस्टेंट, पर्सनल असिस्टेंट
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.jncasr.ac.in

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

पद का नाम - सेवा सहायक कुलसचिव
पदों की संख्या - 38
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष उपाधि
अंतिम तिथि - 28 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://uppsc.up.nic.in

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़

पद का नाम - सहायक पंजीयक, कनिष्ठ अधीक्षक, कनिष्ठ सहायक, तकनीकी अधिकारी (सीसीएस), कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक (सिविल, सीएसई, भौतिकी, सीसीएस) और कनिष्ठ तकनीकी (एमएमई)
पदों की संख्या - 13
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://www.iitdh.ac.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बठिंडा

पद का नाम - रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर, वैज्ञानिक सी (सीएफएम और गाइने), नर्सिंग में लेक्चरर (सहायक प्रोफेसर), वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (आयुष), वरिष्ठ प्रोग्रामर, चिकित्सा अधिकारी (आयुष), सहायक नर्सिंग अधीक्षक, सहायक ब्लड ट्रांसफ्यूजन अधिकारी, क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक, बाल मनोवैज्ञानिक और पशुचिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.aiimsbathinda.edu.in

शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लैंड एंड एसेट्स लिमिटेड

पद का नाम - कार्मिक और प्रशासन प्रमुख, मुख्य आर्थिक अधिकारी, कंपनी सचिव और कानूनी विभाग प्रमुख
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.scilal.com

एडमिशन अलर्ट

अभियांत्रिकी स्नातक अभिक्षमता परीक्षा (गेट) -2025

पाठ्यक्रम का नाम - विभिन्न आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों के इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी/आर्किटेक्चर/साइंस/कॉमर्स/आर्ट्स/ह्यूमैनिटीज में स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत या स्नातक कर चुके विद्यार्थी
अंतिम तिथि - 26 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://gate2025.iitr.ac.in

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - एम.एससी (एनिमल बायोटेक्नोलॉजी), पी.एचडी (एनिमल बायोटेक्नोलॉजी)
योग्यता - पाठ्यक्रम के अनुसार
अंतिम तिथि - 23 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://ndvsu.org

स्कॉलरशिप अलर्ट

एल्सटॉम इंडिया छात्रवृत्ति

संस्थान का नाम - एल्सटॉम फाउंडेशन
योग्यता - स्टेम कोर्स के तहत व्यवसायिक स्नातक पाठ्यक्रम के किसी भी वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी। साथ ही पिछले शैक्षणिक वर्ष/सेमेस्टर में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हों
छात्रवृत्ति राशि - 75 हजार रूपये (एकमुश्त)
अंतिम तिथि - 30 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://www.foundation.alstom.com

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

कॅरियर की राहें

शहरों से लेकर गांवों तक सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर का नया दौर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग से उपजी समस्याओं की वजह से देश और दुनियाभर में सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी) के अधिकाधिक उत्पादन पर ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में शहरों से लेकर गांवों तक रोज़गार के अवसर बढ़ने का परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है।

सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य और अभूतपर्व बजट आवंटन

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2024-25 में

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष जोर दिया गया है, जो 2030 तक अक्षय स्रोतों से 500 गीगावॉट ऊर्जा प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। इस बजट में सौर ऊर्जा क्षेत्र को 10,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है, जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। यह फंडिंग मुख्य रूप से पीएम मुफ्त बिजली योजना के लिए निर्देशित है, जिसका उद्देश्य छत पर सौर (आरटीएस) संयंत्र को बढ़ाना है। सरकार ने 75,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से एक करोड़ घरों में आवासीय छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का लक्ष्य रखा है।

दुनिया में सौर ऊर्जा के सबसे बड़े बाजारों में से एक भारत

भारत इस समय सौर ऊर्जा यानी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े बाजार में से एक है। भारत ने गैर-जीवाश्म स्रोतों से 40 फीसदी ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लिया है। विगत 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षमता में भारत ने करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक की रिपोर्ट-2024 के मुताबिक सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। विगत 10 वर्षों में सौर ऊर्जा उत्पादन में 30 गुना वृद्धि हुई है और सौर ऊर्जा उत्पादन जून 2024 तक 85.47 गीगावॉट की ऊंचाई पर पहुंच गया है। हमारी सौर ऊर्जा क्षमता पिछले पांच वर्षों में 11 गुना से अधिक बढ़ गई है। भारत में सौर ऊर्जा क्षेत्र में पिछले 3 वर्षों में प्राप्त होने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 3.8 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया है।

सौर ऊर्जा में रोज़गार के बहुआयामी अवसर

निश्चित रूप से सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोज़गार एवं स्वरोज़गार के चमकीले अवसर उत्पन्न होते जा रहे हैं। भारत में सौर रोज़गार बाजार में अभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है, जो अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में सरकार की पहल और सहायक नीतियों से प्रेरित है।

जैसे-जैसे स्वच्छ ऊर्जा समाधानों की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे कुशल पेशेवरों और उद्यमियों की आवश्यकता भी बढ़ रही है जो सौर पैनल प्रणालियों का नवाचार, डिजाइन, स्थापना और रखरखाव कर सकें। सौर पैनल स्थापना और रखरखाव में एक लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने की प्रतिबद्धता जताकर सरकार स्वच्छ ऊर्जा के विकास को बढ़ावा दे रही है। साथ ही महत्वपूर्ण रोज़गार सृजन और उद्यमशीलता के अवसरों को भी बढ़ावा दे रही है। उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य छत पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देती है, रोज़गार पैदा करती है। सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम (एसएसडीपी) युवाओं को सौर ऊर्जा परियोजना स्थापना, संचालन और रखरखाव में नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किया है। यह विशेष रूप से बेरोज़गार युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोगों पर केंद्रित है।

उल्लेखनीय है कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में कॅरियर के विभिन्न मौके हैं। खासतौर से सौर ऊर्जा क्षेत्र के तहत सोलर इंजीनियर्स के लिए तेजी से मौके बढ़े हैं। सोलर इंजीनियर का कार्य सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की तकनीक पर काम करना होता है। वे सोलर एनर्जी से संबंधित प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग, डिजाइनिंग से लेकर उसके एग्जीक्यूशन तक का कार्य संभालते हैं। उनकी देखरेख में रूफटाप सोलर पैनल्स के इंस्टालेशन होते हैं। सौर सलाहकार का काम सौर ऊर्जा प्रणाली, बाजार के रुझान और वित्तीय विश्लेषण में भूमिका निभाना होता है। पेशे की प्रकृति के कारण सौर सलाहकारों को अक्षय ऊर्जा की व्यापक समझ, तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने की क्षमता और पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक चलाने के लिए परियोजना प्रबंधन क्षमताओं की आवश्यकता होती है। सौर पावर प्लांट ऑपरेटर की भूमिका सौर ऊर्जा संयंत्र में उत्पादन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होती है। सोलर पैनल तकनीशियन की भूमिका सोलर उद्योग की रीढ़ की तरह है। वे सोलर पैनल सिस्टम के पूरे जीवनचक्र के लिए जिम्मेदार होते हैं, प्रारंभिक साइट मूल्यांकन और स्थापना से लेकर चल रहे रखरखाव और समस्या निवारण तक उनकी भूमिका होती है।

उल्लेखनीय है कि सौर ऊर्जा विशेषज्ञ (पीवी विशेषज्ञ) की भूमिका अक्षय ऊर्जा और सामान्य रूप से सौर ऊर्जा के बारे में लोगों को शिक्षित करने की होती है। ये विशेषज्ञ सौर उत्पादों, सौर ऊर्जा सब्सिडी या सेमिनारों के बारे में ग्राहकों या क्लाइंट से सीधे संवाद कर सकते हैं। इसी प्रकार सौर ऊर्जा के कॅरियर के तहत सौर ऊर्जा प्रणाली डिजाइनर की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इनकी जिम्मेदारी ऐसी प्रणालियों की योजना बनाना और उन्हें लागू करना है जो नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना का समर्थन करती हैं।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें

सौर ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न ब्रांचों के इंजीनियर्स के अलावा सामान्य कार्यों के लिए परम्परागत डिग्री और उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों के लिए अनेक अवसर हैं। आमतौर पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करने वाले छात्र सोलर एनर्जी सेक्टर में कार्य करते हैं। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के छात्र भी इस क्षेत्र में आ सकते हैं। आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में जेईई के जरिये इन कोर्सेज में दाखिला मिलता है। साइंस विषय से बारहवीं की परीक्षा पास करने के बाद यह कोर्स कर सकते हैं। सौर ऊर्जा क्षेत्र में इंजीनियर्स के लिए जहाँ इंजीनियरिंग डिग्रियों की जरूरत होती है, वहीं प्रबंध लेखा और मैनेजमेंट से संबंधी कार्यों के लिए किसी भी उपयुक्त डिग्री या डिप्लोमा के साथ उपयुक्त प्रशिक्षण जरूरी है।

सौर ऊर्जा में कॅरियर संबंधी पाठ्यक्रम

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोज़गार और कॅरियर से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम

मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग तथा टेक्नोलॉजी के इंस्टीट्यूशंस में उपलब्ध हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप उपयुक्त पाठ्यक्रम तथा उपयुक्त संस्थान का चयन करके सौर ऊर्जा यानी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। जो युवा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर के लिए आगे आना चाहते हैं, उनके लिए सरकार के सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के तहत भी प्रशिक्षण लिया जाना उपयुक्त होता है। सरकारी कार्यक्रमों के अलावा कई निजी संस्थान और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सोलर तकनीशियन प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। ऐसे में आप भी यदि उपयुक्त समझें तो अपने को आवश्यक कौशल और योग्यता से लैस करके तेजी से बढ़ते सौर ऊर्जा क्षेत्र में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

खेल चर्चा

एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष बने रणधीर सिंह

नई दिल्ली, भारत के अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने गए हैं। रणधीर सिंह इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं। ओसीए की 44वीं आमसभा के दौरान रणधीर सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। उनका कार्यकाल वर्ष 2024 से 2028 तक होगा। रणधीर सिंह इससे पहले ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष थे। उन्होंने कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा की जगह ली, शेख अहमद को इस वर्ष मई माह में नैतिकता के उल्लंघन के कारण खेल प्रशासन से 15 वर्ष के लिए प्रतिबंधित किया गया था और उनकी जगह रणधीर सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। रणधीर सिंह इससे पहले भारतीय और एशियाई खेल संस्थाओं में कई पदों पर रह चुके हैं। अपने खेल कॅरियर के दौरान रणधीर सिंह निशानेबाज रह चुके हैं।

पेरिस पैरालंपिक-2024

भारत ने 29 पदकों के साथ किया अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

पेरिस, पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत ने अपना अभियान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ खत्म किया। इस बार पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य सहित कुल 29 पदक अपने नाम किए। यह पैरालंपिक खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, इससे पहले भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में 5 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य सहित 19 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था।

एथलेटिक्स में जीते 17 पदक

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने पांच खेलों में 29 पदक जीते हैं, इनमें से 17 पदक अकेले एथलेटिक्स में मिले हैं। एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते हैं। इसके अलावा बैडमिंटन में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित पांच पदक भारत को मिले। इसी तरह भारतीय खिलाड़ियों ने निशानेबाजी में चार पदक (एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य), निशानेबाजी में एक स्वर्ण और एक कांस्य सहित दो पदक और जूडो में एक कांस्य पदक जीता।

- **भारत ने पेरिस पैरालंपिक में अपना अब तक का सबसे बड़ा 84 खिलाड़ियों का दल भेजा था।**
- **पैरालंपिक खेलों में भारत ने सातों स्वर्ण पदक व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जीते हैं।**
- **नवदीप सिंह एशियन पैरा यूथ खेलों में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।**
- **पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में हरविंदर सिंह और प्रीति पाल ध्वजवाहिका बनीं।**
- **हरविंदर सिंह ने पहली बार तीरंदाजी में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है।**

प्रवीण ने ऊंची कूद में जीता स्वर्ण

भारतीय खिलाड़ी प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। प्रवीण ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-64 स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2.08 मीटर ऊंची छलांग लगाई और स्वर्ण पदक जीता। पैरालंपिक खेलों में प्रवीण का यह दूसरा पदक है।

नवदीप ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए सातवां स्वर्ण पदक नवदीप सिंह ने जीता। नवदीप सिंह ने पुरुष भाला फेंक एफ-41 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने दूसरे प्रयास में 47.32 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया जो उन्हें स्वर्ण पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा।

मध्यप्रदेश के कपिल ने जूडो में जीता कांस्य पदक

पेरिस, पैरालंपिक खेलों में मध्यप्रदेश के कपिल परमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। कपिल ने जूडो में पुरुषों की 60 किलोग्राम जे-1 स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। स्पर्धा के सेमीफाइनल में ईरान के सैयद बनिताबा खोर्रम अबादी के हाथों हारने के बाद कपिल को कांस्य पदक मुकाबला खेलना पड़ा। कांस्य पदक मुकाबले में कपिल ने ब्राजील के एलेटन डि ओलिविरा को 10-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। पैरालंपिक खेलों के इतिहास में भारत का जूडो में यह पहला पदक है।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बने राहुल द्रविड़

जयपुर, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अब आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स को कोचिंग प्रदान करेंगे। राजस्थान रॉयल्स ने राहुल द्रविड़ को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। द्रविड़ मुख्य कोच कुमार संगाकारा की जगह लेंगे जो अब टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के रूप में काम करेंगे। द्रविड़ वर्ष 2011 से लेकर 2015 तक राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं। वह टीम के मेंटर भी रहे हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच पद से हटने के बाद द्रविड़ को कई टीमों से कोचिंग के ऑफर मिल रहे थे।

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में ऋषभ पंत की वापसी

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। भारतीय टीम की कमान नियमित कप्तान रोहित शर्मा संभालेंगे, हालांकि टीम का उपकप्तान कौन होगा यह जानकारी चयनकर्ताओं ने नहीं दी है।

भारतीय टीम में विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसके साथ ही स्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर ऋषभ पंत की 21 महीने बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हुई है। ऋषभ के अलावा अनुभवी बल्लेबाज के.एल. राहुल की भी लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। ये दोनों ही खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के प्रबल दावेदार हैं। वहीं तेज गेंदबाज यश दयाल पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं।

भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, के.एल. राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और यश दयाल।

सीरिया ने जीता इंटरकॉन्टिनेंटल कप

हैदराबाद, सीरिया ने गत चैम्पियन भारत को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल का खिताब जीत लिया है। सीरिया ने पहली बार यह खिताब जीता है। तीन देशों के इस टूर्नामेंट के अंतिम मुकाबले में सीरिया ने मेजबान भारत को 3-0 से हराया। मैच में सीरिया के लिए महमूद अल असवाद (7वें मिनट), दालेहो ईरानदुस्त (76वें मिनट) और पाब्लो सब्बाग (90+6 मिनट) में गोल किए।

मोइन अली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन, इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर मोइन अली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। मोइन अली ने यह फैसला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की ट्वेंटी-20 और पांच मैचों की वन-डे सीरीज में न चुने जाने के बाद लिया। मोइन ने कहा कि मैं अब 37 वर्ष का हो गया हूं। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेली है। अब युवाओं की बारी है।

भारत ने बधिर निशानेबाजी विश्वकप में जीते 21 पदक

हनोवर, जर्मनी में आयोजित दूसरे बधिर निशानेबाजी विश्वकप में भारतीय निशानेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल महासंघ ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने 21 पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 7 स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य पदक जीते हैं। पदक तालिका में यूक्रेन सात स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा, जबकि मेजबान जर्मनी दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाज अभिनव देशवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक जीते, इनमें एक स्वर्ण और चार रजत पदक शामिल हैं। इस विश्वकप में महिला निशानेबाज माहित संधू ने तीन स्वर्ण और एक रजत सहित चार पदक अपने नाम किए, वहीं धनुष श्रीकांत ने दो स्वर्ण पदक जीते। इनके अलावा अनुया प्रसाद और शौर्य सेनी भी स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।

- **यह विश्वकप 29 अगस्त से 8 सितंबर तक जर्मनी के हनोवर में आयोजित किया गया था।**
- **इस प्रतियोगिता में 16 देशों के 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, इनमें 13 भारतीय निशानेबाज भी शामिल हैं।**

यूएस ओपन

जेनिक सिनर ने पहली बार जीता खिताब

न्यूयॉर्क, इटली के युवा टेनिस स्टार और मौजूदा विश्व नंबर वन खिलाड़ी जेनिक सिनर ने यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीत लिया है। सिनर ने पहली बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में सिनर ने टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराया।

फाइनल मुकाबले में सिनर को खिताब का प्रबल दावेदार माना गया था, उन्होंने फाइनल में अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन भी किया। मैच के पहले गेम को सिनर ने 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी सिनर ने अपना दबदबा बनाये रखा और फ्रिट्ज पर एकतरफा बढ़त बनाते हुए 6-4 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में फ्रिट्ज ने बेहतरीन पलटवार किया। फ्रिट्ज के पास तीसरे सेट को जीतने का बेहतरीन मौका था, वह सेट में 5-4 से आगे थे, लेकिन फ्रिट्ज इस मौके को भुना नहीं पाए और सिनर ने एक बार फिर शानदार खेल दिखाया एवं लगातार तीन अंक बटोरकर सेट 7-5 से जीत लिया।

- **सिनर के टेनिस कॅरियर का यह दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब है।**
- **सिनर ने इससे पहले इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था।**
- **सिनर जून 2024 में एटीपी टेनिस रैंकिंग में विश्व के नंबर वन पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने थे।**

महिला वर्ग में सबालेंका बनी विजेता

यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब बेलारूस की आर्याना सबालेंका ने जीता। सबालेंका ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। मैच के पहले सेट में सबालेंका ने 7-5 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में पेगुला ने सबालेंका को जबरदस्त टक्कर दी और एक समय 5-3 से बढ़त बना ली थी। इसके बाद सबालेंका ने वापसी की और लगातार चार गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। इस वर्ष सबालेंका का यह दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीत चुकी हैं। यूएस ओपन में महिला युगल वर्ग का खिताब यूक्रेन की ल्यूडमिला किचेनोक और लात्विया की जेलेना ओस्तापेंको की जोड़ी ने जीता।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

फुटबॉल में नौ सौ गोल पूरे किए

लिस्बन, पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल में अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रोनाल्डो फुटबॉल में 900 गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि यूएफा नेशंस लीग में क्रोएशिया के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान हासिल की।

लिस्बन के एस्टाडियो द लूज स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल ने क्रोएशिया को 2-1 से हराया। मैच में पहला गोल पुर्तगाल के डिएगो डलोट ने सातवें मिनट में किया, वहीं 34वें मिनट में रोनाल्डो ने गोल कर पुर्तगाल को 2-0 की बढ़त दिलाई। मैच के 41वें मिनट में डलोट गलती से अपने ही गोलपोस्ट में गोल कर बैठे। जिससे मैच का स्कोर 2-1 हो गया। मैच के दूसरे हॉफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई और पुर्तगाल ने मैच 2-1 से जीत लिया।

- **रोनाल्डो के नाम अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा 132 गोल करने का रिकॉर्ड है।**
- **सबसे ज्यादा गोल करने की सूची में लियोनल मेसी 838 गोल के साथ दूसरे स्थान पर हैं।**
- **रोनाल्डो ने अंतर्राष्ट्रीय और क्लब स्तर पर 900 गोल किए हैं।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• बुर्ज अजीजी •

दुबई में बन रही दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत

संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत बन रही है। इस इमारत का नाम बुर्ज अजीजी है।

इस बिल्डिंग को रियल एस्टेट फर्म अजीजी डेवलपमेंट्स बना रहा है। इस साल जनवरी में ही बुर्ज अजीजी का शिलान्यास हुआ था, लेकिन उस समय इसकी ऊंचाई का खुलासा नहीं किया गया था। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इस बिल्डिंग के डेवलेपर को दुबई के अधिकारियों से मंजूरी का इंतजार था। दुबई में कोई भी ऊंची इमारत बनाने के लिए जनरल सिविल एविएशन अथॉरिटी (GCAA) की मंजूरी लेना जरूरी होता है।

रियल एस्टेट फर्म अजीजी डेवलपमेंट्स ने बताया है कि बुर्ज अजीजी की ऊंचाई 725 मीटर (2,379 फीट) होगी। वहीं बुर्ज खलीफा की ऊंचाई 828 मीटर है।

प्रधानमंत्री ने किया भारत एक्सपो मार्ट सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विशेष डायोड्स से सुसज्जित है जहां ऊर्जा दोनों दिशाओं में बहती है

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में भारत एक्सपो मार्ट सेमीकॉन इंडिया 2024 का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

- **11 से 13 सितंबर तक हुआ सेमीकॉन इंडिया 2024 का आयोजन।**
- **शेपिंग द सेमीकंडक्टर फ्यूचर विषय पर हुआ आयोजन।**
- **सम्मेलन में 250 से अधिक प्रदर्शक हुए शामिल।**
- **150 से अधिक वक्ता हुए शामिल।**

भारत को सेमीकंडक्टर का वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में सेमीकंडक्टर रणनीति और नीति को प्रदर्शित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का आठवां देश है जो वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत में हालात कभी कठिन नहीं हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को आश्वस्त करता है कि जब हालात कठिन हों तो भारत पर निर्भर किया जा सकता है। सेमीकंडक्टर उद्योग और डायोड के बीच संबंध पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विशेष डायोड्स से सुसज्जित है जहां ऊर्जा दोनों दिशाओं में बहती है। उन्होंने कहा कि जब उद्योग निवेश करते हैं और मूल्य निर्माण करते हैं तब सरकार दूसरी ओर स्थिर नीतियों तथा व्यवसाय करने में आसान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया भारत एक्सपो मार्ट सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ

हालत प्रदान करती है।

सेमीकंडक्टर कार्यबल तैयार कर रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है जो सेमीकंडक्टर उद्योग में एकीकृत सर्किट के समान है। उन्होंने कहा कि भारत का डिजाइनिंग के क्षेत्र में योगदान 20 प्रतिशत है और लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 85 हजार तकनीशियनों, इंजीनियरों और अनुसंधान तथा विषय विशेषज्ञों का एक सेमीकंडक्टर कार्यबल तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को नई दिशा और ऊर्जा देने का लक्ष्य रखता है।

भारत हर क्षेत्र में निर्माण बढ़ा रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में चिप का अर्थ केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक माध्यम है। यह छोटी चिप भारत में हर जगह डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए बड़े काम कर रही है। उन्होंने कहा यूपीआई हो, रुपे कार्ड हो, डिजिलॉकर हो या डिजी यात्रा हो, कई डिजिटल प्लेटफार्म भारतीय लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में निर्माण बढ़ा रहा है जिससे डेटा केंद्रों की मांग भी बढ़ रही है।

खनिज मिशन का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने के विषय पर चर्चा की और घरेलू उत्पादन तथा विदेशी अधिग्रहण को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में घोषित महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से कस्टम ड्यूटी छूट और महत्वपूर्ण खनिजों की खनन नीलामी पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी के सहयोग से भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान में एक सेमीकंडक्टर अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की योजना की जानकारी दी।

रूस को मिलीं ईरान से बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ने रूस को सैकड़ों की संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलें भेजी हैं। यह दावा यूक्रेन के अधिकारियों ने किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए ईरान के समर्थन में भारी वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, इसे इज़राइल के लिए खुशी की बात बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे यह माना जा सकता है कि ईरान हाल फिलहाल में इजरायल पर हमला करने की नहीं सोच रहा। वहीं, यूक्रेन के लिए इसे खतरे का संकेत बताया जा रहा है। रूस इन बैलिस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन में हमलों को बढ़ा सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस ने फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब से अब तक जंग जारी है।

जानकारी के अनुसार, इस सप्ताह रूस के कैस्पियन सागर बंदरगाह पर 200 से अधिक फथ-360 (Fath-360) शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलें पहुंची। सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों की रेंज 120 किलोमीटर तक है। आशंका है कि रूस इस मिसाइल का इस्तेमाल अपनी सीमा के करीब स्थित यूक्रेनी शहरों खारकीव और सुमी के बुनियादी ढांचे और सीमावर्ती क्षेत्र में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए कर सकता है।

ब्राजील के ऑपरेशन फॉर्मोसा में चीन और अमेरिका की नौसेना हुईं शामिल

चीन और अमेरिका एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। लेकिन फिर भी दोनों देशों की सेनाएं आपस में मिलिट्री एक्सरसाइज कर रही हैं। अमेरिका और चीन ने पहली बार ब्राजीलियाई सशस्त्र बलों के नेतृत्व में संयुक्त सैन्य अभ्यास ऑपरेशन फॉर्मोसा में भाग लेने के लिए अपने सैनिकों को भेजा है। पिछले साल ऑपरेशन फॉर्मोसा में दक्षिणी कमान के अमेरिकी सैनिकों ने हिस्सा लिया था। जबकि चीन ने पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लिया था। वर्ष 1998 से आयोजित किया जा रहा ऑपरेशन फॉर्मोसा लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों में

- **चीन और अमेरिका की सेनाएं एक साथ आई हैं।**
- **दोनों देशों के सैनिक एक सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं।**

से एक है। हालांकि यह पहली बार है जब चीन और अमेरिका दोनों ने अपने सैनिकों को इसमें हिस्सा लेने के लिए भेजा है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजीलियाई सेना के प्रवक्ता ने कहा कि चीन की नौसेना के 33 और अमेरिकी नौसेना के 54 लोग इस साल ऑपरेशन फॉर्मोसा में हिस्सा ले रहे हैं। ब्राजील के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अर्जेंटीना, फ्रांस, इटली, मैक्सिको, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों के सैनिकों समेत लगभग 3000 सैन्यकर्मी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। ब्राजील की नौसेना ने कहा कि इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए मित्र राष्ट्रों को आमंत्रित करने की प्रथा है।

एलन मस्क के स्पेसएक्स ने रचा इतिहास

पोलारिस डॉन मिशन लॉन्च हुआ

अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने पोलारिस डॉन मिशन को लॉन्च कर दिया है। इस दौरान चार व्यक्तियों की एक टीम को एक साहसिक लेकिन जोखिम भरे अंतरिक्ष अभियान पर भेजा गया है। पोलारिस डॉन नाम का यह मिशन अमेरिकी समयानुसार तय समय पर रवाना हुआ। स्पेसएक्स ने इस कार्यक्रम को अपने एक्स प्लेटफॉर्म (ट्विटर) पर लाइवस्ट्रीम भी किया। पोलारिस डॉन वैन एलेन रेडिएशन बेल्ट के भीतर यात्रा करने वाला पहला मिशन हो गया। इसके अलावा इस अभियान में शामिल अंतरिक्ष यात्री पहली बार किसी कॉमर्शियल स्पेसक्राफ्ट से स्पेस वॉक कर सके।

उल्लेखनीय है कि पोलारिस डॉन मिशन को अगस्त में ही लॉन्च किया जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें देरी हुई। हालांकि, स्पेसएक्स के मिशन को उड़ान भरने के लिए केवल साफ मौसम की आवश्यकता नहीं थी बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि सभी चार अंतरिक्ष यात्री पांच दिनों की अपनी यात्रा के बाद वापस पृथ्वी पर लौट आएं।

पोलारिस डॉन स्पेसएक्स और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी फर्म शिफ्ट 4 पेमेंट्स के अरबपति संस्थापक जेरेड इसाकमैन के दिमाग की उपज है, जिन्होंने सितंबर 2021 में इंस्पिरेशन 4 मिशन के साथ अंतरिक्ष उड़ान में अपना पहला कदम रखा। इस मिशन पर जेरेड इसाकमैन भी गए हैं। उनकी इस अंतरिक्ष यात्रा का उद्देश्य पहली बार निजी तौर पर अंतरिक्ष में चहलकदमी करना था। इसाकमैन के अलावा इस मिशन पर उनके करीबी दोस्त और पूर्व अमेरिकी वायु सेना के पायलट स्कॉट ''किड'' पोटेट, स्पेसएक्स इंजीनियर अन्ना मेनन और सारा गिलिस शामिल रहे हैं।

वियतनाम में तूफान यागी ने मचाई तबाही

वियतनाम में आए सुपर टाइफून यागी ने भारी तबाही मचाई है। उत्तरी वियतनाम में इस तूफान के कारण एक व्यस्त पुल

- **तूफान के कारण एक लोहे का पुल टूट गया है।**
- **पुल टूटने के कारण कई वाहन पानी में समा गए हैं।**

ढह गया। वहीं भूस्खलन के कारण 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पुल के गिरने के दौरान का फुटेज सामने आया है। एक कार के डैशकम फुटेज में पुल का गिरना रिकॉर्ड हो गया। फुटेज में दिख रहा है कि फू थो प्रांत में फोंग चाऊ पुल टूट गया। इस कारण कार के आगे चल रहे कई वाहन पानी में गिर गए। घायल लोगों की तलाश की जा रही है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने

वियतनाम की एक समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण 247 लोग घायल हुए हैं। इस आपदा से 1,13,000 हेक्टेयर चावल के खेत और 22,000 हेक्टेयर से अधिक अन्य फसलों के खेतों को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा 1,90,000 पक्षी मारे गए और लगभग 1,21,700 पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।